FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
x.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in

www.focusnews.co.in
@FocusnewsIn

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। गुरुवार 22 मई 2025। दशमी, बैशाख मास, कृष्ण पक्ष। 2081 विक्रम संवत। पेज – 12। मूल्य 2 रु। वर्ष : 12। अंक : 308

हरियाणा में जेल वार्डर के 1,300 पद जल्द भरे जाएंगे: मुख्यमंत्री सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कहा कि जेल विभाग में बड़ा भर्ती अभियान चलाया जाएगा और जेल वार्डर के लगभग 1,300 पद शीघ्र ही भरे जाएंगे।

सूर्यकुमार का अर्धशतक, बुमराह और सैंटनर के तीन तीन विकेट, मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक के बाद मिचेल सैंटनर और जसप्रीत बुमराह के तीन तीन विकेट की बदौलत आईपीएल के अहम मुकाबले में दिल्ली कैपिट्स को 59 रन से हराकर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम बन गई।

राष्ट्रपति मुर्मू को अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह के लिए आमंत्रित किया गया

महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मालवा साम्राज्य की रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह के लिए महाराष्ट्र में उनके जन्मस्थान पर आमंत्रित किया।

आप भी तो नहीं कर रहीं ये गलतियां

आजकल सुपर मार्केट का जमाना है। हर कोई अपनी पसंद के हिसाब से सामान चुनना पसंद करता है लेकिन यह सहूलियत कई बार जी का जंजाल बन जाती है और आप ऐसी चीजें खरीद लाती हैं जो न केवल आपका बजट बिगाड़ती है बल्कि सेहत के लिए भी खासी नुकसानदायक होती है।

'ठग लाइफ' की थियेटर और ओटीटी रिलीज में आठ हफ्ते का अंतर व्यावहारिक कदम है: कमल हासन

कमल हासन ने अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' की थियेटर और ओटीटी रिलीज के बीच आठ सप्ताह का अंतर रखने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शेरों की संख्या बढ़ने पर खुशी प्रकट की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में शेरों की संख्या बढ़ने पर बुधवार को खुशी प्रकट करते हुए कहा कि 'शेर परियोजना' ने इस जानवर के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की।

भारत, अन्य ब्रिक्स देशों ने कम कार्बन वाली ऊर्जा के लिए रियायती वित्तपोषण बढ़ाने की मांग रखी

भारत और अन्य ब्रिक्स देशों ने मिलकर विकसित देशों से रियायती और कम लागत वाले वित्तपोषण को बढ़ाने का आह्वान किया है।

सलाह से रास्ते मिलते है, मंजिल तक पहुंचने के लिए खुद ही मेहनत करनी पड़ती हैं।।

सेल्समेन : सर कॉकरोच के लिए पाउडर लेंगे क्या?
Pappu : "नहीं हम कॉकरोच को इतना लाड़ प्यार नहीं करते ! आज पाउडर लगा देंगे तो कल साला fogg मांगेगा ।
सेल्समेन बेहोश !!!!

आतंकवादियों ने खुद दुनिया को दिया ऑपरेशन सिंदूर का सबूत: उपराष्ट्रपति धनखड़

। कृष्णा अग्रवाल ।

पणजी, फोकस न्यूज, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि आतंकवादियों ने स्वयं ही दुनिया को 'ऑपरेशन सिंदूर' के सबूत उपलब्ध करा दिए हैं और इस अभियान के तहत जिन लोगों को निशाना बनाया गया था, उनके ताबूतों को पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों और नेताओं द्वारा ले जाया गया था। दक्षिण गोवा के वास्को में मोरमुगाओ बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) द्वारा आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत के सटीक सैन्य हमलों ने जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा को करारा संदेश दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''इससे वैश्विक संदेश गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार की धरती से पूरी दुनिया को यह संदेश दिया था कि आतंकवाद को अब बख्शा नहीं जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''यह हमला अंतरराष्ट्रीय सीमा से परे क्षेत्र में किया गया। हमारे सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, लक्ष्य केवल आतंकवादी थे। यह सभी के लिए कितनी संतुष्टि की बात है।'' उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता के बाद कोई भी इसका सबूत नहीं मांग रहा है। धनखड़ ने कहा, ''आतंकवादियों (जिन्हें निशाना बनाया गया) ने पूरी दुनिया के सामने इसका सबूत उजागर कर दिया। ताबूतों को उस देश के सैन्य बल, उस देश के राजनीतिक बल और आतंकवादियों द्वारा ले जाया गया।'' जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गये थे। इस घटना के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के कब्जे (शेष पेज दो पर)

ऑपरेशन सिंदूर भारत का सबसे बड़ा आतंकवाद विरोधी अभियान: राजनाथ सिंह

लखनऊ, फोकस न्यूज, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सैनिकों की बहादुरी की सराहना की और इसे ''भारत का सबसे बड़ा आतंकवाद विरोधी अभियान'' और आतंकवाद के खिलाफ देश के अटूट संकल्प का प्रमाण बताया। अपने संसदीय क्षेत्र के त्रिवेणी नगर में आयोजित 'वरिष्ठ नागरिक संवाद' में सिंह ने बड़ी संख्या में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 70 से 85 वर्ष की आयु के वरिष्ठ नेताओं के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा की लखनऊ इकाई के अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और विधायक नीरज बोरा भी शामिल हुए। सिंह ने अपने संबोधन की शुरुआत पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के योगदान को स्वीकार करते हुए की और कहा कि उन्हें समुदाय के साथ उनकी निरंतर भागीदारी और जुड़ाव देखकर ''गहरी भावनात्मक गूंज'' महसूस हुई। उन्होंने कहा, ''आपने हमें सिखाया है कि जमीनी स्तर पर लोगों के साथ सार्थक संबंध कैसे बनाए रखें।'' 'ऑपरेशन सिंदूर' की हालिया सफलता पर प्रकाश डालते हुए सिंह ने कहा, ''पहलगाम हमले का बदला लेने में हमारे सैनिकों ने असाधारण साहस और रणनीति का प्रदर्शन किया। मैंने व्यक्तिगत रूप से अपने सैनिकों को उनकी वीरता के लिए बधाई दी और धन्यवाद दिया।'' उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को एक कड़ा संदेश दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी भी हद तक जा सकता है। हमले की सटीकता पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि नागरिक क्षेत्रों से बचने के लिए सावधानी बरती गई। उन्होंने कहा, ''लक्ष्य पर पूरी सटीकता से हमला किया गया। (शेष पेज दो पर)

कारीगरों ने बनायी 'आपरेशन सिंदूर' को समर्पित कलाकृति; प्रधानमंत्री को भेंट की जाएगी

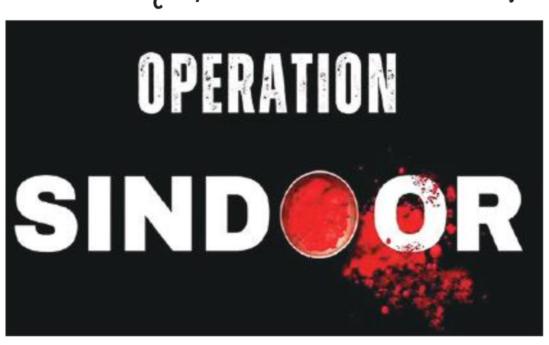

आगरा (उप्र), 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का देश भर में जश्न मनाये जाने के बीच आगरा के ताजगंज क्षेत्र के मुस्लिम कारीगरों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'ऑपरेशन सिंदूर' का निरीक्षण करते हुए प्रदर्शित करने वाली एक कलाकृति तैयार की है। कीमती पत्थरों से निर्मित इस कलाकृति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट करने की योजना है। 'आपरेशन सिंदूर' भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों पर कार्रवाई के लिये चलाया गया था। कलाकृति बनाने वाले कारीगरों में शामिल इसरार ने बुधवार को 'पीटीआईकृभाषा' को बताया, ''यह कलाकृति ढाई फुट ऊंची और तीन फुट चौड़ी है। हमने इसे बनाने के लिए बेल्जियम, बर्मा और श्रीलंका से मंगाये गये पत्थरों का इस्तेमाल किया है। (शेष पेज दो पर)

परमार्थ निकेतन में चंपत राय का आगमन: श्रीराम मंदिर की दिव्यता पर विशेष व्याख्यान

ऋषिकेश। फोकस न्यूज। परमार्थ निकेतन आश्रम में हाल ही में एक विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक चंपत राय ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने अयोध्या में निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर की दिव्यता, भव्यता और आध्यात्मिक महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला।

श्रीराम मंदिर: राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक: चंपत राय ने अपने संबोधन में कहा, "श्रीराम मंदिर केवल एक संरचना नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय गौरव और आंतरिक जागरण का प्रतीक है।" उन्होंने मंदिर के निर्माण में देशभर के कारीगरों, विशेषज्ञों और श्रद्धालुओं के योगदान को रेखांकित करते हुए इसे (शेष पेज दो पर)

सीएम रेखा गुप्ता का विज़न: डेयरी कॉलोनियों में सुविधाओं का सुधार, गौशालाएं बनेंगी और भी सशक्त

नई दिल्ली। फोकस न्यूज। दिल्ली की सड़कों को आवारा पशुओं से मुक्त और डेयरी व्यवसाय को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक ऐतिहासिक पहल की है। एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने राजधानी के डेयरी संचालकों, गौशाला प्रबंधकों, एमसीडी और पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद किया और अनेक कल्याणकारी घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार अब पशुओं के कल्याण और डेयरी सेक्टर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है, जिसे सरकार पूरी संवेदनशीलता से निभाएगी।

मुख्य योजनाएं और घोषणाएं: डेयरी कॉलोनियों में सुविधाओं का सुधार: सरकार अधिकृत डेयरियों में जल आपूर्ति, साफ–सफाई, बेहतर सीवरेज (शेष पेज दो पर)

आरएसएस का संघ शिक्षा वर्ग शुरू: 24 जिलों के 332 स्वयंसेवक प्रशिक्षण में सम्मिलित

चूरू। राजस्थान के चूरू जिले के तारानगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का वार्षिक संघ शिक्षा वर्ग आरंभ हो गया है। इस प्रशिक्षण शिविर में 24 जिलों से आए 332 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं, जो संघ के वैचारिक, शारीरिक और संगठनात्मक मूल्यों की गहन शिक्षा प्राप्त करेंगे।

प्रशिक्षण का उद्देश्य और स्वरूप: संघ शिक्षा वर्ग का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और संगठन विस्तार के लिए तैयार करना है। यह प्रशिक्षण शिविर आमतौर पर 15 दिनों का होता है, जिसमें शारीरिक व्यायाम, शास्त्रीय शिक्षा, संघ विचारधारा और सामूहिक अनुशासन सिखाया जाता है। प्रशिक्षकों में वरिष्ठ प्रचारक और अनुभवी स्वयंसेवक शामिल होते हैं।

वर्ग का महत्व: संघ शिक्षा वर्ग को आरएसएस की रीढ़ की हड्डी माना जाता है, क्योंकि यही वह मंच है जहाँ स्वयंसेवकों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत किया जाता है। प्रशिक्षण के उपरांत ये स्वयंसेवक विभिन्न सामाजिक व राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। (शेष पेज दो पर)

इन गंभीर समस्याओं में अदरक का सेवन है बेहद लाभकारी, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका?

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन: एसिडिटी: खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं। मतली और उल्टी को कम करना: हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार: अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित (शेष पेज दो पर)

फटे हुए दूध से पनीर नहीं अब बनाएं मुंह में घुल जाने वाली मिठाई, झटपट नोट करें रेसिपी

गर्मियों के मौसम में दूध का फटना आम होता है। ज़्यादातर घरों में दूध के फटने पर उसका पनीर बनाया जाता है। लेकिन ज़रूरी नहीं है कि हर बार फ़टे हुए दूध से पनीर ही बनाएं आप स्वाद से भरपूर मिठाई भी बना सकते हैं। ऐसी मिठाई जो मुंह में जाते ही घुल जाएं। यह मिठाई रेसिपी बनाने में जितनी आसान है उतनी ही टेस्टी भी है। चलिए अब बनाते हैं फटे हुए दूध से मिठाई।

मिठाई रेसिपी के लिए सामग्री : 500 ग्राम फटा हुआ दूध, 2 कप चीनी, चार कप पानी, 1 चम्मच इलायची पाउडर, मिठाई को खुशबूदार बनाने के (शेष पेज दो पर)

चुकंदर से खिल जाएगा चेहरे का पोर पोर, टैनिंग भी होगी दूर, जानिए तीन तरीकों से कैसे बनाएं फेस मास्क

चुकंदर यानी बीटरूट का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। लेकिन यह आपकी स्किन के लिए भी काफी लाभकारी है। यह त्वचा को चमकदार, स्वस्थ और युवा बनाए रखने में मदद करता है। चुकंदर में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, और यह त्वचा को हाइड्रेटेड और स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है। आप चुकंदर का इस्तेमाल अपनी स्किनकेयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं और नियमित रूप से उपयोग करके बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। चलिए, जानते हैं डल और बेजान (शेष पेज दो पर)

आतंकवादियों ने... (पेज एक का शेष) वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किये थे। धनखड़ ने कहा कि भारत एक वैश्विक आर्थिक शक्ति और समुद्री महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि देश शांति, स्थिरता और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए हमें प्रति व्यक्ति आय में आठ गुना वृद्धि की आवश्यकता है। जब हमारे पास युद्ध जैसी स्थिति हो तो आर्थिक विकास नहीं हो सकता। शांति का माहौल विकास और प्रगति के लिए जरूरी है।'' धनखड़ ने कहा कि शांति का माहौल सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विकास की मजबूती तथा राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता से बनता है। अधिकारियों ने बताया कि वास्को की अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति ने मोरमुगाओ बंदरगाह पर तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं।

ऑपरेशन सिंदूर... (पेज एक का शेष) किसी भी नागरिक या गैर–सैन्य संरचना को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। यह हमारे बलों के अनुशासन और नैतिक शक्ति को दर्शाता है।'' उन्होंने 'ऑपरेशन' के नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी श्रेय दिया। विकास के मोर्चे पर, सिंह ने स्वीकार किया कि वह लखनऊ में प्रगति की वर्तमान गति से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने शहर के बुनियादी ढांचे को बदलने के उद्देश्य से कई आगामी पहलों की घोषणा की। सिंह ने कहा, ''जल्द ही लखनऊ में 2,500 करोड़ रुपये की लागत वाली सेमीकंडक्टर चिप निर्माण इकाई स्थापित होगी।'' उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र की प्रौद्योगिकी उन्नति में एक बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी कहा कि रिंग रोड परियोजना की सफलता के बाद शहर के चारों ओर एक सर्कुलर ट्रेन प्रणाली शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा, ''मैंने पहले ही केंद्रीय रेल मंत्री से इस बारे में चर्चा की है। शहरी आवागमन को आसान बनाने के लिए लखनऊ में जल्द ही एक सर्कुलर ट्रेन प्रणाली होगी।''

परमार्थ निकेतन... (पेज एक का शेष) हजारों वर्षों की आस्था, संघर्ष और समर्पण का साक्षी बताया। **आध्यात्मिक वातावरण में प्रेरणादायक संवाद:** परमार्थ निकेतन के शांत और दिव्य वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में आश्रम के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने श्री चंपत राय जी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर न केवल भारत के, बल्कि विश्व मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत है।

पर्यावरण संरक्षण की पहल: कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रुद्राक्ष के पौधे का रोपण भी किया गया। यह पहल आध्यात्मिकता और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आरएसएस का... (पेज एक का शेष) वर्ग का उद्घाटन समारोह रविवार सुबह 9 बजे सरस्वती शिशु मंदिर परिसर, टीला खेड़ी, विदिशा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सर्वाधिकारी श्री हरिश्चंद्र शर्मा और मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक श्री विमल गुप्ता ने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर वर्ग का शुभारंभ किया। श्री गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि "देश के लिए मरना श्रेष्ठ है, पर देश के लिए जीने वालों की आज आवश्यकता है"। उन्होंने स्वयंसेवकों को साधना, अनुशासन और देशभक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। **प्रशिक्षण की विशेषताएं:** इस वर्ग में शामिल स्वयंसेवकों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा और प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है, और इस वर्ग में अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए स्वयंसेवक अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान समय प्रबंधन, कार्यकर्ता प्रबंधन और कार्य का प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कौशल सिखाए जाएंगे। 15 दिवसीय इस वर्ग का सार्वजनिक समापन 2 जून को होगा, जिसमें प्रशिक्षित स्वयंसेवक अपने अनुभव साझा करेंगे और प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई विधाओं का प्रदर्शन करेंगे। संघ शिक्षा वर्ग के माध्यम से आरएसएस अपने स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करता है, जिससे वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम बनते हैं।

फटे हुए... (पेज एक का शेष) लिए 1 छोटा चम्मच गुलाब जल, गार्निशिंग के लिए काजू, पिस्ता और बादाम ले लें।

कैसे बनाएं मिठाई? : पहला स्टेप: सबसे पहले फटे हुए दूध को एक मलमल के कपड़े में डालकर अच्छी तरह छानकर निचोड़ लें ताकि सारा पानी निकल जाए। अब एक कॉटन के कपड़े में उसे बांधकर 5–6 घंटे के लिए लटकाकर रख दें ताकि बचा हुआ पानी निकल जाए।

दूसरा स्टेप: इस एक बतर्न में छने हुए पनीर को निकालकर अच्छी तरह मसल लें ताकि वह मुलायम हो जाए। ध्यान रखें उसे तब तक मसलना है जब तक वह सॉफ्ट न हो जाए।दूसरी तरफ चीनी के घोल को उबालकर एक तार की चाशनी तैयार कर लें।

तीसरा स्टेप: अब, पनीर में स्वादानुसार चीनी, 1 चम्मच इलायची पाउडर और 2 चम्मच मैदा मिलाएं। सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर गुंथ लें। अब इस मिक्सचर को छोटे–छोटे गोल या अपनी पसंद के शेप में बना लें।

चौथा स्टेप: अब, एक कड़ाही में देसी घी गरम करें और इन गोलों को हल्की आंच पर सुनहरा होने तक तल लें। तले हुए पेड़े को चाशनी में 10 मिनट के लिए डुबोएं और फिर निकालें और स्क्वीज़ करें। आखिर में, इन्हें थोड़े से काजू, पिस्ता, या बादाम से सजाएं। लीजिए आपकी फटे हुए दूध की टेस्टी छेना मिठाई बनकर तैयार है। ठंडा करने के लिए आप इसको फ्रिज में भी रख सकते हैं। ठंडी होने के बाद ये मिठाई आपके मुंह में घुल जाएगी। जिसे आप परिवार के साथ आनंद लेकर खा सकते हैं।

भारत ने 2024 में 18,200 हेक्टेयर प्राथमिक वन गंवाए: आंकड़े

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत में 2024 में 18,200 हेक्टेयर प्राथमिक वन नष्ट हो गए, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 17,700 हेक्टेयर था। लगभग 100 से अधिक संगठनों द्वारा वैश्विक सहयोग के जरिये जुटाए गए नवीनतम आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच और मैरीलैंड विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये गए आंकड़ों के अनुसार देश ने वर्ष 2001 के बाद से 2.31 लाख हेक्टेयर वृक्ष आच्छादन खोया जोकि इस अवधि के दौरान 7.1 प्रतिशत वृक्ष आच्छादन में कमी के बराबर है और इससे लगभग 1.29 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने 2002 से 2024 के बीच 3.48 लाख हेक्टेयर आर्द्र प्राथमिक वन (5.4 प्रतिशत) खोये जोकि इस अवधि के दौरान हुए कुल वृक्ष आच्छादन हानि का 15 प्रतिशत है।

चुकंदर से... (पेज एक का शेष) स्किन के लिए चुकंदर का फेस मास्क कैसे बनाएं?

पोषक तत्वों से भरपूर है चुकंदर : चुकंदर में मौजूद पोषक तत्व त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं, जिससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार दिखती है। चुकंदर में एंटी–ऑक्सीडेंट भी होते हैं जो त्वचा को फ्री रेडिकल डैमेज से बचाते हैं और झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करने में मदद करते हैं।

ऐसे बनाएं चुकंदर का फेस मास्क: : चुकंदर दही फेस पैक: चुकंदर फेस पैक को घर पर बनाने के लिए सबसे पहले चुकंदर को कद्दूकस करें और उसका रस निकालें।रस को अन्य सामग्रियों जैसे दही, शहद, मुल्तानी मिट्टी आदि के साथ मिलाकर पेस्ट बनाएं। पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15–20 मिनट के लिए छोड़ दें। ठंडे पानी से धो लें। चुकंदर एलोवेरा फेस पैक: चुकंदर फेस पैक को बनाने के लिए, आधा चुकंदर को टुकड़ों में काटें और उसका रस निकाल लें।अब रस में एक चम्मच एलोवेरा डालकर मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे लगभग 20 मिनट तक लगा रहने दें। चुकंदर और नींबू का फेस पैक: चुकंदर और नींबू का फेस पैक दाग–धब्बों से राहत दिलाने में मदद करता है। चुकंदर का पेस्ट लें, उसमें कुछ बूंद नींबू का रस मिलाएं और अच्छे से मिक्स करें और इसे चेहरे पर लगाएं। कुछ मिनट बाद चेहरा धो लें। सप्ताह में दो बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप चेहरे पर चुकंदर इस्तेमाल करने जा रहे हैं, तो पहले थोड़ा सा पैच टेस्ट जरूर करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपको कोई एलर्जी नहीं है।

कारीगरों ने... (पेज एक का शेष) ताजमहल में किये गये पत्थर के बारीक काम की तरह इस मोजैक को भी बड़े हुनर के साथ उकेरा गया है। इसमें दिखाया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी आपरेशन सिंदूर की कार्रवाई खुद देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि छह मुस्लिम कारीगरों ने इस मोजैक को 15 दिन की मशक्कत और पूरे समर्पण से तैयार किया है। यह तस्वीर प्रधानमंत्री मोदी को सप्रेम भेंट की जाएगी। इस कलाकृति को बनवाने वाले अदनान शेख ने कहा कि ''ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है, लिहाजा हमने ऐसी तस्वीर बनवाई है जो यादगार हो। जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात का वक्त मिलने की उम्मीद है। हम उन्हें यह मोजैक भेंट करेंगे।''

सीएम रेखा... (पेज एक का शेष) और कचरा प्रबंधन सुनिश्चित करेगी।

बायो–गैस प्लांट की स्थापना: गोबर से ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए बायो–गैस प्लांट लगाए जाएंगे, जिससे स्वच्छता और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

गौशालाओं का विस्तार और आधुनिकीकरण: मौजूदा गौशालाओं में सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी और नई गौशालाएं आधुनिक तकनीक के साथ विकसित की जाएंगी।

मॉडल गौशाला की स्थापना: घुम्मनहेड़ा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एक मॉडल गौशाला के निर्माण के लिए ₹40 करोड़ का विशेष बजट आवंटित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली की कोई भी गाय या पशु सड़कों पर न भटके, बल्कि उन्हें सुरक्षित, स्वच्छ और आदर्श वातावरण में रखा जाए।

समावेशी संवाद और सहभागिता: बैठक के दौरान डेयरी संचालकों ने भी अपनी समस्याएं साझा कीं, जिनमें पानी की कमी, सीवेज प्रणाली की असुविधा और बायो–गैस प्लांट की अनुपलब्धता शामिल थीं। मुख्यमंत्री ने इन्हें गंभीरता से लेते हुए भरोसा दिलाया कि अब सभी वादे योजनाबद्ध रूप से धरातल पर उतारे जाएंगे।

गौशालाओं में नई ऊर्जा का संचार: दिल्ली की प्रमुख गौशालाओं जैसे– डाबर हरेकृष्णा (सुरहेड़ा), मानव गौसदन (रेवला खानपुर), गोपाल गोसदन (हरेवली) और श्री कृष्ण गौशाला (बवाना) कृ को मजबूत किया जाएगा और पुनर्जीवित किया जाएगा। गायों की बेहतर देखरेख के लिए सरकार द्वारा प्रतिदिन ₹40 की सहायता राशि (₹20 नगर निगम + ₹20 राज्य सरकार) दी जा रही है, और अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इसका पूरा लाभ पशुओं तक पहुंचे।

नई व्यवस्था, नया विश्वास: पशुओं की टैगिंग और ट्रैकिंग की आधुनिक प्रणाली लागू होगी।

सुरक्षित और सम्मानजनक परिवहन के लिए नई गाड़ियाँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्वास्थ्य देखभाल, चारा और स्वच्छता के हर पहलू पर सशक्त निगरानी होगी।

नवाचार और करुणा का संगम : यह पहल न केवल पशु कल्याण को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी, बल्कि दिल्ली के शहरी प्रबंधन को भी एक नई दिशा देगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की यह दूरदर्शी सोच राजधानी को एक सुसंस्कृत, सुरक्षित और संवेदनशील शहर के रूप में स्थापित करने की ओर बढ़ा रही है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए एक बार संविधान संशोधन की जरूरत: शिवराज

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश भर में एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान में एक बार संशोधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि बार–बार चुनाव होने से शासन में बाधा आ रही है और सार्वजनिक व्यय बढ़ रहा है। चौहान ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में विद्यार्थियों और बुद्धिजीवियों के साथ इस विषय पर आयोजित संवाद में कहा, ''...'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए और हमें संवैधानिक संशोधन लाकर इसे अंजाम देना चाहिए।'' उन्होंने तर्क दिया कि बार–बार चुनाव होने से राजनीतिक नेतृत्व और प्रशासनिक मशीनरी दोनों का कामकाज बाधित होता है, जिससे दीर्घकालिक नीतिगत निर्णय लेने के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है। चौहान ने कहा, ''वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को किसी भी राज्य में पर्यवेक्षक के रूप में भेज दिया जाता है, जहां चुनाव होते हैं। मंत्रियों से लेकर प्रधानमंत्री तक, हर कोई लगातार चुनावी मोड में रहता है।'' मध्य प्रदेश का उदाहरण देते हुए चौहान ने कहा कि पहले विधानसभा चुनाव और फिर संसदीय चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण सितंबर 2023 तथा जून 2024 के बीच कोई महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, ''कोई भी नयी योजना शुरू नहीं हो पाती और सरकारी अधिकारी भी चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों का हवाला देकर काम धीमा कर देते हैं।'' चौहान ने कहा कि गणतंत्र के प्रारंभिक वर्षों (1952, 1957, 1962 और 1967) में एक साथ चुनाव कराना एक आदर्श व्यवस्था थी, लेकिन राज्य सरकारों में राजनीतिक अस्थिरता के कारण यह व्यवस्था बाधित हो गई। उन्होंने कहा, ''यदि कुछ राज्यों में चुनाव पहले या विलंबित करके एक बार चुनाव कराए जाएं तो हम उस प्रणाली पर वापस लौट सकते हैं।'' मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारी पार्टी पूरे साल चुनाव लड़ने में सक्षम है, लेकिन राष्ट्रीय हित पहले आता है। यह किसी एक पार्टी को लाभ पहुंचाने के बारे में नहीं है। यह बेहतर शासन सुनिश्चित करने और प्रणाली पर बोझ कम करने के बारे में है।'' चौहान ने भारत के सभ्यतागत लोकाचार की सराहना करते हुए कहा, ''केवल सीमित ज्ञान वाले लोग ही कहते हैं कि 'यह मेरा है, वह तुम्हारा है'। हमारी सभ्यता सिखाती है कि विश्व एक परिवार है।'' हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में सशस्त्र बलों की भूमिका की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, ''हम संघर्ष की शुरुआत नहीं करते, लेकिन उकसावे पर हम दृढ़ता से जवाब देते हैं।

इन गंभीर... (पेज एक का शेष) करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी: अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर: अदरक में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार: अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?: अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज़्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

असम मंत्रिमंडल ने संगीत कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े पर्यटन, सौर ऊर्जा उत्पादन नीतियों को मंजूरी दी

डेरगांव (असम), (भाषा) असम मंत्रिमंडल ने बुधवार को संगीत कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े पर्यटन (कॉन्सर्ट टूरिज्म) और सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए नीतियों तथा डिब्रूगढ़ में खानिकर स्टेडियम को राज्य में इस तरह की सबसे बड़ी सुविधा के तौर पर उन्नयन करने को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने उन लोगों को भी निजी सुरक्षा मुहैया कराने की मंजूरी दे दी है, जिनको खतरा है, लेकिन उन्हें इसके बदले सरकार को भुगतान करना होगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कैबिनेट बैठक के बाद गोलाघाट जिले के डेरगांव में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''जिन्हें खतरे की आशंका है वे अब निजी सुरक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं, इस शर्त के अधीन कि उन्हें सरकार को भुगतान करना होगा। यह सुविधा खतरे की आशंका के उचित आकलन के बाद ही दी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने 'कॉन्सर्ट' अर्थव्यवस्था के लिए एक नयी नीति को मंजूरी दी है। शर्मा ने कहा, ''हमारा राज्य 'कॉन्सर्ट' अर्थव्यवस्था में हमारे पड़ोसी मेघालय सहित अन्य राज्यों से पिछड़ रहा था। इस नीति का उद्देश्य असम को बड़े पैमाने पर कॉन्सर्ट और संगीत समारोहों की मेजबानी करने के लिए एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करना है।'' उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत गुवाहाटी, डिब्रूगढ़ और जोरहाट को प्रमुख केंद्र के रूप विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह का पहला कार्यक्रम दिसंबर में गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने असम सौर ऊर्जा उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2025 को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य 2030 तक 3,500 मेगावाट क्षमता का लक्ष्य पूरा करना और 15,000 नौकरियां पैदा करने के लिए सार्वजनिक और निजी निवेश आकर्षित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिब्रूगढ़ में खनिकर स्टेडियम को 5,000 से 35,000 सीट की क्षमता के हिसाब से विकसित करने के लिए 209 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं जिससे यह राज्य का सबसे बड़ा स्टेडियम बन जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश गवई ने न्यायपालिका में योगदान के लिए न्यायमूर्ति ओका की सराहना की

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने बुधवार को न्यायमूर्ति अभय एस ओका की न्यायपालिका में उनके योगदान के लिए सराहना की और उन्हें ''काम के प्रति समर्पित व्यक्ति'' बताया। न्यायमूर्ति ओका के लिए बुधवार को 'सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट–ऑन–रिकॉर्ड एसोसिएशन' (एससीएओआरए) द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति के दिन शीर्ष अदालत में ग्रीष्मकालीन अवकाश होगा, जिसे ''अवकाशकालीन अदालती कार्य दिवस'' नाम दिया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति ओका के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए कहा कि वे 40 वर्षों से मित्र हैं, मुंबई में एक ही लॉ कॉलेज में पढ़े हैं और एक ही समय पर वकालत शुरू की थी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''वह पूरी तरह से काम के प्रति समर्पित हैं। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, क्योंकि मुझे कल बोलना है। आप सभी कल (सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित विदाई समारोह में) वहां होंगे...इसलिए मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, मैं जानता हूं कि वह जो भी निर्णय लेंगे, उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद खुद को परामर्श तक सीमित रखने का निर्णय लिया है। मुझे यकीन है कि उनकी सेवानिवृत्ति सिर्फ सेवानिवृत्ति नहीं होगी, बल्कि एक नए सफर की शुरुआत होगी।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मुंबई और दिल्ली में न्यायमूर्ति ओका के काम की प्रकृति उन्हें हमेशा व्यस्त रखेगी। उन्होंने कहा, ''मैं अपने सभी सहयोगियों की ओर से उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।''

न्यायमूर्ति ओका ने अपने संबोधन में प्रधान न्यायाधीश गवई को ''सच्चा लोकतंत्रवादी'' बताते हुए उनकी प्रशंसा की। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, ''आपको याद रखना चाहिए कि वह एक सच्चे लोकतंत्रवादी हैं। इसलिए उनके पदभार ग्रहण करने के अगले दिन ही हमने पूर्ण पीठ की बैठक की और कई निर्णय लिए गए, जिसमें पत्रों के चलन को बहाल करने का निर्णय भी शामिल था। इसलिए उन्होंने शपथ लेने के दूसरे दिन ही उपहार दे दिया और मुझे विश्वास है कि इसके बाद और भी कई उपहार दिए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''पूर्ववर्ती प्रधान न्यायाधीश ने उच्चतम न्यायालय को एक नयी दिशा दी, और मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं, क्योंकि मैं प्रधान न्यायाधीश गवई को इतनी अच्छी तरह जानता हूं कि वह पारदर्शिता के पथ पर उस यात्रा को आगे ले जाने वाले हैं।''

न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय की इस परंपरा से सहमत नहीं हैं कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश अपने अंतिम दिन न्यायालय में काम नहीं करेंगे। न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि उन्होंने बृहस्पतिवार को अदालत में बैठने के लिए प्रधान न्यायाधीश से अनुमति मांगी है।

भारत ने 2024 में 18,200 हेक्टेयर प्राथमिक वन गंवाए: जीडब्ल्यूएफ

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत में 2024 में 18,200 हेक्टेयर प्राथमिक वन नष्ट हो गए, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 17,700 हेक्टेयर था। यह बात 'ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच' (जीएफडब्ल्यू) के आंकड़ों में कही गई। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच में 100 से अधिक संगठन वैश्विक सहयोग के तहत मिलकर काम करते हैं। जीएफडब्लू ने कहा कि देश में 2002 से 2024 के बीच 3,48,000 हेक्टेयर आर्द्र प्राथमिक वन नष्ट हो गए जो देश के कुल आर्द्र प्राथमिक वन का लगभग 5.4 प्रतिशत है। यह इसी अवधि के दौरान भारत के कुल वनों वाले क्षेत्र के नुकसान का 15 प्रतिशत है। वर्ष 2019 और 2024 के बीच, भारत में 1,03,000 हेक्टेयर (1.6 प्रतिशत) आर्द्र प्राथमिक वन नष्ट हो गए, जो उन वर्षों में कुल वृक्ष आवरण हानि का 14 प्रतिशत है। आंकड़ों से पता चलता है कि देश ने 2022 में 16,900 हेक्टेयर, 2021 में 18,300 हेक्टेयर, 2020 में 17,000 हेक्टेयर और 2019 में 14,500 हेक्टेयर आर्द्र प्राथमिक वन गंवाए। प्राथमिक वन वे पुराने, घने और प्राकृतिक वर्षावन होते हैं जो अब तक पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं और जिन्हें हाल के वर्षों में कृत्रिम रूप से फिर से नहीं उगाया गया है। वर्ष 2001 से अब तक भारत में 23.10 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो चुका है, जो इस अवधि के दौरान वृक्षावरण में 7.1 प्रतिशत की कमी तथा 1. 29 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन के बराबर है। हालांकि, 2000 से 2020 तक भारत में 17.8 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र बढ़ा भी, जो कुल वैश्विक वृद्धि का लगभग 1.4 प्रतिशत था। वर्ष 2001 से 2024 के बीच असम में सबसे ज़्यादा 3,40,000 हेक्टेयर क्षेत्र में पेड़ नष्ट हुए, जो राष्ट्रीय औसत 67,900 हेक्टेयर से बहुत अधिक है। मिजोरम में 3,34,000 हेक्टेयर, नगालैंड में 2,69,000 हेक्टेयर, मणिपुर में 2,55,000 हेक्टेयर और मेघालय में 2,43,000 हेक्टेयर क्षेत्र में पेड़ खत्म हुए। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार, 2015 से 2020 के बीच भारत में वनों की कटाई की दर दुनिया में दूसरी सबसे अधिक थी। प्रति वर्ष लगभग 6,68,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो रहा है।

चंद्रयान की सफलता का श्रेय कस्तूरीरंगन के शानदार प्रयासों को जाता है: किरण कुमार

बेंगलुरु, (भाषा) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख एएस किरण कुमार ने कहा है कि चंद्रयान को आज जो सफलता मिल रही है, वह के कस्तूरीरंगन के शानदार प्रयासों का नतीजा है। कुमार 2015 से 2018 तक इसरो के अध्यक्ष रहे थे। इसरो के पूर्व प्रमुख कस्तूरीरंगन के सहयोगी कुमार ने कहा कि वह उन्हें 50 वर्षों से अधिक समय से जानते थे। उन्होंने बताया कि उन दिनों अंतरिक्ष मिशन के बारे में सरकार को समझाना आसान काम नहीं था। कुमार ने बुधवार को कस्तूरीरंगन के साथ बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि इसके लिए वैज्ञानिक और तकनीकी संगठनों के बीच बहुत अधिक समन्वय की आवश्यकता थी और उन्होंने बहुत ही कुशलता से ऐसे परिदृश्य और परिस्थितियां बनाईं जहां लोग एक साथ आए और इस बारे में बात की। कुमार ने यह भी जिक्र किया कि कैसे कस्तूरीरंगन दीर्घकालिक सोच रखते थे। उन्होंने कहा कि जब भारत तकनीकी पहलुओं में आगे बढ़ रहा था, वैज्ञानिक अक्सर अलग–थलग होकर काम कर रहे थे। कुमार ने कहा, ''कस्तूरीरंगन में सभी को साथ लाने और उन्हें एक साझा लक्ष्य की ओर काम करने के लिए प्रेरित करने की क्षमता थी। यह कोई मामूली काम नहीं है। हम अब उनकी जबरदस्त क्षमताओं का फल देख रहे हैं। वह न केवल एक विचार को जन्म देने में सक्षम थे, बल्कि उसे कार्यान्वित करने और उसे सफल बनाने में भी सक्षम थे।''

मोदी 26 मई को गुजरात दौरे पर भारत के पहले 9000 एचपी इलेक्ट्रिक रेल इंजन का अनावरण करेंगे

अहमदाबाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 मई से शुरू हो रहे अपने दो–दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान भारत का पहला 9,000 हॉर्स पावर (एचपी) का लोकोमोटिव इंजन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी एक रोड शो सहित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। राज्य सरकार के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे वडोदरा हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद मोदी दाहोद, भुज, वडोदरा और गांधीनगर में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वडोदरा नगर निगम (वीएमसी) की स्थायी समिति के अध्यक्ष शीतल मिस्त्री ने बताया कि निगम ने प्रधानमंत्री का स्वागत करने और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर उन्हें बधाई देने के लिए हवाई अड्डे के पास एक किलोमीटर लंबा रोड शो आयोजित करने की योजना बनाई है। मोदी हवाई अड्डे पर करीब 15 मिनट रुकेंगे और दाहोद जिले में दिन के मुख्य कार्यक्रम के लिए रवाना होंगे। मिस्त्री ने संवाददाताओं से कहा, "महिलाओं सहित वडोदरा के लोग ऑपरेशन सिंदूर की बड़ी सफलता के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करने की खातिर हवाई अड्डे के पास रोड शो मार्ग के दोनों ओर खड़े होंगे।"

गुजरात सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि दाहोद में प्रधानमंत्री रेलवे लोकोमोटिव विनिर्माण इकाई का दौरा करेंगे और यहां निर्मित भारत के पहले 9,000 हॉर्स पावर के लोकोमोटिव इंजन का उद्घाटन करेंगे, जिसे 20,000 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित किया गया है। दाहोद से प्रधानमंत्री कच्छ जिला जाएंगे और भुज शहर के निकट मिर्जापुर रोड पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे। विज्ञप्ति के अनुसार, 27 मई को प्रधानमंत्री गांधीनगर में महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

हरियाणा सरकार ने 12 नए श्रम अदालत की स्थापना को मंजूरी दी: मंत्री अनिल विज

चंडीगढ़, (भाषा) हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने बुधवार को कहा कि औद्योगिक विवादों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 12 जिलों में 12 नये श्रम अदालतों की स्थापना को मंजूरी दी है। परिवहन एवं श्रम मंत्री विज ने बताया कि इसी के साथ हरियाणा में श्रम अदालतों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो जाएगी। बुधवार को यहां एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने 12 अतिरिक्त जिलों में श्रम अदालतों की स्थापना की सिफारिश करते हुए मुख्यमंत्री को एक प्रस्ताव भेजा था। ये जिले पंचकुला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, जिंद, सिरसा, महेंद्रगढ़, भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद और मेवात (नूंह) हैं। विज ने बताया कि इन 12 श्रम अदालतों की स्थापना के लिए बुनियादी ढांचे, फर्नीचर, वाहनों आदि पर लगभग 12 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

राजस्थान : मुख्यमंत्री शर्मा ने मेट्रो फेज–2 की डीपीआर का अनुमोदन किया

जयपुर, (भाषा) राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो फेज–2 की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री के इस निर्णय के उपरांत डीपीआर को केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय से अनुमोदन के लिए भिजवाया गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025–26 के राज्य बजट में सरकार ने जयपुर मेट्रो के फेज–2 का काम हाथ में लिए जाने की घोषणा की थी।आधिकारिक बयान के अनुसार यह परियोजना न केवल जयपुर वासियों के सफर को सुगम बनाएगी, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को भी नयी ऊंचाई प्रदान करेगी। इस परियोजना का क्रियान्वयन राज्य एवं केंद्र सरकार की नयी 50–50 संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी निभाएगी। लगभग 12 हजार 260 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए एडीबी और एआईआईबी ने वित्तीय ऋण प्रदान करने की सहमति दी है। यह परियोजना जयपुर शहर के टोडी मोड से प्रह्लादपुरा तक प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं जिनमें से 34 एलीवेटेड और दो अंडरग्राउंड होंगे। यह कॉरिडोर शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षणिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों जैसे वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र तथा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा।

नौसेना ने पारंपरिक रूप से निर्मित जहाज 'आईएनएसवी कौंडिन्य' को बेड़े में शामिल किया

कारवार (कर्नाटक), भारतीय नौसेना ने पारंपरिक विधि का इस्तेमाल कर निर्मित किए गए 'आईएनएसवी कौंडिन्य' नामक जहाज को बुधवार को कर्नाटक में कारवार नौसैनिक प्रतिष्ठान में आयोजित एक समारोह के दौरान बेड़े में शामिल किया। अधिकारियों ने बताया कि यह पांचवीं शताब्दी के जहाज पर आधारित है और इसका नाम 'कौंडिन्य' के नाम पर रखा गया है, जो हिंद महासागर को पार करके दक्षिण पूर्व एशिया तक यात्रा करने वाले एक महान भारतीय नाविक थे। उन्होंने कहा कि यह जहाज समुद्री अन्वेषण, व्यापार और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की भारत की दीर्घकालिक परंपराओं का एक मूर्त प्रतीक है तथा देश की समृद्ध जहाज निर्माण विरासत के जश्न से जुड़ी असाधारण परियोजना के पूर्ण होने का भी प्रतीक है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, ''भारतीय नौसेना ने आज कारवार नौसैन्य प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में औपचारिक रूप से इस जहाज को भारतीय नौसेना नौकायन पोत (आईएनएसवी) कौंडिन्य नाम दिया। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।'' जहाज में सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण कई विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा, "इसके पालों पर गंडभेरुंड और सूर्य की आकृतियां दिखाई देती हैं, इसके धनुष पर एक गढ़ा हुआ सिंह यली है, और प्रतीकात्मक हड़प्पा शैली के पत्थर का एक लंगर इसके डेक को सुशोभित करता है। इसका हर तत्व प्राचीन भारत की समृद्ध समुद्री परंपराओं को दर्शाता है।"

पायलट के आपात स्थिति की सूचना देने पर विमान को श्रीनगर में उतारा गया,200 से अधिक यात्री थे सवार

श्रीनगर, (भाषा) दिल्ली से बुधवार को 220 से अधिक लोगों को लेकर श्रीनगर जा रही इंडिगो की उड़ान खराब मौसम की वजह से प्रतिकूल परिस्थितियों में फंस गई, जिसके बाद पायलट ने यहां विमान यातायात नियंत्रण 'आपात स्थिति' की सूचना दी और फिर उसे सुरक्षित रूप से यहां उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर प्रतिकूल स्थिति के क्षणों के वीडियो सामने आए हैं, जिनमें घबराए हुए यात्रियों को विमान के हिलने के दौरान प्रार्थना करते हुए देखा जा सकता है। एक यात्री ने दावा किया कि विमान का 'नोज (अगला हिस्सा)' क्षतिग्रस्त हो गया। भारतीय विमानपत्तनम प्राधिकरण के एक अधिकारी ने यहां कहा, '' दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई2142 को खराब मौसम (ओलावृष्टि) का सामना करना पड़ा। तब पायलट ने एटीसी एसएक्सआर (श्रीनगर) को आपात स्थिति की सूचना दी।'' उन्होंने कहा कि उड़ान शाम साढ़े छह बजे सुरक्षित ढंग से श्रीनगर उतरा। उन्होंने कहा, '' चालक दल के सभी सदस्य और 227 यात्री सुरक्षित हैं। एअरलाइन ने उड़ान को एओजी घोषित कर दिया है।'' एअरक्राफ्ट ऑन ग्राउंड (एओजी) का तात्पर्य है कि तकनीकी कारणों से विमान को हवाई अड्डे पर रोक दिया गया है और वह फिलहाल उड़ नहीं सकता। ओवैस मकबूल हकीम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' मैं विमान में था ......यह एक मौत जैसा अनुभव था...विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था।'' हकीम ने अपने अन्य पोस्ट में दावा किया, ''विमान का अगला और दाहिना हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया...और हमें ज्यादा कुछ देखने की अनुमति नहीं थी क्योंकि वहां वायुसेना पुलिस मौजूद थी।''

हरियाणा में जेल वार्डर के 1,300 पद जल्द भरे जाएंगे: मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़, फोकस न्यूज, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कहा कि जेल विभाग में बड़ा भर्ती अभियान चलाया जाएगा और जेल वार्डर के लगभग 1,300 पद शीघ्र ही भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, जेल विभाग में मेडिकल और पैरामेडिकल के रिक्त पदों को भरने के साथ–साथ करनाल में नवनिर्मित जेल प्रशिक्षण अकादमी के लिए आवश्यक कर्मचारियों को भी शीघ्र नियुक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने करनाल में अकादमी का उद्घाटन करने के बाद ये घोषणाएं कीं। सैनी ने यह भी घोषणा की कि पंचकूला, दादरी और फतेहाबाद में करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से नयी जेलों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, करनाल जिला जेल परिसर में एक गौशाला भी शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि नयी जेल प्रशिक्षण अकादमी सुधार प्रणाली में परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की शुरुआत है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक इमारत का उद्घाटन नहीं है, यह दृष्टिकोण में बदलाव है, एक नयी दृष्टि की शुरुआत है। हमारी जेलें केवल सजा का केंद्र नहीं, बल्कि परिवर्तन, पुनरुद्धार और पुनर्निर्माण का केंद्र बननी चाहिए।" एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह अकादमी 6.5 एकड़ में फैली हुई है और इसका निर्माण 30.29 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। इस अवसर पर सहकारिता एवं जेल मंत्री अरविंद शर्मा ने जेल विभाग द्वारा की जा रही प्रगतिशील पहल की सराहना की।

ओडिशा सरकार ने महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश लेने के लिए दिशा–निर्देश जारी किए

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा सरकार ने महिला कर्मचारियों के मातृत्व अवकाश के लिए बुधवार को स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी द्वारा इसे मंजूरी दिए जाने के बाद दिशा–निर्देश सार्वजनिक किए गए। इसमें कहा गया है कि 180 दिनों का मातृत्व अवकाश अपेक्षित प्रसव तिथि (ईडीडी) से तीन महीने पहले और बच्चे के जन्म के छह महीने के भीतर लिया जा सकता है। इसे एक बार में या कई चरणों में लगातार लिया जा सकता है। हालांकि, इसमें यह भी कहा गया है कि प्रसव किसी मान्यता प्राप्त चिकित्सा सुविधा में ही होना चाहिए। दिशानिर्देश में कहा गया है कि अगर कोई महिला सरकारी कर्मचारी प्रसव के समय सेवा में नहीं थी और बाद में शामिल हुई, तो वह अपने बच्चे के छह महीने का होने तक मातृत्व अवकाश ले सकती है। ऐसे मामलों में, मातृत्व अवकाश 180 दिनों से कम हो सकता है। मातृत्व अवकाश दो से कम बच्चों वाली महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू है।

विवाह पंजीकरण नियम में संशोधन करे उत्तर प्रदेश सरकार: उच्च न्यायालय

प्रयागराज, (भाषा) इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विवाह पंजीकरण के फर्जी मामलों का स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रदेश सरकार को उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 में संशोधन करने का निर्देश दिया ताकि एक पुख्ता और सत्यापन योग्य विवाह पंजीकरण व्यवस्था अस्तित्व में आ सके। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने कहा कि यह कवायद छह महीने के भीतर पूरी होनी चाहिए। अदालत ने घर से भागे जोड़ों द्वारा दायर 124 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह निर्देश दिया। यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्जी विवाह का पंजीकरण कराने वाले दलालों के एक संगठित गिरोह को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। अदालत ने कहा, ''विवाह पंजीकरण का काम देख रहे सभी उप पंजीयक 14 अक्टूबर 2024 को जारी अधिसूचना के तहत दिए गए निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करेंगे।'' अक्टूबर 2024 में जारी अधिसूचना में अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे कि उत्तर प्रदेश में विवाह पंजीकरण के लिए दूल्हा और दुल्हन का आधार प्रमाणन, बायोमेट्रिक डेटा और दोनों पक्षों तथा दो गवाहों के फोटो आवश्यक होंगे। इसमें निर्देश दिया गया था कि आयु का सत्यापन डिजिलॉकर, सीबीएसई, उत्तर प्रदेश बोर्ड, सीआरएस, पासपोर्ट, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और सीआईएससीई जैसे आधिकारिक पोर्टलों के जरिए किया जाए। इसके अलावा, विवाह संपन्न कराने वाले पंडित का पंजीकरण के दौरान रजिस्ट्रार के कार्यालय में उपस्थित होना आवश्यक है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ये अंतरिम निर्देश उन विवाहों में खासतौर पर लागू होंगे जहां लड़का और लड़की घर से भागे हों और अपने परिजनों की सहमति के बगैर वैवाहिक सूत्र में बंधे हों। अदालत ने कहा कि यदि दोनों पक्षों के परिजन पंजीकरण के समय मौजूद हों तो अधिकारी विवाह की यथार्थता से संतुष्ट होने के बाद अपने विवेकाधिकार से उक्त शर्तों में आंशिक या पूर्ण ढील दे सकता है। अपने 44 पन्नों के आदेश में अदालत ने कहा कि कई मामलों में यह देखने में आया है कि विवाह प्रमाण पत्र ऐसी सोसाइटी द्वारा जारी किए जाते हैं जो अस्तित्व में नहीं हैं और ये फर्जी प्रमाणपत्र उच्च न्यायालय से सुरक्षा हासिल करने के लिए जारी किए जाते हैं। अदालत ने 12 मई 2025 के अपने आदेश में कहा कि गवाह के तौर पर नामित व्यक्ति भी फर्जी पाए गए और आधार कार्ड सहित उनके विवरण फर्जी निकले। कई मामलों में वास्तव में कोई विवाह हुआ ही नहीं। अदालत ने यह भी कहा, ''कुछ याचिकाओं में वास्तविक वादी शामिल हैं जिन्हें सही मायने में न्यायिक संरक्षण और हस्तक्षेप की जरूरत है। हालांकि, ऐसे मामले अपेक्षाकृत कुछ ही हैं, जबकि ज्यादातर मामले में याचिकाएं मनगढ़ंत दस्तावेजों और फर्जी दावों पर आधारित हैं।''

दिल्ली में तेज आंधी और बारिश से सड़क परिवहन और हवाई यातायात प्रभावित

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली–एनसीआर में दिनभर गर्मी और उमस के बाद बुधवार देर शाम 79 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई, जिससे कई इलाकों में पेड़ गिर गए, जलभराव हुआ और यातायात जाम हो गया।दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन प्रभावित हुआ, जबकि येलो लाइन पर मेट्रो यात्री घंटों फंसे रहे। इंडिगो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "दिल्ली, चंडीगढ़ और कोलकाता में भारी बारिश और गरज–चमक के कारण हमारी उड़ान का समय प्रभावित हुआ है।" एअर इंडिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बारिश और गरज–चमक के कारण आज शाम दिल्ली से आने–जाने वाली उड़ानें बाधित हो सकती हैं। स्पाइसजेट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली में खराब मौसम (भारी बारिश के साथ गरज–चमक) के कारण सभी आने–जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राजधानी के कई हिस्सों में तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चली। शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग ने हवा की गति 79 किमी प्रति घंटा दर्ज की, जबकि पालम में 74 किमी प्रति घंटा, प्रगति मैदान में 78 किमी प्रति घंटा और पीतमपुरा में 65 किमी प्रति घंटा दर्ज की गई। शाम 5:30 बजे से 8:30 बजे के बीच तीन घंटों में सफदरजंग में 12.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

ठक्कर ने दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी, मनिका ने किया निराश

दोहा, (भाषा) मानव ठक्कर ने विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी हरिमोतो तोमोकाजू के खिलाफ राउंड ऑफ 64 के मुकाबले में हार से पहले उन्हें कड़ी टक्कर दी लेकिन स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा अपने से निचली रैंकिंग की पार्क गाहियोन के खिलाफ साधारण प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप से बाहर हो गईं। दुनिया के 48वें नंबर के खिलाड़ी ठक्कर ने तीसरे और पांचवें गेम में अपने से अधिक अनुभवी जापानी प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी लेकिन इसके बावजूद उन्हें 11–13, 3–11, 11–9, 6–11, 11–9, 3–11 से हार का सामना करना पड़ा। ठक्कर हालांकि अपने प्रदर्शन से खुश होंगे क्योंकि उन्होंने मैच के दौरान कई लंबी रैलियों में हरिमोतो को पछाड़ा। महिला एकल में 46वें स्थान पर काबिज मनिका दक्षिण कोरिया की विश्व में 130वें नंबर की खिलाड़ी पार्क के खिलाफ बिल्कुल भी लय में नहीं दिखीं। मनिका की हार का कारण उनके फोरहैंड से की गई कई सहज गलतियां थीं। भारतीय खिलाड़ी को 8–11, 7–11, 5–11, 8–11 से शिकस्त झेलनी पड़ी। दुनिया की 88वें नंबर की खिलाड़ी दीया चितले भी चीनी ताइपे की चेन आई चिंग के खिलाफ 3–7, 7–11, 6–11, 11–6, 5–11 से हार गईं।

मुंबई इंडियन्स ने बेयरस्टो, ग्लीसन और असलंका को अनुबंधित किया

नयी दिल्ली, (भाषा) पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने 26 मई को टीम के अंतिम लीग मैच के बाद अपनी–अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ने के लिए रवाना होने वाले विदेशी खिलाड़ियों के एक समूह के विकल्प के तौर पर जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और चरिथ असलंका को अनुबंधित किया है। इंग्लैंड के विल जैक्स और दक्षिण अफ्रीका के रेयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश 26 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुंबई के अंतिम लीग मैच के बाद वापस लौट जाएंगे। आईपीएल की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ''जैक्स की जगह इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो लेंगे जो 5.25 करोड़ रुपये में टीम में शामिल होंगे।'' विज्ञप्ति में कहा गया, ''इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रिचर्ड ग्लीसन एक करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर रेयान रिकेल्टन जबकि श्रीलंकाई बल्लेबाज चरिथ असलंका 75 लाख रुपये में कॉर्बिन बॉश की जगह लेंगे।'' मुंबई इंडियंस की टीम अभी अंक तालिका में शीर्ष चार में है और प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के लिए उसे बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स को हराना होगा। तीनों वैकल्पिक खिलाड़ी प्लेऑफ चरण से ही उपलब्ध होंगे, बशर्ते कि मुंबई इंडियंस नॉकआउट दौर के लिए क्वालीफाई कर ले।

फिटनेस पर है महिला हॉकी टीम का फोकस, योयो टेस्ट में 19 से ऊपर जा रहा है स्कोर: कप्तान सलीमा टेटे

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय क्रिकेटरों के योयो टेस्ट स्कोर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं लेकिन पिछले कुछ अर्से से महिला हॉकी टीम फिटनेस पर लगातार काफी मेहनत कर रही है और कप्तान सलीमा टेटे का कहना है कि उनकी टीम का योयो टेस्ट का स्कोर 19.4 तक जा रहा है । सलीमा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर बातचीत में कहा कि कोच हरेंद्र सिंह के आने के बाद से सबसे ज्यादा काम महिला टीम की फिटनेस पर हुआ है और इसका नतीजा देखने को मिल रहा है । उन्होंने कहा ,'' हरेंद्र सर ने फिटनेस पर सबसे ज्यादा काम किया है । फिटनेस होने पर किसी भी टीम को हम हरा सकते हैं । जिन खिलाड़ियों के पास गति नहीं थी, अब उनके खेल में काफी बदलाव आया है । सुनेलिटा टोप्पो , नवनीत कौर , शर्मिला जैसी कई खिलाड़ी हैं जिनके पास गजब की रफ्तार है ।'' क्या महिला हॉकी खिलाड़ियों को भी योयो टेस्ट से गुजरना होता है, यह पूछने पर सलीमा ने कहा ,'' बिल्कुल । ब्रेक के बाद जब भी घर से आते हैं तो योयो टेस्ट देना होता है । अब तो योयो स्कोर 19.4 तक जाने लगा है ।'' 'योयो इंटरमिटेंट रिकवरी टेस्ट' खिलाड़ियों की फिटनेस और गतिशीलता का आकलन करने के लिये दुनिया भर में किया जाता है। यह एक तरह का बीप टेस्ट होता है जिसमें खिलाड़ी को 20 मीटर की दूरी पर रखे गए दो कोणों के बीच दौड़ना होता है । पुरूष खिलाड़ियों में 20 से अधिक और महिलाओं में 16 से अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है । भारतीय कप्तान ने कहा ,'' कभी कभी लगता है कि सर क्यो इतना भगाते हैं लेकिन अब समझ में आता है कि इससे क्या फायदा मिलता है । ''
फिटनेस ड्रिल के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' हमारे तीन तीन मिनट के स्मॉल गेम होते हैं जिसमें बहुत भागना होता है । यह काफी मुश्किल होता है जिसमें फिटनेस की अच्छी ड्रिल हो जाती है ।'' भारतीय महिला टीम का हाल ही में आस्ट्रेलिया दौरे पर प्रदर्शन औसत रहा जिसमें टीम सिर्फ एक मैच जीत सकी लेकिन सलीमा ने कहा कि इस दौरे से मिली सीख यूरोप में एफआईएच प्रो लीग के अगले चरण में काफी काम आयेगी । झारखंड के सिमडेगा की इस खिलाड़ी ने कहा ,'' आस्ट्रेलिया बहुत अच्छी टीम है और हमने इस दौरे से हार नहीं मानना सीखा है । अब जो भी गलतियां की हैं, उसे प्रो लीग के यूरोप चरण में कवर करेंगे । अभी हमें पता चल गया कि अब आस्ट्रेलिया को किस तरह से अच्छी चुनौती दे सकते हैं ।''
उन्होंने कहा,'' हमने आखिरी मैच अच्छा खेला और एक गोल से जीता । जीत तो जीत होती है, चाहे एक गोल से हो या ज्यादा से। इस दौरे पर युवाओं को मौका दिया गया जिससे आने वाले समय के लिये अच्छा पूल बन सकेगा । इससे वे दबाव का सामना करना सीखेंगे ।'' सलीमा ने कहा ,'' कोच सर कहते हैं कि प्रक्रिया पर फोकस करो । अपना सर्वश्रेष्ठ खेलकर हारने पर मुझे बुरा नहीं लगेगा । अब हम यूरोप में प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन की पूरी कोशिश करेंगे ।'' भारतीय टीम 14 से 29 जून तक एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में लंदन, एंटवर्प, बर्लिन में आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के खिलाफ दो दो मैच खेलेगी ।

आईपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा अहमदाबाद, मुल्लांपुर में होंगे शुरुआती दो प्ले ऑफ

नयी दिल्ली, (भाषा) अहमदाबाद तीन जून को इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल के अलावा दूसरे क्वालीफायर की मेजबानी करेगा जबकि मुल्लांपुर में इस महीने शुरुआती दो प्ले ऑफ का आयोजन किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को यह घोषणा की। मानसून को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 23 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में होने वाले मैच को भी लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिछला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार हैदराबाद और कोलकाता को प्ले ऑफ की मेजबानी करनी थी लेकिन भारत–पाकिस्तान सैन्य टकराव के कारण प्रतियोगिता को एक हफ्ते के लिए स्थगित किए जाने के बाद आईपीएल कार्यक्रम में संशोधन करना पड़ा। आयोजन स्थलों पर फैसला करने से पहले बीसीसीआई ने मानसून का भी ध्यान रखा। बीसीसीआई ने बयान में कहा, ''आईपीएल संचालन परिषद ने मौसम की परिस्थितियों और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए प्ले ऑफ के नए स्थलों पर फैसला किया है।'' बयान के अनुसार, ''प्ले ऑफ चरण के समान मंगलवार 20 मई से होने वाले लीग चरण के बाकी मुकाबलों के खेलने की परिस्थितियों के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय आवंटित किया गया है।'' क्वालीफायर एक और एलिमिनेटर मुल्लांपुर में क्रमशः 29 और 30 मई को होंगे जबकि अहमदाबाद एक जून को दूसरे क्वालीफायर और तीन जून को फाइनल की मेजबानी करेगा। अहमदाबाद ने इससे पहले 2022 और 2023 में भी आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी।

सूर्यकुमार का अर्धशतक, बुमराह और सैंटनर के तीन तीन विकेट, मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में

मुंबई, (भाषा) पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस सूर्यकुमार यादव (नाबाद 73 रन) के अर्धशतक के बाद मिचेल सैंटनर और जसप्रीत बुमराह के तीन तीन विकेट की बदौलत बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अहम मुकाबले में दिल्ली कैपिट्स को 59 रन से हराकर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम बन गई। गुजरात टाइटन्स (18), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (17), पंजाब किंग्स (17) पहले ही क्वालीफाई कर चुकी थीं। मुंबई इंडियंस के इस जीत से 16 अंक हो गए जिससे उसने 11वीं बार नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया। दिल्ली कैपिटल्स (13) की टीम बाहर हो गई। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मुंबई इंडियंस सूर्यकुमार के अर्धशतक और अंत में नमन धीर (नाबाद 24 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 21 गेंद में उनकी नाबाद 57 रन की साझेदारी से धीमी पिच पर पांच विकेट पर 180 रन बनाने में सफल रही। दिल्ली कैपिटल्स ने पावरप्ले में 49 रन के स्कोर तक तीन विकेट गंवा दिए थे और पूरी टीम 18.2 ओवर में 121 रन पर सिमट गई। मुंबई इंडियंस के लिए स्पिनर सैंटनर ने चार ओवर में महज 11 रन देकर तीन जबकि तेज गेंदबाज बुमराह ने 3.2 ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, विल जैक्स और कर्ण शर्मा ने एक एक विकेट प्राप्त किए। दिल्ली ने दूसरे ओवर में कार्यवाहक कप्तान फाफ डुप्लेसी (06), तीसरे ओवर में केएल राहुल (11 रन) और पांचवें ओवर में अभिषेक पोरेल (06) के विकेट सस्ते में गंवा दिए। फिर समीर रिज्वी (39) एक छोर पर टिककर खेले लेकिन दूसरे छोर पर विप्रज निगम (20) और ट्रिस्टन स्टब्स (02) के आउट होने से टीम ने 10 ओवर में पांच विकेट खो दिए थे। 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर समीर भी पवेलियन लौट गए जिन्हें सैंटनर ने बोल्ड किया और दो गेंद बाद आशुतोष शर्मा (18 रन) भी स्टंप आउट हो गए। इससे पहले सूर्यकुमार ने 43 गेंद की बेहतरीन नाबाद पारी खेली जिसमें सात चौके और चार छक्के जड़े थे। उनके अलावा तिलक वर्मा ने 27 रन और रेयान रिकलटन ने 25 रन का योगदान दिया। नमन ने अंत में आठ गेंद में दो चौके और इतने ही छक्के से नाबाद 24 रन का योगदान दिया। वानखेड़े स्टेडियम की असामान्य पिच पर स्पिनरों के लिए काफी टर्न था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए स्पिनरों में कुलदीप यादव ने 25 रन देकर एक विकेट झटका जबकि विप्रज निगम ने 25 रन दिए और कोई विकेट हासिल नहीं कर पाए। मुकेश कुमार ने 48 रन देकर दो विकेट चटकाए। सूर्यकुमार ने अपनी टीम के लिए दो अहम साझेदारियां करके लड़खड़ाती पारी को संवारा। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनरों के दबदबे के बावजूद सूर्यकुमार ने पहले तिलक वर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 55 रन जोड़े और अंत में नमन के साथ 21 गेंद में पर 57 रन बनाए। आखिरी दो ओवरों में स्थिति पूरी तरह बदल गई जब भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार और नमन ने पांच छक्के और चार चौके लगाकर 48 रन जुटाए। एक समय ऐसा लग रहा था कि मुंबई के बल्लेबाजों को रन जुटाने में बहुत मुश्किल हो रही है। खिलाड़ी पावरप्ले के अंत से लेकर 18वें ओवर के शुरू तक संघर्ष करते रहे। रोहित शर्मा (05) इस सत्र में चौथी बार बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान (30 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर आउट हुए। सूर्यकुमार जब छह रन पर थे, उन्हें जीवनदान मिला। सातवें ओवर में कुलदीप की गेंद पर शॉर्ट लेग पर मुकेश कुमार डाइव करने के बावजूद कैच लेने में असफल रहे। लेकिन अगली गेंद पर रेयान रिकलटन डीप स्क्वायर लेग पर माधव तिवारी को सीधा कैच दे बैठे जिसके साथ कुलदीप ने आईपीएल में अपने 100 विकेट भी पूरे किए। तिलक अपनी पारी के दौरान कुलदीप के खिलाफ संघर्ष करते दिखे, जब उनकी टीम को जरूरत थी तब वह रन बनाने में विफल रहे। तिलक गलत टाइमिंग की वजह से मुकेश का शिकार बने और तुरंत बाद हार्दिक पांड्या (03) भी आउट हो गए जिन्हें दुष्मंथा चामिरा (54 रन देकर एक विकेट) की धीमी लेग–कटर ने आउट कर दिया। तिलक की तरह सूर्यकुमार भी दिल्ली के स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे लेकिन उन्होंने अंत में मौके का फायदा उठाया और इस सत्र की अपनी सबसे बेहतरीन पारी खेली।

आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में विश्व प्रतियोगिता में भारत–पाक क्रिकेट के भविष्य पर चर्चा होने की संभावना

नयी दिल्ली, (भाषा) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के वार्षिक सम्मेलन के दौरान खेल की संचालन संस्था की प्रतियोगिताओं में भारत–पाक क्रिकेट के भविष्य पर चर्चा होने की संभावना है जो 17 से 20 जुलाई तक सिंगापुर में होगी। दोनों देश केवल उन्हीं प्रतियोगिताओं में ही एक–दूसरे के साथ खेलते हैं जिसमें कई टीमें खेलती हैं। लेकिन हाल में हुए सैन्य संघर्ष ने आईसीसी प्रतियोगिताओं में दोनों के बीच मुकाबले के भविष्य को लेकर अटकले लगाई जा रही हैं जिसकी शुरूआत अगले साल भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप से होगी।

खेल मंत्री ने खेलो इंडिया योजना के तहत कई खेलों की शुरुआत की घोषणा की

नयी दिल्ली, (भाषा) खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को खेलो इंडिया पहल के दायरे को व्यापक बनाने की घोषणा की जिसमें इस साल से स्कूली खेल, मार्शल आर्ट, तटीय खेल और 'वाटर स्पोर्ट्स' शामिल होंगे। खेलो इंडिया का वार्षिक कैलेंडर लॉन्च करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार जल्द ही खेलो इंडिया खेलों और अन्य प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला शुरू करेगी जिसमें खेलो इंडिया 'नॉर्थ–ईस्ट गेम्स' भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देना और प्रतिभाओं की पहचान के लिए साल भर के लिए रणनीतिक कार्यक्रम प्रदान करना है। मांडविया ने कहा, ''खेलो इंडिया वार्षिक कैलेंडर केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति में बदलने के लिए भारत की घरेलू प्रतियोगिता संरचना को मजबूत करने वाला एक रणनीतिक खाका है। '' उन्होंने कहा, ''पिछले एक दशक में भारतीय खेलों में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। हमने खेलो इंडिया पहल के तहत नियमित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के साथ एक गतिशील और समावेशी खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। '' मांडविया ने कहा, ''हम जल्द ही खेलो इंडिया 'बीच गेम्स' (केआईबीजी), खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी), खेलो इंडिया 'वाटर स्पोर्ट्स', खेलो इंडिया 'नॉर्थ–ईस्ट गेम्स' आदि की शुरुआत करेंगे। '' उन्होंने कहा कि ये टूर्नामेंट भारत की युवा प्रतिभाओं की पहचान करने, उन्हें निखारने और तैयार करने में अहम होंगे। खेलो इंडिया मंच में पहले से ही चार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता शामिल हैं जिसमें खेलो इंडिया युवा खेल, खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल, खेलो इंडिया पैरा खेल और खेलो इंडिया शीतकालिन खेल शामिल हैं।

एएसआईपी ने भारत में खेल स्टार्टअप के लिए नई पहल की घोषणा की

नयी दिल्ली, (भाषा) एसोसिएशन फोर स्पोर्ट्स इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स (एएसआईपी) ने भारत में खेल स्टार्टअप के लिए नीति वकालत पहल की घोषणा की है जिसमें आईएमटी गाजियाबाद उसका भागीदार होगा। एएसआईपी भारत के खेल स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अहम कमियों को दूर करने के लिए अपने नीति वकालत के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए एएसआईपी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वह इस क्षेत्र में उद्यमिता, निवेश और 'स्केलेबिलिटी' का समर्थन करने के लिए एक व्यापक नीति ढांचा विकसित कर रहा है।

चोपड़ा के 90 मीटर दूर भाला फेंकने पर पूर्व कोच ने कहा, यह बस समय की बात थी

नयी दिल्ली, (भाषा) दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के पूर्व कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने कहा कि इस स्टार एथलीट का 90 मीटर की बाधा पार करना बस समय की बात थी। बार्टोनिट्ज ने चोपड़ा को चौकस और रचनात्मक एथलीट करार किया जो लगातार अपने कौशल को निखारने और सुधारने की कोशिश कर रहा है। चोपड़ा ने पिछले सप्ताह दोहा में डायमंड लीग में 90.23 मीटर तक भाला फेंककर सत्र की शानदार शुरुआत की और आखिरकार 90 मीटर क्लब में प्रवेश किया। बार्टोनिट्ज से जब चोपड़ा की इस उपलब्धि के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पीटीआई से कहा, ''यह बस समय की बात थी (कि वह 90 मीटर भाला फेंकेगा)। '' चोपड़ा और जर्मन बायो–मैकेनिक्स विशेषज्ञ बार्टोनिट्ज पांच साल तक साथ रहे और उनकी साझेदारी बेहद सफल रही जिसके दौरान भारतीय भाला फेंक स्टार ने तोक्यो में ऐतिहासिक ओलंपिक स्वर्ण और पिछले साल पेरिस खेलों में रजत सहित कई पदक जीते। बार्टोनिट्ज ने कहा, ''नीरज एक बहुत ही संवेदनशील एथलीट है, वह बहुत चौकस खिलाड़ी है। यह भरोसा आपको एक कोच के रूप में हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी देता है। '' उन्होंने कहा, ''लेकिन वह ट्रेनिंग में बहुत अधिक मानसिक प्रयास डालता है। वह नए अभ्यास की तलाश करने, अभ्यास को और अधिक कुशल बनाने, विशेष रूप से भाला फेंकने के मामले में अपनी ट्रेनिंग के प्रति बहुत रचनात्मक है। ''
बार्टोनिट्ज ने कहा, ''वह बहुत अच्छी तरह से समझता है कि टूर्नामेंट की क्या जरूरत है। हम (कोच) एक रचनात्मक सोच वाला एथलीट चाहते हैं ना कि ऐसा एथलीट जो सिर्फ पूछे 'कोच आज हमें क्या करना है और बस ट्रेनिंग में चला जाए।' ओलंपिक पदकों के अलावा बार्टोनिट्ज के साथ चोपड़ा विश्व और डायमंड लीग चैंपियन भी बने तथा इसके अलावा वह एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता भी बने। लेकिन पिछले साल दोनों ने सौहार्दपूर्ण तरीके से अपने रास्ते अलग कर लिए जब सत्तर वर्षीय बार्टोनिट्ज ने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने की बात कही। तब से बार्टोनिट्ज एक सलाहकार के रूप में 'इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट' से जुड़ गए हैं और वर्तमान में हिसार परिसर में पांच दिवसीय भाला कार्यशाला आयोजित कर रहे हैं जिसका समापन बृहस्पतिवार को होगा। डायमंड लीग में चोपड़ा ने तब तक बढ़त बनाए रखी जब तक जर्मनी के जूलियन वेबर ने अपने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का थ्रो नहीं फेंक दिया जिससे भारतीय खिलाड़ी दूसरे स्थान पर आ गया। बार्टोनिट्ज ने कहा, ''नीरज को प्रेरित करने की कोई जरूरत नहीं है। वह बस इतना जानता है कि यह एक खेल है। एक स्पर्धा है। (उससे बेहतर) थ्रो कभी भी आ सकता है, आपको इसका मुकाबला करने के लिए तैयार रहना होगा। लेकिन नीरज जानता है। उसे प्रेरणा की जरूरत नहीं है। ''

कनक को जूनियर विश्व कप में एयर पिस्टल का स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली, (भाषा) हरियाणा की उभरती हुई निशानेबाज कनक ने बुधवार को जर्मनी के सुहल में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में शीर्ष पर रहकर भारत का स्वर्ण पदक का खाता खोला। पिछले साल लीमा में जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता 17 वर्षीय कनक ने आठ महिलाओं के 24 शॉट के फाइनल में 239.0 अंक हासिल किए और दो बार की ओलंपियन तथा मौजूदा यूरोपीय चैंपियन मोल्दोवा की अन्ना डुल्स को 1.7 अंक से पछाड़ा। चीनी ताइपे की चेन येन–चिंग ने कांस्य पदक जीता। भारत की दो भारतीय निशानेबाजों ने इस स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था जिसमें प्राची 571 अंक जुटाकर कनक (572 अंक) के पीछे पांचवें स्थान पर रहीं। इसके बाद कनक ने इस स्तर पर अपना अनुभव दिखाया और फाइनल के अंतिम चरण कई मौकों पर 10 से अधिक अंक जुटाकर आसानी से जीत हासिल की। मैच के बाद कनक ने कहा, ''शुरुआत में मैं थोड़ी नर्वस थी लेकिन मुझे खुशी है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाई।'' प्राची फाइनल में शुरुआत से ही शीर्ष तीन में बनी हुई थी और पदक की दावेदार दिख रही थी। प्राची ने हालांकि इसके बाद 8.6 अंक का खराब निशाना लगाया जबकि कनक ने 10.5 अंक के साथ बढ़त बना ली। प्राची के पीछे छूटने के बाद कनक ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। उन्होंने अपने अंतित शॉट में 9.4 अंक जुटाए जो उनके कोच को खुश नहीं करेगा लेकिन तब तक स्वर्ण पदक उनकी झोली में आ चुका था। एड्रियन करमाकर ने मंगलवार को पदार्पण करते हुए 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में भारत का खाता खोला था। महिलाओं की स्कीट प्रतियोगिता में पेरिस ओलंपियन रेजा ढिल्लों ने क्वालीफिकेशन के पहले दिन 24, 23 और 24 के राउंड से 71 का स्कोर बनाया और वह चौथे स्थान पर हैं जिससे फाइनल में पहुंचने की उनकी संभावनाएं बढ़ गईं हैं। ब्रिटेन की मैडेलिन रसेल और फोएबे बोडले–स्कॉट 72 के समान स्कोर से शीर्ष दो स्थान पर हैं। चेक गणराज्य की टेरेजा मिल्कोवा रेजा के समान स्कोर के बाद काउंटबैक में उनसे एक स्थान ऊपर हैं। अन्य भारतीयों में यशस्वी राठौड़ और वंशिका तिवारी दोनों ने समान 66 का स्कोर बनाया और वे क्रमशः 15वें और 16वें स्थान पर हैं। मोहिका सिसोदिया 57 के स्कोर से काफी पिछड़ गईं।जूनियर पुरुष स्कीट में राष्ट्रीय जूनियर चैंपियन इशान सिंह लिब्रा तीन राउंड के बाद 69 के स्कोर के साथ सर्वश्रेष्ठ भारतीय रहे। वह 22वें स्थान पर हैं। हरमेहर लाली 68 अंक के साथ 27वें और जोरावर बेदी 67 अंक के साथ 31वें स्थान पर हैं। दस मीटर एयर पिस्टल जूनियर पुरुष फाइनल में 15 वर्षीय चिराग शर्मा चौथे स्थान पर रहे और पदक से चूक गए। 24 शॉट के फाइनल में 20वें शॉट के बाद उन्होंने कुल 197.6 अंक हासिल किए। चिराग ने क्वालीफिकेशन में 574 अंक हासिल किए और सातवें स्थान पर रहते हुए आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। शुभम बिस्ला (572, 12वें), अंशुल (567, 33वें), दक्ष चौधरी (567, 34वें) और पुष्पेंद्र सिंह (560, 55वें) फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।

रोहित और कोहली की गैरमौजूदगी में भी भारत को हल्के में नहीं ले सकते: स्टोक्स

लंदन, (भाषा) ऑलराउंडर बेन स्टोक्स का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा की अनुपस्थिति के बावजूद भारत हमेशा की तरह मजबूत होगा क्योंकि उनके पास बड़ी संख्या में स्तरीय बल्लेबाज उपलब्ध हैं। स्टोक्स 20 जून से शुरू होने वाली इस श्रृंखला में घरेलू टीम की अगुआई करेंगे। दिसंबर में बाएं पैर की मांसपेशियों की सर्जरी के बाद टीम में वापसी कर रहे 33 वर्षीय स्टोक्स ने कहा कि कोहली के रूप में भारत को मैदान पर कड़ी चुनौती पेश करने वाले और प्रतिस्पर्धात्मक खिलाड़ी की कमी खलेगी। रोहित और कोहली दोनों ने इस महीने की शुरुआत में सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास ले लिया। स्टोक्स ने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, ''भारत के बारे में एक बात यह है कि उनके पास स्तरीय बल्लेबाजों की बड़ी संख्या है, यह अविश्वसनीय है। मैंने आईपीएल में जितना समय बिताया है, उन्हें वहां से बेहतरीन बल्लेबाज मिले हैं। इस साक्षात्कार में मैं इस पर एक शब्द नहीं कह सकता लेकिन आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है।'' उन्होंने कहा, ''आप कभी भी किसी भी भारतीय टीम को हल्के में नहीं ले सकते, भले ही वे अपने दो महान बल्लेबाजों के बिना खेल रहे हों।''

प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यटन क्षेत्र में प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक की

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को देश के पर्यटन क्षेत्र में कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए यहां एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पर्यटन मंत्रालय में उनके सहायक मंत्री सुरेश गोपी, केंद्रीय पर्यटन सचिव वी विद्यावती और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने पर्यटन क्षेत्र में कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए आज एक बैठक की अध्यक्षता की।'' प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने अपने यूट्यूब पेज पर इस बैठक का एक छोटा वीडियो भी साझा किया। शेखावत ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पर्यटन क्षेत्र में प्रगति का आकलन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक में भाग लिया। भारत को एक शीर्ष वैश्विक पर्यटन स्थल बनाने के हमारे प्रयासों को उनके दूरदर्शी नेतृत्व से मार्गदर्शन मिलता है।'' केंद्रीय पर्यटन मंत्री के कार्यालय के एक सूत्र ने बताया कि एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में पर्यटन मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। इस दौरान पर्यटन क्षेत्र की व्यापक रूपरेखा पर चर्चा करने के अलावा मंत्रालय की दो प्रमुख योजनाओं – प्रसाद (तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान) और स्वदेश दर्शन – पर भी चर्चा हुई।

राष्ट्रपति मुर्मू को अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह के लिए आमंत्रित किया गया

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मालवा साम्राज्य की रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह के लिए महाराष्ट्र में उनके जन्मस्थान पर आमंत्रित किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व महारानी के वंशज शिंदे ने बुधवार को मुर्मू से मुलाकात की और 31 मई को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में स्थित होल्कर की जन्मस्थली चोंडी में उनकी जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण दिया। शिंदे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चोंडी में आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया है। यह समारोह पिछले तीन दशकों से आयोजित किया जा रहा है। विधान परिषद के सदस्य शिंदे ने कहा, ''राष्ट्रपति कार्यालय हमें अगले दो दिन में उनके कार्यक्रम के बारे में सूचित करेगा।'' उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर को 12 ज्योतिर्लिंगों के जीर्णोद्धार, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण और कई नदियों के किनारे घाटों के निर्माण के लिए याद किया जाता है। केंद्र सरकार, भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और महाराष्ट्र सरकार समेत विभिन्न संगठनों द्वारा देशभर में 300वीं जयंती समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की बैठक छह मई को चोंडी में हुई थी और होल्कर रानी के जन्मस्थान के संरक्षण के लिए 681 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज को मंजूरी दी गई थी। पिछले साल महाराष्ट्र सरकार ने होल्कर रानी के सम्मान में अहमदनगर जिले का नाम बदलकर अहिल्यानगर कर दिया था।

उत्तराखंड के मदरसों के पाठ्यक्रम में जल्द शामिल होगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

देहरादून, (भाषा) उत्तराखंड मदरसा बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि उत्तराखंड के मदरसों के पाठ्यक्रम में, हाल में भारतीय सैन्य बलों द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की गाथा को शामिल किया जाएगा । बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''हम मदरसों में सफल ऑपरेशन सिंदूर की गाथा को शामिल करेंगे ताकि हमारे मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को यह मालूम हो सके कि यह ऑपरेशन क्या था और इसकी जरूरत क्यों पड़ी।'' पाकिस्तान को 'नापाक मुल्क' बताते हुए कासमी ने कहा कि जिस तरह से उसने हमारे देश पर हमला किया और पहलगाम में 'हमारे निहत्थे भाइयों' का कत्ल किया, उसके लिए उसे सबक सिखाना बहुत जरूरी था । उन्होंने इस कृत्य को कुरान की भी अवहेलना बताया । मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि मदरसों में ऑपरेशन सिंदूर को पाठ्यक्रम में शामिल करने के निर्णय पर अमल के लिए जल्दी ही पाठ्यक्रम समिति की बैठक बुलायी जाएगी । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में लगातार मदरसों को मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया जा रहा है । इस संबंध में उन्होंने बताया कि प्रदेश के मदरसों में एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया गया है और मदरसों को आधुनिक बनाया जा रहा है ।

राम पथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ के बाद अब अयोध्या में बनेगा भरत पथ

अयोध्या, अयोध्या में राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ के बाद अब अयोध्या में भरत पथ का निर्माण प्रस्तावित है। यह नया मार्ग भगवान राम के छोटे भाई और तपस्वी भरत की तपोस्थली भरतकुंड को तीर्थ स्थल से जोड़ेगा, जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन–पूजन में और अधिक सुविधा मिलेगी। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गयी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 900 करोड़ रुपये है और इसका प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग ने मुख्यालय को भेज दिया है। यह मार्ग न केवल धार्मिक महत्व को बढ़ाएगा, बल्कि अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में और सशक्त करेगा। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या को वैश्विक धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी के रूप में विकसित करने का कार्य तेजी से चल रहा है। राम मंदिर के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। देश–विदेश से लाखों लोग रोजाना रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। इस बढ़ती हुई भीड़ को सुगम और सुरक्षित यातायात सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार कई मार्गों का निर्माण और चौड़ीकरण कर रही है। राम पथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ, और अब भरत पथ के अलावा पंचकोसी और चौदहकोसी परिक्रमा मार्गों के भी चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। भरत पथ की कुल लंबाई 20 किलोमीटर होगी। यह मार्ग राम पथ के किनारे रानोपाली रेलवे क्रॉसिंग से शुरू होकर विद्याकुंड और दर्शननगर होते हुए प्रयागराज राजमार्ग पर भरतकुंड तक जाएगा। वर्तमान में यह मार्ग दो–लेन का है। सड़क के दोनों तरफ 9–9 मीटर चौड़ाई होगी और बीच में 2.5 मीटर का डिवाइडर बनाया जाएगा। इस डिजाइन से मार्ग न केवल सुगम होगा, बल्कि यातायात के दृष्टिकोण से भी सुरक्षित और व्यवस्थित रहेगा। भरत पथ को राम पथ की तर्ज पर भव्य और भक्ति भाव से परिपूर्ण बनाया जाएगा, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगा। भरतकुंड का रामायण में विशेष स्थान है। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम के वनवास के दौरान उनके अनुज भरत ने यहीं 14 वर्षों तक तपस्या की थी। राम के वनवास से लौटने पर उन्होंने यहीं अपने पिता राजा दशरथ का पिंडदान किया था। इस स्थल पर एक पौराणिक सरोवर भी है, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। पूर्वांचल और प्रयागराज से आने वाले श्रद्धालु इस पवित्र स्थल पर दर्शन–पूजन के लिए विशेष रूप से आते हैं। भरत पथ के निर्माण से इन श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा होगी तथा अयोध्या की धार्मिक यात्रा और अधिक सुगम हो जाएगी। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता एसपी भारती ने बताया कि भरत पथ के लिए डीपीआर मुख्यालय को भेज दी है। इस डीपीआर में 900 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत का उल्लेख है। स्वीकृति मिलते ही इस पर काम शुरू हो जाएगा। मार्ग पर रोशनी कराने के लिए भी उचित व्यवस्था की जाएगी।

सरकार ने केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त पद के लिए आवेदन मांगे

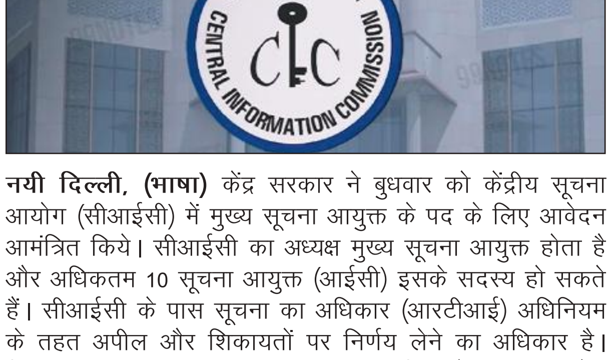

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्र सरकार ने बुधवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में मुख्य सूचना आयुक्त के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किये। सीआईसी का अध्यक्ष मुख्य सूचना आयुक्त होता है और अधिकतम 10 सूचना आयुक्त (आईसी) इसके सदस्य हो सकते हैं। सीआईसी के पास सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत अपील और शिकायतों पर निर्णय लेने का अधिकार है। फिलहाल मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया के अलावा आयोग में दो आईसी कार्यरत हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी सामरिया का कार्यकाल इस साल के अंत में पूरा होगा। आरटीआई अधिनियम के अनुसार, (केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अवधि के लिए) मुख्य सूचना आयुक्त पद पर रहेंगे और पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। इसके मुताबिक, कोई भी मुख्य सूचना आयुक्त 65 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद अपने पद पर सेवाएं प्रदान नहीं कर सकेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 14 सितंबर, 1960 को जन्मे सामरिया को मुख्य सूचना आयुक्त पद की शपथ छह नवंबर, 2023 को दिलाई थी। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पात्रता मानदंड को पूरा करने वाले और नियुक्ति में रुचि रखने वाले लोग 20 जून 2025 तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकते हैं।

कर्नाटक सरकार ने कुमकी हाथी आंध्र प्रदेश को सौंपे

बेंगलुरु, (भाषा) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्य की ओर से पड़ोसी आंध्र प्रदेश को छह कुमकी (प्रशिक्षित) हाथी सौंपते हुए मानव–हाथी संघर्ष को कम करने में राज्यों के बीच सहयोग व समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। कर्नाटक सरकार द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश को चार हाथी सौंपे गए। दो बाद में सौंपे जाएंगे। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी शामिल हुए। अधिकारियों के अनुसार, कुमकी हाथियों का इस्तेमाल आंध्र प्रदेश में उत्पाती हाथियों के झुंड को नियंत्रित करने, उन्हें खेतों में घुसने, उत्पात मचाने और लोगों पर हमला करने से रोकने के लिए किया जाएगा। आंध्र प्रदेश को दिए गए हाथियों में 2022 में चिकमगलुरु में पकड़ा गया कृष्णा (15), 2023 में होन्नाली से पकड़ा गया शिवमोग्गा अभिमन्यु (14), 2019 में कुशलनगर में पकड़ा गया देव (39) और दुबारे कैंप में पैदा हुआ रंजन (26) शामिल है। सिद्धरमैया ने कहा, "हम कर्नाटक की ओर से आंध्र प्रदेश को हाथी सौंप रहे हैं। हम छह कुमकी हाथियों को सौंपने पर सहमत हुए थे, लेकिन आज हम चार सौंप रहे हैं और शेष दो बाद में सौंपे जाएंगे। ये सभी हाथी प्रशिक्षित हैं। आंध्र के हाथियों की देखभाल करने वाले महावतों को करीब एक महीने तक प्रशिक्षित किया गया।" उन्होंने हाथी सौंपने के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में 3,695 हाथी हैं, जो संभवतः देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा, "हाल के दिनों में मानव–हाथी संघर्ष में बढ़ोतरी हुई है और इसे रोकने के लिए सभी राज्यों का सहयोग महत्वपूर्ण है। जब दूसरे राज्यों के साथ समन्वय होगा तभी संघर्षों को कम किया जा सकता है। अगर इसे रोका जा सकता है, तो यह और भी अच्छा है।... इसे रोकना कर्नाटक समेत सभी राज्यों की जिम्मेदारी है।" बाद में पत्रकारों से बात करते हुए पवन कल्याण ने कर्नाटक सरकार को कुमकी हाथी सौंप उनके राज्य में मानव–हाथी संघर्ष को कम करने में मदद के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "आंध्र प्रदेश पिछले 20 वर्षों से हाथी और मानव संघर्ष को कम करने की आवश्यकता महसूस कर रहा है और सोच रहा है कि इसे कैसे किया जाए। कर्नाटक सरकार ने बेहतरीन काम किया है। उनके उपाय बेहतरीन हैं और हम कर्नाटक सरकार से सीख रहे हैं।"

आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 750 तीर्थयात्रियों का चयन

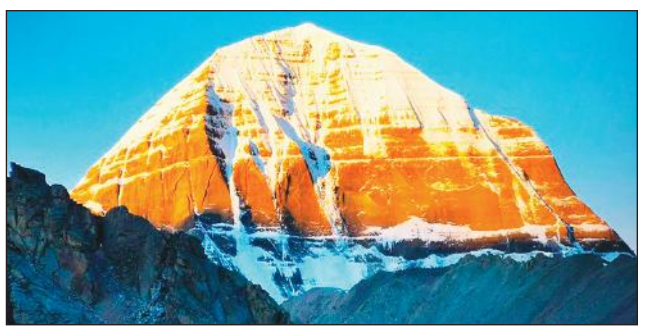

नयी दिल्ली, (भाषा) तिब्बत में आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ के माध्यम से बुधवार को कुल 750 तीर्थयात्रियों का चयन किया गया। यह यात्रा लगभग पांच वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है। यात्रा फिर से शुरू किए जाने को भारत–चीन संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध से बुरी तरह प्रभावित हुए थे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि इस साल की तीर्थयात्रा जून में शुरू होगी और अगस्त तक जारी रहेगी। कोविड–19 महामारी और उसके बाद पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के कारण 2020 में कैलाश मानसरोवर यात्रा को निलंबित कर दिया गया था। चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की तीर्थयात्रा हिंदुओं के साथ–साथ जैन और बौद्धों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है। विदेश मंत्रालय तीर्थयात्रा का आयोजक है।

गीता सामोता माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाली सीआईएसएफ की पहली कर्मी बनीं

नयी दिल्ली, (भाषा) सब इंस्पेक्टर गीता सामोता केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 56 साल के इतिहास में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली कर्मी बन गई हैं। सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने सोमवार को 8,849 मीटर ऊंचे पर्वत की चढ़ाई पूरी की। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''गीता 'दुनिया की शिखर' पर खड़ी थीं और यह एक विजयी क्षण था। यह न केवल व्यक्तिगत जीत का प्रतीक था, बल्कि सीआईएसएफ और राष्ट्र के तौर पर भारत के अविश्वसनीय जज्बे और मजबूती का भी प्रतीक था।'' पैंतीस साल की अधीनस्थ अधिकारी 2011 में इस अर्धसैनिक बल में शामिल हुईं। वह वर्तमान में सीआईएसएफ की उदयपुर हवाई अड्डा इकाई में तैनात हैं। राजस्थान के सीकर जिले के चाक गांव की गीता शुरुआत में हॉकी खिलाड़ी थी लेकिन चोट लगने के कारण वह इस खेल से दूर हो गयी। प्रवक्ता ने कहा कि उस समय सीआईएसएफ के पास पर्वतारोहण टीम नहीं थी। उन्होंने बताया कि गीता ने पर्वतारोहण में विशेष प्रशिक्षण लिया और 2019 में वह उत्तराखंड में माउंट सतोपंथ (7,075 मीटर) और नेपाल में माउंट लोबुचे (6,119 मीटर) पर चढ़ने वाली किसी भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की पहली महिला बनीं।

दिल्ली: पार्षद बॉबी किन्नर ने आप छोड़ी, इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी में हुईं शामिल

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली नगर निगम में पार्षद बॉबी किन्नर ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा दे दिया और नवगठित इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी में शामिल हो गईं। बॉबी किन्नर आप छोड़कर नवगठित पार्टी इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी में शामिल होने वाली 16वीं पार्षद बन गईं हैं। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आम आदमी पार्टी (आप) को झटका देते हुए 15 पार्षदों ने शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया तथा नगर निकाय में कथित उपेक्षा तथा खराब प्रदर्शन का हवाला देते हुए इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) के गठन की घोषणा की। सुल्तानपुर माजरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 43 का प्रतिनिधित्व करने वाली बॉबी किन्नर ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की कार्यप्रणाली पर गहरा असंतोष जताया। किन्नर ने संवाददाताओं से कहा, "लोग नाखुश हैं, क्योंकि वार्ड में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। मैंने पार्टी छोड़ दी है, क्योंकि मैं लोगों के लिए काम करना चाहती हूं।" आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर समर्थन की कमी पर निराशा व्यक्त करते हुए बॉबी किन्नर ने कहा, "हर कोई नाखुश है। पार्टी में कोई भी नहीं सुनता है और पार्षदों को बोलने का मौका भी नहीं मिलता है।" उन्होंने कहा, "मुद्दों को उठाने के लिए कोई मंच नहीं है। अगर सदन ठीक से नहीं चलेगा तो कोई काम कैसे होगा? सत्र मुश्किल से पांच मिनट तक चलता है। हम ऐसी व्यवस्था चाहते हैं जहां मुद्दे उठाए जा सकें और उन पर गंभीरता से चर्चा की जा सके।"

सरकारी कर्मचारी यूपीएस कैलकुलेटर से पेंशन का कर सकते हैं आकलन: वित्तीय सेवा विभाग

नयी दिल्ली, वित्तीय सेवा विभाग ने मंगलवार को कहा कि सरकारी कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) कैलकुलेटर का उपयोग कर अपने पेंशन अनुमान की गणना कर सकते हैं। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''एनपीएस ट्रस्ट ने एकीकृत पेंशन योजना कैलकुलेटर पेश किया है।'' यह कैलकुलेटर एनपीएस (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली) और यूपीएस दोनों अंशधारकों को पेंशन अनुमान प्रदान करता है। विभाग ने कहा कि यह कैलकुलेटर अंशधारकों को सोच–विचार कर सही पेंशन योजना चुनने में मदद करेगा।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने निम्न आय वर्ग पर केंद्रित नयी आवास नीति घोषित की

मुंबई, (भाषा) महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एक नयी आवास नीति की घोषणा की जिसमें 70,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ झुग्गी पुनर्वास से लेकर पुनर्विकास तक की एक व्यापक योजना शामिल है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि नीति का उद्देश्य 'मेरा घर – मेरा अधिकार' के तहत आम आदमी के लिए आवास मुहैया कराना है। उन्होंने कहा कि नीति में निम्न आय वर्ग, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, औद्योगिक श्रमिकों और छात्रों को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस नीति में 70,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ झुग्गी पुनर्वास से पुनर्विकास तक का एक व्यापक कार्यक्रम शामिल है। फडणवीस ने कहा कि कामकाजी महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और छात्रों के लिए किफायती और समावेशी आवास पर विचार किया गया है। उन्होंने बताया कि किराये के आवास और भूमि बैंक बनाने के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा, ''सभी हितधारकों और योजनाओं को एक ही पोर्टल 'महा आवास' पर लाया जाएगा। सरकारी भूमि का मानचित्रण किया जाएगा और उसे आवास के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। आवास की मजबूती एक महत्वपूर्ण कारक होगी और इसे आधुनिक तकनीक के साथ सुनिश्चित किया जाएगा। वर्ष 2007 के बाद, एक व्यापक और गतिशील सर्व–समावेशी नीति तैयार की गई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि नयी नीति में ग्रामीण और शहरी इलाकों में आवासों की जरूरत पर विचार किया गया है।

बिहार में 11 आईएएस और छह आईपीएस अधिकारियों का तबादला

पटना, (भाषा) बिहार सरकार ने मंगलवार को नौकरशाही में बड़े बदलाव करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 11 और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के छह अधिकारियों का तबादला कर दिया। अलग–अलग अधिसूचनाओं में यह जानकारी दी गई। इनके अलावा बिहार प्रशासनिक सेवा (बीएएस) के 36 अधिकारियों का भी तबादला किया गया है। आईएएस अधिकारी अनुपमा सिंह को स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया, जबकि गुंजन सिंह को भोजपुर का उप विकास आयुक्त (डीडीसी) और शुभम कुमार को भागलपुर का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि शैलजा पांडे को समस्तीपुर का नया डीडीसी, जबकि शिवाक्षी दीक्षित को मुंगेर का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। गृह विभाग की ओर से जारी एक अलग अधिसूचना में कहा गया है कि आईपीएस अधिकारी राजीव रंजन को राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है, जबकि राकेश कुमार सिन्हा को सतर्कता ब्यूरो का नया एसपी बनाया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, पंकज कुमार आर्थिक अपराध इकाई के नये एसपी होंगे, जबकि मनीष कुमार सिन्हा अब विशेष शाखा में एसपी (सुरक्षा) की जिम्मेदारी संभालेंगे। राज्य की नौकरशाही और पुलिस में फेरबदल इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अहम माना जा रहा है।

केरल : एलडीएफ सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल की चौथी वर्षगांठ मनाई

कोच्चि, (भाषा) केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन और उनकी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने मंगलवार को अपने दूसरे कार्यकाल की चौथी वर्षगांठ कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सादगीपूर्ण तरीके से मनाई। इस आयोजन के साथ ही विजयन ने मुख्यमंत्री के पद पर नौ वर्ष पूरे कर लिए और वह राज्य में लगातार दो कार्यकाल तक सरकार का नेतृत्व करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। केक काटने का समारोह हवाई अड्डे के लाउंज में आयोजित किया गया। इस मौके पर रोशी ऑगस्टीन, के बी गणेश कुमार, के कृष्णनकुट्टी, के राजन और कदन्नापल्ली रामचंद्रन सहित एलडीएफ के गठबंधन दलों के मंत्री उपस्थित थे। उद्योग मंत्री एवं एर्नाकुलम से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता पी राजीव भी इसमें शामिल हुए। वन मंत्री ए के ससीन्द्रन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से हैं और वह समारोह में शामिल नहीं हुए। इस बीच, विपक्षी कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने इस दिन को 'काला दिवस' के रूप में मनाया तथा विभिन्न मुद्दों पर सरकार की आलोचना की। माकपा के वरिष्ठ नेता विजयन पहली बार मई 2016 में मुख्यमंत्री बने थे और 2021 में दोबारा चुने गए।

संपादकीय

सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न समस्त मत पंथ विश्व में शांति चाहते हैं

भारत में सनातन हिंदू धर्म तो अनादि एवं अनंत काल से चला आ रहा है परंतु बाद के खंडकाल में भारत में कई अन्य प्रकार के मत पंथ भी विकसित हुए हैं जैसे बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म आदि। भारत में विकसित विभिन्न मत पंथ मूलतः सनातन हिंदू संस्कृति का ही अनुपालन करते हुए दिखाई देते हैं और ऐसा कहा जाता है कि यह समस्त मत पंथ सनातन हिंदू धर्म की विभिन्न धाराएं ही हैं। भारत में विकसित मत पंथ सामान्यतः अपने दर्शन, कर्मकांड एवं सामाजिक ताने बाने के दायरे में अपने धर्म का अनुपालन करते हैं। भारत में हिंदू धर्म के सिद्धांतों पर चलने वाले नागरिकों की संख्या सबसे अधिक हैं एवं यह भारत का सबसे बड़ा धर्म है, जिसमें विभिन्न देवी देवताओं और पूजा प्रथाओं की एक विस्तृत प्रणाली शामिल है। भारत में विकसित हुए मत पंथों में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर हुई है। यह शिक्षाएं मानव जीवन से दुःख और उसके कारणों को दूर करने के सम्बंध में हैं। बौद्ध धर्म में ध्यान, प्रेम एवं करुणा पर जोर दिया जाता है। बौद्ध धर्म में कर्मकांड के महत्व को भी रेखांकित किया गया है परंतु इसका उद्देश्य ईश्वर की आराधना नहीं बल्कि मोक्ष की प्राप्ति करने से है। भारत में ही विकसित दूसरे महत्वपूर्ण मत पंथ, जैन धर्म में अहिंसा, आत्म संयम, सत्य एवं ईमानदारी पर अधिक जोर दिया जाता है। जैन धर्म में ऐसा माना जाता है कि मोक्ष की प्राप्ति स्वयं के प्रयासों से ही सम्भव है। भारत में ही विकसित तीसरा महत्वपूर्ण मत पंथ है सिख धर्म जिसकी स्थापना श्री गुरु नानक देव जी ने की थी। सिख धर्म ईश्वर में विश्वास, सेवा, समानता एवं सत्यनिष्ठा पर आधारित है। सिख धर्म में ईश्वर की उपासना की जाती है परंतु यह उपासना कर्मकांड से परे हैं। भारत की सनातन हिंदू संस्कृति को पूरे विश्व में अति प्राचीन संस्कृति के रूप में देखा जाता है। मूल रूप से भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में आध्यात्म का विशेष महत्व है जिसके अंतर्गत "वसुधैव कुटुंबकम", "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय", "विश्व का कल्याण हो", "किसी भी जीव का अहित न हो" जैसे भावों पर अमल करने का प्रयास किया जाता है। भारत में चूंकि मनुष्य के साथ साथ जीव जंतुओं, नदियों, पहाड़ों, पेड़ पौधों एवं जंगलों, आदि में भी ईश्वर का वास माना जाता है इसलिए किसी भी जीव को कोई क्षति न हो इस भावना को न केवल को आगे बढ़ाया जाता है बल्कि इस सिद्धांत पर अमल भी किया जाता है। इसीलिए भारत मूलतः शांतिप्रिय देश माना जाता है तथा भारत में हिंसा के लिए तो कोई जगह ही नहीं है। भारत के धर्मग्रंथों में भी जाने अनजाने में भी की गई जीव हत्या को पाप की संज्ञा दी गई है। सनातन हिंदू संस्कृति के ग्रंथों, उपनिषदों, आदि द्वारा काम, कर्म एवं अर्थ को धर्म के साथ जोड़कर ही सम्पन्न करने के उपदेश दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, महाभारत में वेद व्यास जी ने धर्म के आठ तरीके बताए हैं – (प) यज्ञ – जिसका आश्य है कि ऐसा कर्म जो समाज के लाभ के लिए किया जाता है। (पप) दान – समाज की सहायता करना। (पपप) तप – अर्थात स्वयं में सुधार करते रहना, स्वयं का मूल्यांकन करना तथा नकारात्मक गुणों को दूर कर सकारात्मक गुणों का विस्तार करना। (पअ) सत्यम् – सत्य के मार्ग पर चलना। (अ) क्षमा –दूसरों तथा स्वयं को गलतियों के लिए क्षमा करना। (अप) दंभ – इंद्रियों को वश में रखना। (अपप) आलोभ – लालच नहीं करना एवं लालच में न आना। (अपपप) अध्ययन – स्वयं और दुनिया का अध्ययन करना। सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायी सामान्यतः धर्म के उक्त वर्णित आठ तरीकों पर चलने का प्रयास करते पाए जाते हैं। धर्म की इस राह पर चलकर उन्हें समाज में शांति पूर्वक रहने की प्रेरणा मिलती है एवं अंततः उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इसके साथ ही, विश्व के अन्य देशों में विकसित मत पंथों का अनुसरण करने वाले नागरिक भी भारत में पर्याप्त मात्रा में निवास करते हैं जैसे यहूदी, ईसाई एवं इस्लाम के अनुयायी, आदि। विश्व के अन्य भागों में विकसित उक्त वर्णित मत पंथों को सेमे. टिक रिलिजन की श्रेणी में रखा जाता है क्योंकि इनकी साझा उत्पत्ति एवं कुछ सामान्य अवधारणाएं होती हैं, जैसे एक ही ईश्वर में विश्वास, नैतिकता एवं कर्मकांड। यहूदी धर्म एक धर्मग्रंथ (ताल्मुद) पर आधारित है। इस धर्मग्रंथ में यहूदी लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया गया है। यहूदी धर्म सेमेटिक धर्म की श्रेणी में आता है क्योंकि इसमें एक ईश्वर (येहव) में विश्वास, अनुष्ठान एवं नैतिक नियमों का पालन किया जाता है। ईसाई धर्म ईसा मसीह की शिक्षाओं पर आधारित है, जो एक ईश्वर में विश्वास एवं ईसा मसीह के द्वारा उद्धार करने एवं उनके द्वारा ही मोक्ष करने पर जोर देता है। इसी प्रकार इस्लाम भी पैगंबर मुहम्मद साहब की शिक्षाओं पर आधारित है, जो कि एक ईश्वर (अल्लाह) में विश्वास एवं कुरान का पालन करने पर जोर देता है। भारत में उत्पन्न विभिन्न धर्मों एवं मत पंथों में ईश्वर की अवधारणा विविध है, परंतु सेमेटिक धर्मों में केवल एक ईश्वर में ही विश्वास किया जाता है। भारतीय मत पंथों में कर्मकांड का महत्व कम है, जबकि सेमेटिक धर्मों में कर्मकांड की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। भारतीय मत पंथों में मोक्ष की प्राप्ति के विभिन्न मार्ग उपलब्ध हैं जिन पर चलकर मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है परंतु सेमेटिक धर्मों में मोक्ष की प्राप्ति केवल ईश्वर की कृपा से ही सम्भव है। भारतीय मत पंथों में विविध सामाजिक संरचना रहती है जबकि सेमेटिक धर्मों में एक समान सामाजिक संरचना रहती है एवं इसमें विविधता का अभाव है। भारत में उत्पन्न धर्मों एवं मत पंथों में तथा सेमेटिक धर्मों में सामाजिक संरचना एवं दर्शन भी अलग अलग है। भारत के बारे में यह कहा जाता है कि यहां विविधता में भी एकता दिखाई देती है क्योंकि आज भारत में विभिन्न धार्मिक आस्थाओं एवं विभिन्न धर्मों की उपस्थिति तथा उनकी उत्पत्ति तो दिखाई ही देती है, साथ ही, व्यापारियों, यात्रियों, आप्रवासियों, एवं यहां तक कि आक्रमणकारियों द्वारा भी यहां लाए गए धर्मों को आत्मसात करते हुए उनका सामाजिक एकीकरण दिखाई देता है। सभी धर्मों के प्रति हिन्दू धर्म के आतिथ्य भाव के विषय में जॉन हार्डन लिखते हैं, "हालांकि, वर्तमान हिन्दू धर्म की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता उसके द्वारा एक ऐसे गैर–हिन्दू राज्य की स्थापना करना है जहां सभी धर्म समान हैं.।" पूरे विश्व में संभवतः केवल भारत ही एक ऐसा देश है जहां धार्मिक विविधता एवं धार्मिक सहिष्णुता को समाज द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है। सनातन हिंदू संस्कृति में धर्म को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। भारतीय नागरिक स्वयं को किसी न किसी धर्म से सम्बंधित अवश्य बताता है। इसी के चलते, भारतीय नागरिक विश्व के किसी भी कोने में चला जाय परंतु अपनी संस्कृति को छोड़ता नहीं है। इसी कारण से यह कहा जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर आज की परिस्थितियों की बीच केवल भारतीय सनातन संस्कृति के माध्यम से ही पूरे विश्व में एक बार पुनः शांति स्थापित की जा सकती है।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

स्वास्थ्य और सौंदर्य– चालीस वर्ष के बाद

क्या आप पैंतीस पार कर चालीस के मोड़ पर खड़ी हैं या चालीस पार कर चुकी हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं। आप जीवन के एक शाही मोड़ पर हैं जहां परिपक्व बुद्धि, अनुभव, सलीके, भावनाओं में संतुलन और जल्दबाजी की जगह एक ठहराव से आपका व्यक्तित्व भव्य हो उठा है या हो सकता है। यदि आपके बालों में सफेदी आ गई है तो घबराने की जरूरत नहीं। यह भी व्यक्तित्व की प्रौढ़ता और अनुभव का प्रतीक है। आप से लोग अब सलाह लेना चाहेंगे, आपकी इज्जत करेंगे पर तभी जब आप अपने को अनुपयोगी न समझें और किसी न किसी समाजोपयोगी कार्य में व्यस्त रहें। इसी समय आप साहित्य, अभिरूचियां, राजनीति, समाज सेवा आदि उन कार्यो के लिये अधिक समय निकाल सकती हैं जो पहले गृहस्थी के चक्करों के कारण सम्भव नहीं हो पाता था। इससे आपका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होगा। आपके स्वास्थ्य और सौंदर्य में धीरे–धीरे ह्रास प्राकृतिक नियम है पर सावधानी बरतने पर उसे तेजी से गिरने से बचाया जा सकेगा और आपके असमय बूढ़े होने की नौबत नहीं आएगी। आप अकेली बैठी शीशे के सामने स्वयं में बुढ़ापे के चिन्ह पाकर निराश होने लगती हैं। आप जल्दी थक जाती हैं और स्वयं को अनाकर्षक समझने लगती हैं। आप ही नहीं, इस उम्र में अधिकांश महिलाएं यह सोचती हैं और इस सोच का असर आपके स्वभाव और आचरण पर पड़ना स्वाभाविक है। फिर किसी दिन किसी अपनी ही उम्र की चुस्त, प्रसन्न महिला को देखकर आप उसकी तरह बनने का संकल्प लेती हैं लेकिन उसे पूरा नहीं कर पाती क्योंकि आप एकदम से नकल करने की कोशिश करती हैं। यह नहीं सोचती कि व्यक्तित्व साधना वर्षों के प्रयत्न का फल है। आप किसी भी उम्र में यह साधना शुरू कर सकती हैं। भले ही देर होने पर फल कम मिले लेकिन निष्फल कभी नहीं होगी। क्या यह मेरे संजने–संवरने की उम्र है–इस दृष्टिकोण को बदलें।

हर मनुष्य की एक शारीरिक आयु होती है, एक मानसिक और एक भावनात्मक। उम्र बढ़ने पर भी मन से आप जवान रह सकती हैं। यह आपके सोचने के ढंग पर निर्भर करता है। मन की इच्छा शक्ति ही आपको जवानों की तरह रखने की वास्तविक शक्ति होगी। अतः आयु, समाज, जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलिए।

उम्र का प्रभाव रीढ़ और घुटनों पर प्रायः सबसे पहले पड़ता है, अतः सोते समय ढीली चारपाई पर घुटने सिकोड़ कर कभी न सोए। कड़े तख्त पर सोएं ताकि रीढ़ की हड्डी और घुटने सीधे रहें। मूढ़े, कुरसी, चारपाई पर बैठते समय और काम करते समय सीधी तनकर बैठें। इससे कमर दर्द, पीठ दर्द की शिकायत कम से कम होगी और स्तन भी ढीले होकर नीचे नहीं लटकेंगे।

चेहरे के लिए साप्ताहिक मालिश करने का क्रम जारी रखें और पन्द्रह दिन बाद या एक महीने बाद एक बार 'फेशियल' भी लें।

नित्य सुबह शाम थोड़ी दूर पैदल चलने का क्रम भी अवश्य रखना चाहिए। सुबह खुली हवा में सांस लेने का व्यायाम भी करें ताकि श्वांस की बीमारियां न घेरें।

चालीस के बाद भोजनः– बढ़ती उम्र में असंतुलित भोजन से स्वास्थ्य में गड़बड़ी होती है। आपका भोजन हल्का, पौष्टिक और संतुलित होना चाहिए। चालीस के बाद चिकनाई और चीनी की मात्रा इतनी ही लें जितनी कि शक्ति बनाए रखने के लिये कम से कम चाहिए। प्रोटीन की मात्रा भी अब अधिक नहीं लेनी चाहिए। दूध एक–एक कप दो बार लें या एक कप दूध और अंडा। बस इतना अतिरिक्त प्रोटीन काफी है क्योंकि दालों मेवों से भी प्रोटीन मिलेगा।

घी मक्खन की मात्रा आपके लिए दिन भर में दो चम्मच पर्याप्त है पर रोटी, दाल, चावल, भाजी के सामान्य भोजन के साथ खनिज तत्व व विटामिन आपके भोजन में पर्याप्त हों, यह ध्यान अवश्य रखें। कैल्शियम से हड्डियां मजबूत रहती हैं। विटामिन 'सी' दांतों की मजबूती के लिये आवश्यक है। लौह तत्व तो जैसे बुढ़ापे की लाठी ही है। विटामिन 'बी' स्नायुमंडल आंखों की ज्योति के लिए बहुत जरूरी है। ये ही खनिज विटामिन बालों के लिये भी चाहिए। भोजन में इन तत्वों की कमी और मानसिक तनाव, अनिद्रा आदि कारणों से ही बालों में जल्दी सफेदी आती है।

समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण करवाती रहें। यदि आपको सफेद बाल पसन्द नहीं हैं तो 'डाई' करवाने में कोई हर्ज नहीं।

त्वचा की मालिश और फेशियल के द्वारा झुर्रियों को दूर रखें। झुर्रियों वाली खुश्क त्वचा पर ग्लिसरीन युक्त साबुन का प्रयोग करें या मलाई में बेसन फेंटकर मुंह धो डालें।

मेकअप और वेशभूषाः– इस आयु में न तो आप अस्त व्यस्त रहें, न ही युवतियों की तरह गहरे मेकअप और चटकीली वेशभूषा से बनी–ठनी। दोनों ही स्थितियों में आप आलोचना के द्वार खोलेंगी।

आप मेकअप जरूर करें लेकिन हल्का। त्वचा से मेल खाता हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं। लिपस्टिक भी हल्के नेचुअल रंग की प्रयोग करें। आंखों में गुलाबजल या कोई अच्छा सा लोशन डालते रहने से आपकी आंखों की चमक बुझेगी नहीं, बनी रहेगी।

केश सज्जा शैली भी अपनी आयु और चेहरे की स्थिति के अनुरूप सादी, शालीन, सुविधाजनक और गरिमामयी ही अपनाएं।

वेशभूषा भी शालीन, सादगीपूर्ण और सभ्रान्त हो। आभूषण भी हल्के व कम पहनिए।

अपने व्यक्तित्व के प्रभाव और आकर्षण को बनाए रखना इस समय आपका सबसे बड़ा उद्देश्य होना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्रा में अपना दायरा बढ़ाए। दूसरों के सुख दुख में शरीक हों। लोग आपकी प्रशंसा करेंगे और सम्मान देंगे। आपके परिवार का सम्मान भी बढ़ेगा। आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

आपके व्यक्तित्व के आचरण का यह सौंदर्य ही चालीस साल के बाद के जीवन का सौंदर्य बन जाएगा। उम्र बढ़ने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य और स्वास्थ्य में हानि उठाकर भी जीवन का यह सौंदर्य आपको सौंदर्यवान रखेगा, प्रयत्न से इसे जुटाकर देखिए तो।

आप भी तो नहीं कर रहीं ये गलतियां

आजकल सुपर मार्केट का जमाना है। हर कोई अपनी पसंद के हिसाब से सामान चुनना पसंद करता है लेकिन यह सहूलियत कई बार जी का जंजाल बन जाती है और आप ऐसी चीजें खरीद लाती हैं जो न केवल आपका बजट बिगाड़ती है बल्कि सेहत के लिए भी खासी नुकसानदायक होती है।

खाना खा कर नहीं जातीं: सुपर मार्केट भूखे पेट कभी न जाएं। इससे उन चीजों, खासतौर पर खाने पीने की उन चीजों के खरीदे जाने की पूरी संभावना रहती है जिनकी आपको जरूरत नहीं है। खाने की ये चीजें घर आएंगी तो आप इन्हें खाएंगी भी और अपनी सेहत का सत्यानाश करेंगी। इसलिए खरीदारी से पहले घर पर अच्छी तरह खाना या स्नैक्स खाएं। आपका पर्स और आपकी कमर दोनों आपका शुक्रिया अदा करेंगे।

बिना तैयारी के जाती हैं: लिस्ट बनाएं बगैर सुपरमार्केट जाना कुछ ऐसा ही है जैसे बिना तैयारी के परीक्षा देना। लिस्ट के बगैर खरीदारी करने से आप कुछ गैरजरूरी चीजों की खरीदारी कर डालती हैं, ठीक वैसे ही जैसे भूखे पेट जाने पर। यदि आप लिस्ट या स्लिप बनाती हैं और वो घर छूट जाती है तो लिस्ट अपने फोन में बनाने की आदत डाल लें। फोन में उस रेसिपी की फोटो ले सकती हैं जिसे बनाने की सोच रही हैं।

सेल में खरीद लेती हैं: सुपर मार्केट्स में ऑफर्स की बाढ़ आई हुई होती है। सामान्यतः आप जिन चीजों की खरीदारी नहीं करतीं, उन्हें सेल में खरीद लेती हैं। सेल में केन्ड, फ्रोजन फूड्स, योगर्ट, नट्स जैसी चीजों को तो खरीद लें लेकिन कपकेक्स, कुकीज जैसी चीजें न लें। याद रखें, सुपर मार्केट्स में अक्सर वही चीजें सेल में होती हैं जिनकी 'एक्सपायरी डेट' पास होती हैं।

शुरूआत गलत काउंटर से: आप भी खरीदारी करें तो शुरूआत में हमेशा कार्ट को फल, सब्जियों, डेयरी प्रोडक्ट्स और साबुत अनाज से बनी चीजों से भर लें। इसके बाद ही चिप्स, कुकीज, केक्स, क्रैकर्स और सोडा लें। यह कुछ ऐसे ही सिद्धांत पर आधारित है कि जैसे जब आप खाना खाने बैठें तो सबसे पहले प्लेट में हैल्दी आइटम्स डालें। उसके बाद मीठा लें। इसलिए सेहतमंद चीजों की खरीदारी पहले करें और जो चीजें प्राथमिकता में नहीं है, उन्हें बाद में लें।

केवल ऑर्गेनिक: आपको लगता है कि ऑर्गेनिक फूड सेहत के लिए सबसे ज्यादा मुफीद हैं, इसलिए आप इन्हें किसी भी दाम में खरीद लेती हैं। यह ठीक है कि ऑर्गेनिक फूड अच्छा होता है लेकिन बहुत महंगा भी होता है। इसलिए अगर आपका बजट आपको इजाजत नहीं देता तो ऑर्गेनिक चीजों को कार्ट में न डालें। आपको केवल इतना ध्यान देना है कि आपको वही चीजें खरीदनी हैं, जो सेहतमंद हैं, भले ही वे ऑर्गेनिक हों या नहीं।

पड़ती हैं चक्कर में लो कैलोरी के: आप सेहत का बहुत ध्यान रखती हैं, इसलिए कोई भी चीज खरीदते हुए देखती हैं कि वह लो कैलोरी, रिड्यूस्ड फैट या फैट फ्री हो, लेकिन कम फैट खाने से आप कई बार भूखी रह जाती हैं और फिर दूसरी चीजें ज्यादा खा लेती हैं। इसलिए अगर आपको स्नैक्स की खरीदारी करनी हो तो प्रोटीन और फाइबर का मिश्रण खरीदें जैसे फल के साथ पीनट बटर।

सिंगल चाइल्ड की समस्याएं

आज काम्पिटीशन के दौर में युवा अपनी नौकरी एवं व्यवसाय में इतना अधिक व्यस्त हो गए हैं कि उन्हें अपने लिए भी समय नहीं मिल पाता। प्रातः जाने का समय तो वही होता है परन्तु घर लौटने का उनका कोई समय नहीं होता। अपने भाई–बन्धुओं से मिलने के लिए भी वे समय नहीं निकाल पाते। इससे भी बढ़कर सामाजिक कार्यों में सम्मिलित होना भी उनके लिए कठिन होता जा रहा है। इस तरह वे समाज से कटते जा रहे हैं। चाहे युवक हों या युवतियाँ, अपने कैरियर को लेकर सभी बहुत सावधान रहते हैं। इसलिए घर से दूर, अपने देश या विदेश में कहीं भी जाना उनकी मजबूरी बनती जा रही है। संयुक्त परिवार के स्थान पर एकल परिवारों के बढ़ने का यह भी एक प्रमुख कारण है। शायद यही कारण है कि आज भारत में सिंगल चाइल्ड वाले परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है।

कुछ युवा कहते हैं कि उनके पास बच्चे पैदा करने का समय नहीं है यानी वे एक भी बच्चा पैदा नहीं करना चाहते। इन परिवारों को न तो अपने बुजुर्गों का साथ मिल पा रहा है और न ही अपने भाई–बहनों का। घर–परिवार से दूर रहते ये युवा अपने पारिवारिक सुख–दुख में चाहते हुए भी शामिल नहीं हो पाते, इस बात का उन्हें बहुत दुख रहता है। कहाँ घर बच्चों की किलकारियों से गूँजता रहता था, वहीं आज शान्ति पसरी रहती है। एक बच्चे का यह चलन हमारी पूरी पारिवारिक संस्था पर ही प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। इस तरह भाई–बहन का रिश्ता भी समाप्त होता जा रहा है। यदि परिवार में इकलौता बेटा है तो उसकी आने वाली पीढ़ी चाचा–चाची, ताऊ–ताई और बुआ–फूफा आदि के रिश्तों से हमेशा के लिए अनजान रह जाएंगी। इसी तरह यदि इकलौती सन्तान बेटी होती है तो उसकी आने वाली पीढ़ी को मामा–मामी और मौसी–मौसा आदि का रिश्ता नहीं मिलेगा। सिंगल चाइल्ड की यह सोच सामाजिक ताने बाने के लिए घातक सिद्ध हो रही है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि एक पूरी पीढ़ी बचपन से ही एकाकीपन और असामाजिकता का शिकार होती जा रही है। इसके चलते बच्चों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व ही प्रभावित हो रहा है। ये बच्चे आत्मकेन्द्रित और आक्रामक बनते जा रहे है। इन इकलौते बच्चों को किसी के साथ अपना बिस्तर, खिलौने, पुस्तकें आदि साझा करना आता ही नहीं है। इन बच्चों को अपने बराबर के बच्चों के साथ सामंजस्य स्थापित करना भी नहीं आता। घर में यदि कोई मेहमान आ जाए तो ये परेशान हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी प्राइवेसी में दखल दिया जा रहा है। बार–बार पूछते हैं कि वह अतिथि कब जाएगा।

अपने माता–पिता से आवश्यकता से अधिक प्यार–दुलार पाकर ये बच्चे बिगड़ते जा रहे हैं। कहीं बच्चा नाराज न हो जाए, कहीं कुछ कर न बैठे, इस कारण माता–पिता उनकी हर जायज–नाजायज माँग को मान लेते हैं। वे सदा उनकी खुशी में खुश रहना चाहते हैं। स्वयं को इतना अधिक महत्त्व मिलते देखकर ये बच्चे दिन–प्रतिदिन जिद्दी और घमण्डी बनते जा रहे हैं। ये अपने सामने किसी को कुछ समझते ही नहीं हैं। ये सोचते हैं कि जो उन्होंने कह दिया, बस वही पत्थर की लकीर है। उनकी बात को काटने का किसी को अधिकार नहीं है, फिर वे चाहे उनके माता–पिता ही क्यों न हों।

इकलौते बच्चों का व्यवहार और उनकी कार्यशैली उन बच्चों से बिल्कुल अलग होती है जो अपने हमउम्र भाई–बहनों के साथ बड़े होते हैं। भाई–बहनों के साथ रहते हुए उन्हें अपनी वस्तुएँ साझा करनी आ जाती हैं। उन्हें परस्पर सामंजस्य स्थापित करना आ जाता है। वे छोटों और बड़ों के साथ कुशलता से व्यवहार कर लेते हैं। बड़े भाई या बहन को देखकर, बिनकहे ही वे बहुत कुछ सीख जाते हैं। लड़ते–झगड़ते वे कब बड़े हो जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

अपने कैरियर के प्रति सावधान आज की युवापीढ़ी अकेले बच्चे के दर्द से अनजान बनी हुई हैं। अकेले बच्चे सारा दिन पुस्तकें पढ़कर, टी. वी. देखकर, वीडियोगेम खेलकर अथवा मोबाइल से अपना मन बहलाने का असफल प्रयास करते हैं। माता–पिता के पास समय न होने के कारण उनका साथ भी उन्हें सीमित ही मिल पाता है और फिर बच्चे कितनी देर तक उनके साथ भी बात कर सकते हैं। ऐसे बच्चे जब समझने लायक हो जाते हैं, तब उन्हें अकेलापन बहुत अखरता है। अपने माता–पिता से बच्चे हर समस्या को नहीं डिसकस कर सकते। वे अपने मन की बात या कोई समस्या किसके साथ साझा करें, उन्हें यह समझ नहीं आता। नौकरों के हाथ में पलने वाले बच्चों की समस्याएँ वास्तव में विचारणीय हैं। आज के युवा मस्त–पिता को भी इस विषय पर अवश्य मनन करना चाहिए।

चुनौती है नए घर में सामंजस्य करना

जब लड़की जवान होती है तो अपने आस पास शादी शुदा कपल्स को खुश और मस्त देखती है, तब उसके मन में भी शादी के बारे में कई विचार आते हैं। जब वह शादी की उम्र तक पहुंचती है तो हजारों अरमान संजोये होते हैं उसने अपने छोटे से दिल में पति के लिए, पति के माता–पिता और भाई बहन के लिए पर वह विवाह के बाद नये घर में प्रवेश करती है तो उसके मन में सपनों के साथ कुछ डर भी होता है। उसे लगता है कि कैसे वह नये परिवेश में अपना सामंजस्य बिठा पाएंगी। ऐसे में नई दुल्हन से अनजाने में कुछ चूक हो जाए तो यह छोटी सी चूक कलह का कारण बन जाती है, इसलिए वधू को बहुत सोच समझ कर, विचार कर कदम उठाने चाहिए ताकि घर वालों से सामंजस्य स्थापित कर पाए। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज, नए परिवार का परिवेश उसके लिए अनजान ही होता है। अरेंज मैरिज हो तो जो समय सगाई और शादी के बीच का होता है, उसमें कुछ बातें अपने भावी पति से मिलकर स्पष्ट कर लेनी चाहिएं ताकि सामंजस्य बैठाना मुश्किल न हो। लव मैरिज हो, तब भी अपने ब्वाय फ्रेंड से परिवार के स्वभाव, उम्मीदों के बारे में जान लेना जरूरी होता है। कई बार कुछ गलतफहमियां लव मैरिज में भी दरार पैदा कर देती हैं। तब पछतावे के अलावा हाथ में कुछ नहीं रहता।

पति की आय के बारे में जानकारी रखनाः– पति यदि बिजनेसमैन हैं और बिजनेस अकेला देखता है तो उसकी आय के बारे में जानें ताकि आप मानसिक रूप से तैयार रहें कि आपको उसके हिसाब से ही खर्च करना है और भविष्य के लिए भी कुछ बचा कर रखना है। यदि आप भी कामकाजी हैं और पति भी नौकरी करते हैं, तब भी अपनी आय उन्हें बताएं और उनकी आय भी जानें क्योंकि आप दोनों को गृहस्थी चलानी है और भविष्य की योजनाएं बनानी हैं। यदि बिजनेस परिवार के साथ सांझा है, तब भी किस आधार पर कमाई का बंटवारा होता है, यह आपको जानने का पूरा हक है। पति पत्नी में अधिकतर झगड़े कुछ समय बाद रूपये पैसों को लेकर ही होते हैं।

मिल बांट कर काम करेंः– आप भी कामकाजी हैं तो दोनों मोर्चे बिना मदद के संभालना कठिन है। ऐसे में आप जल्दी टूट जाएंगी। टूटने का अर्थ है परिवार में तनाव। आप संयुक्त परिवार में शादी करवा कर जा रही हैं और नौकरी भी करती हैं तो शादी के शुरू में ही परिवार में उतनी मदद करें जितनी आप से आसानी से हो सके नहीं तो पार्ट टाइम या फुल टाइम सर्वेन्ट रख कर परिवार में शांति बना कर रखें। विवाह करवा कर आपको पति के साथ कहीं दूसरे शहर में रहना है तो काम का बंटवारा कैसे करें, यह भावी पति से डिस्कस कर सकती हैं या विवाह के प्रारंभ में भी इस बारे में बात कर सकती हैं। निर्णय बैठकर आपस में करें ताकि बाद में बेवजह झगड़ा न हो।

दोनों परिवारों में तुलना न करेंः– कभी भी दो परिवारों में तुलना न करें। इस बात का ध्यान रखें कि दोनों परिवारों की परिस्थितियां, रहन सहन के तरीके, आय के साधन, परिवार में सदस्यों की संख्या अलग–अलग होने के कारण समानता होना कठिन होता है। यदि आपके मायने में किसी चीज पर दिल खोल कर खर्च होता हो और ससुराल में न होता हो तो इस बात का रौब न मारें। स्वयं को उस वातावरण में ढालने का प्रयास करें। मायका आपका पास्ट था, यह प्रेजेन्ट है, इस बात को दिमाग में रखें।

गुस्से में निर्णय मत लेंः– परिवार में कुछ छोटी मोटी बात हो जाती है और आपको वो बात बुरी लगती है और आप गुस्से में आकर कुछ भी निर्णय ले लें तो यह गलत है। गुस्से में लिया निर्णय प्रायः गलत होता है और बात को बिगाड़ देता है। फिर जीवन भर अफसोस करने से बेहतर है कि संभल कर निर्णय लें। बात की गहराई तक जाएं, मन शांत होने पर उस बात पर पुनर्विचार करें।

स्वयं को तैयार रखेंः– नए परिवार में यदि आपको शादी के बाद साथ रहना है या अलग, इस बात के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें। कई बार लड़कियां अकेले दूसरे शहर में जाते हुए घबराती हैं। अपने मन को तैयार रखें ताकि बाद में परेशानी न हो।

इसे भी रखें ध्यान मेंः– शादी के बाद आपके दोस्त आपके घर पर आएं तो क्या ससुराल वालों को या आपके पति को यह पसंद है कि नहीं। यदि लव मैरिज हो तो अपने भावी पति से बात कर लें और यह भी पूछ लें कि उसके परिवार वाले आपत्ति तो नहीं करेंगे। अरेंज मैरिज में एक दो महीनों के अंदर पति से बात कर लें। दोस्ती अपनी जगह है और रिश्ते अपनी जगह। दोस्ती निभाने के लिए रिश्तों की कुर्बानी न देने में भलाई है। जब दोनों पार्टनर अलग धर्म के होंः– अलग धर्म के लोग जब शादी करने का फैसला ले लेते हैं तो इस बात को स्पष्ट कर लें कि ससुराल वालों को शादी के बाद आपको अपने धर्मस्थल पर जाने देने में कोई आपत्ति तो नहीं। थोड़े बहुत आपके धर्म के त्योहार वो मनांएगे या नहीं, आपके धर्म को भी इज्जत की निगाह से देखेंगे या नहीं। बच्चा होने पर बच्चा कौन सा धर्म अपनाए। इन बातों को स्पष्ट कर लें ताकि बाद में शादीशुदा जीवन में जहर न घुले।

नए परिवार में जाने से पहले किसी भी परिवार के सदस्य के बारे में कोई पूर्व धारणा न बनाएं। वहां जाकर उनसे निर्वाह कर, उन्हें समझ कर फैसला लें।

परिवार के सदस्यों के जन्मदिन, विवाह की सालगिरह की तारीख याद रखें। छोटे–छोटे उपहार भी दें ताकि परिवार में अपनापन महसूस हो सके। संयुक्त परिवार में हैं और आप दोनों कामकाजी हैं, किसी कारणवश आपको घर देर से आना हो इसकी सूचना परिवार में जरूर दें। माता–पिता को सम्मान दें, छोटे भाई या बहन हों उन्हें भरपूर प्यार दें। कभी कभी उनके साथ पिकनिक या सिनेमा जाएं।

घर के काम के प्रति अपना फर्ज निभाएं। माता–पिता बीमार हों तो छुट्टी लेकर उनका ध्यान रखें। यदि आप नये घर में बेटी बनकर फर्ज निभाएंगी तो वो भी बेटी की तरह भरपूर प्यार देंगे।

एक्टर पति और बेटी को छोड़ साध्वी बनेंगी शाहरुख खान की एक्ट्रेस, 7 महीने पहले बनी थी मां, बोलीं– सेवा भाव में...

टीवी इंडस्ट्री का बड़ा नाम बनने से पहले ये हसीना बॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं। इस एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में बड़े बैनर की फिल्म से शाहरुख खान के साथ डेब्यू किया था। पहली ही फिल्म में इनका चार्म देखने को मिला। शाहुरुख खान के साथ इनकी केमिस्ट्री भी पहली ही फिल्म में दिख गई थी। फिर एक्ट्रेस ने टीवी के सबसे चर्चित शो 'बिग बॉस' का रुख किया। इस शो में एक्ट्रेस जीत तो हासिल नहीं कर सकीं, लेकिन शो के विनर से उन्हें प्यार हो गया और फिर क्या उसी के साथ एक्ट्रेस ने आगे चलकर घर बसा लिया। अब एक्ट्रेस हाल ही में एक प्यारी सी बेटी की मां भी बन गई हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपने एक बयान को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। सामने आए बयान में एक्ट्रेस ने संन्यासी वाला जीवन अपनाने की बात कही है।

'ओम शांति ओम' से किया था डेब्यू : हम किसकी बात कर रहे हैं, इसका अंदाजा तो आपने लगा ही लिया होगा। ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि प्रिंस नरूला की पत्नी और 'ओम शांति ओम' से फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली एक्ट्रेस युविका चौधरी हैं। युविका अब टीवी इंडस्ट्री का जाना–माना नाम हैं। वो 'बिग बॉस 9' के अलावा 'नच बलिए 9' जैसे रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने कई टीवी शो जैसे 'कुमकुम भाग्य', 'लाल इश्क' और 'दफा 420' में शानदार अभिनय किया है। साल 2022 के बाद ये युविका किसी भी शो का हिस्सा नहीं रहीं। अब वो फुल टाइम यूट्यूब व्लॉगर बन गई हैं और अपनी लाइफ की हर अपडेट इसके जरिए साझा करती रहती हैं। इन दिनों हाल ही मम्मी बनीं एक्ट्रेस अपनी प्यारी सी बेटी के साथ अच्छा वक्त गुजार रही हैं।

एक्ट्रेस ने बताया फ्यूचर प्लान : अब हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वो आगे चलकर संन्यासी जैसा जीवन जीना चाहती हैं और वो एक साध्वी बनना चाहती हैं। ये हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि उन्होंने खुद इसके बारे में बात की है। पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में युविका चौधरी गेस्ट बनकर आईं, जहां उन्होंने अपनी लाइफ से जुड़ा ये खुलासा किया है। इस शो में पारस ने उनकी कुंडली से जुड़े राज खोले और कहा कि युविका की कुंडली में योग है कि वो जल्द संत बनने वाली हैं। इस पर युविका ने झट से रिएक्ट किया और कहा कि जल्दी तो नहीं लेकिन हां वो एक दिन साध्वी जरूर बनने की चाहत रखती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि लाइफ में एक वक्त ऐसा जरूर आएग जब वो सेवा भाव में अपना जीवन लगा देंगी।

'ठग लाइफ' की थियेटर और ओटीटी रिलीज में आठ हफ्ते का अंतर व्यावहारिक कदम है: कमल हासन

मुंबई, अभिनेता कमल हासन ने अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' की थियेटर और ओटीटी रिलीज के बीच आठ सप्ताह का अंतर रखने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह व्यावहारिक सोच है और इसके पीछे कोई प्रयोग करने जैसा कुछ नहीं है। फिल्म निर्माता मणिरत्नम के साथ एक प्रचार कार्यक्रम में हासन ने कहा कि यह कदम फिल्म उद्योग के लिए एक स्वस्थ पहल है और उम्मीद है कि अन्य निर्माता भी इसका अनुसरण करेंगे। उन्होंने कहा, "यह कोई प्रयोग नहीं है, बल्कि व्यावहारिक निर्णय है। खुशी है कि नेटफ्लिक्स ने इसे स्वीकार किया है। यह उद्योग के लिए अच्छा है और हम पहले हैं जो इसका लाभ उठा रहे हैं।"

हासन और मणिरत्नम 35 साल बाद इस फिल्म में साथ आ रहे हैं। दोनों ने 1987 में 'नायकन' में साथ काम किया था। हासन ने मणिरत्नम से अपनी दोस्ती को याद करते हुए कहा, "हम दोनों फिल्म प्रेमी हैं और इसी कारण एक–दूसरे के करीब आए। हम किसी भी सेट पर जाकर शूटिंग देख लेते थे।" फिल्म 'ठग लाइफ' में हासन रंगाराया शक्तिवेल नायकन की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में सिलंबरासन टीआर, तृषा, ए आर रहमान, ऐश्वर्या लक्ष्मी, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म पांच जून को रिलीज होगी।

'प्रतिशोध...' रिलीज को तैयार नई थ्रिलर सीरीज, सस्पेंस और क्राइम का मिलेगा ओवरडोज, ट्रेलर जारी

दर्शकों के बीच सस्पेंस–थ्रिलर का क्रेज तेजी से बढ़ा है। ओटीटी पर अक्सर ही दर्शक कुछ सस्पेंस और रोमांच से भरे कंटेंट की तलाश करते रहते हैं। 'ये काली काली आंखें' से लेकर 'सेक्रेड गेम्स' जैसी सीरीज को इनके कंटेंट के लिए खूब पसंद किया गया। इस बीच ऐसी ही एक और वेब सीरीज दर्शकों के बीच दस्तक देने के लिए तैयार है, जिसमें ढेर क्राइम, सस्पेंस और थ्रिल की कोई कमी नहीं होगी। हाल ही में मेकर्स की ओर से इस सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया है, जिसका नाम 'प्रतिशोध' है। सुधा चंद्रन, सत्यकाम आनंद और अदिति सनवाल स्टारर ये सीरीज कब और कहां देख सकते हैं, आईये जानते हैं।

कब रिलीज हो रहा है शो? : प्रेस नोट के अनुसार, सुधा चंद्रन और अदिति सनवाल स्टारर ये सस्पेंस–थ्रिलर सस्पेंस और हाई वोल्टेज ड्रामा से भरपूर है। सीरीज की कहानी एक महिला के मर्डर के इर्द–गिर्द घूमती है। महिला की मौत के बाद उसकी बेटी उसकी मर्डर मिस्ट्री सुलझाने की कोशिश करती है और इसी कोशिश में उसे कई ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जो उसके लिए मुश्किल का सबब बन जाती है। इस शो के डायरेक्टर फिल्ममेकर अजय के पन्नालाल हैं, जिसमें राज शर्मा, आशुतोष कौशिक, वरुण जोशी, प्रिया गुप्ता और श्रेया खन्ना जैसे कलाकार भी अहम रोल में हैं। ये शो 24 मई को ॅअमे व्ज्ज पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा।

क्या हो सकती है कहानी? : दर्शक शो से क्या उम्मीद कर सकते हैं, इस पर निर्देशक अजय के पन्नालाल ने एक प्रेस नोट में कहा कि 'प्रतिशोध सिर्फ एक मर्डर, सस्पेंस नहीं है, यह एक इमोशन्स से भरी कहानी है जो न्याय, सच्चाई और क्लोजर की लड़ाई को दिखाती है। हमने इसे इस तरीके से बनाया है कि दर्शक आखिरी तक इसे देखने से खुद को नहीं रोक पाएंगे।'

वेव्स ओटीटी पर स्ट्रीम होगा शो : सीरीज के क्रिएटिव डायरेक्टर और प्रोड्यूसर पुनीत कुमार कनोजिया ने सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा– 'ये कहानी मेरे दिल के बहुत पास है। यह इस बात पर प्रकाश डालती है कि किस प्रकार व्यक्तिगत क्षति न्याय के लिए एक पावरफुल शक्ति बन सकती है। मुझे टीम द्वारा की गई मेहनत पर गर्व है। वेव्स ओटीटी पर इस शो की स्ट्रीमिंग अधिक अर्थपूर्ण है, क्योंकि यह भारत सरकार द्वारा एक सराहनीय पहल और प्रसार भारती द्वारा एक प्रगतिशील कदम है। वेव्स ओटीटी मूल भारतीय कहानी कहने के लिए नए दरवाजे खोलता है और प्रतिशोध उस विजन में फिट बैठता है।'

उत्तराखंड फिल्म परिषद के अधिकारियों ने 'बॉर्डर2' के सेट पर सनी देओल से भेंट की

देहरादून, उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी ने यहां हल्दूवाला में बनाए गए हिंदी फिल्म 'बॉर्डर 2' के सेट पर लोकप्रिय अभिनेता सनी देओल और फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह से मुलाकात की। मंगलवार को हुई इस मुलाक़ात के दौरान उत्तराखंड की फिल्म नीति, लोकेशन विविधता और राज्य सरकार की ओर से शूटिंग में दिए जा रहे सहयोग एवं समर्थन पर सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान परिषद के संयुक्त सीईओ डॉ. नितिन उपाध्याय भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बनी उत्तराखंड की मौजूदा फिल्म नीति को देश की सबसे प्रगतिशील नीतियों में एक माना जा रहा है जहां फिल्म निर्माताओं को समय से शूटिंग की अनुमति, प्रशासनिक सहयोग और स्थानीय संसाधनों की सहज उपलब्धता मिलती है। इस संबंध में तिवारी ने कहा कि यहां फिल्म यूनिट को जिस तरह का सकारात्मक और सहज वातावरण मिल रहा है, वह प्रदेश को फिल्म निर्माण की दृष्टि से एक सशक्त गंतव्य बनाता है। 'बॉर्डर 2' जेपी दत्ता, निधि दत्ता और टी–सीरीज के प्रोडक्शन में बन रही है जिसकी शूटिंग फरवरी से देहरादून में चल रही है। 'केसरी' जैसी फिल्म से लोकप्रियता हासिल करने वाले अनुराग सिंह इसके निर्देशक हैं जबकि सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे प्रमुख कलाकार इसमें काम कर रहे हैं। फिल्म निर्माता में से एक बिनोय गांधी ने बताया कि फिल्म 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है जिसके लिए देहरादून के हल्दूवाला क्षेत्र में कश्मीर के एक गांव का भव्य सेट बनाया गया है। सेट निर्माण की शुरुआत पिछले साल नवंबर में हुई थी। फिल्म में युद्ध के दृश्य, टैंक और सेना की आवाजाही जैसे दृश्य शामिल हैं। इस फिल्म परियोजना से रोज़ाना लगभग 350 स्थानीय लोगों को काम मिल रहा है। 'बॉर्डर 2' के अलावा इस समय उत्तराखंड में कई अन्य प्रमुख फिल्मों की शूटिंग भी चल रही है। फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' की शूटिंग देहरादून में हो रही है जिसमें अविनाश तिवारी और '12वीं फेल' की अभिनेत्री मेधा शंकर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही अन्नू कपूर, पवन मल्होत्रा और बिजेंद्र काला अभिनीत कॉमेडी व्यंग्य फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' की शूटिंग देहरादून और ऋषिकेश में चल रही है। उत्तराखंड के क्षेत्रीय सिनेमा को प्रोत्साहन देने के तहत इन दिनों गढ़वाली भाषा की तीन फिल्में–मारचा, तेरी माया और नमक की शूटिंग भी क्रमशः देहरादून, टिहरी और उत्तरकाशी में हो रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि क्षेत्रीय सिनेमा को एक नयी दिशा और पहचान मिले। बीते कुछ समय में उत्तराखंड में कई उल्लेखनीय हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग हुई है जिनमें 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो', 'तिकड़म', 'दो पत्ती', 'पुतुल', 'रौतू का राज', 'तन्वी द ग्रेट', 'पास्ट टेंस', 'केसरी 2' और 'मेरे हसबैंड की बीवी' प्रमुख हैं। वर्ष 2024 –25 में उत्तराखंड सरकार द्वारा 225 परियोजनाओं को शूटिंग की अनुमतियां जारी की गई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी बृहस्पतिवार को बीकानेर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे

जयपुर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को राजस्थान के बीकानेर जिले में रेलवे, सड़क, बिजली, जल और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 22 मई को राजस्थान के दौरे पर आएंगे। वे बीकानेर जाएंगे और पूर्वाह्न करीब 11 बजे देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और बीकानेर–मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे तथा पलाना में सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री देश में रेल अवसंरचना को निरंतर बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश भर के 1,300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय वास्तुकला को प्रतिबिंबित करने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। राजस्थान में सड़क अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री तीन वाहन अंडरपास के निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की आधारशिला रखेंगे। मोदी राजस्थान में सात सड़क परियोजनाओं को भी आम जनता को समर्पित करेंगे। राज्य में 4,850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले ये सड़क परियोजनाएं माल और लोगों की सुगम आवाजाही की सुविधा प्रदान करेंगी।

नौसेना प्रमुख ने आईएनएसवी तारिणी के चालक दल से बातचीत की

नयी दिल्ली, (भाषा) नौसेना की दो महिला अधिकारियों को लेकर आईएनएसवी तारिणी वैश्विक जलयात्रा के अपने अंतिम चरण में उत्तरी गोलार्द्ध को पार करने के बाद लौट रही है और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने इसके चालक दल के सदस्यों से बातचीत की और उनके अनुकरणीय कौशल और टीम भावना की सराहना की। नौसेना प्रमुख ने पिछले साल 2 अक्टूबर को गोवा से भारतीय नौसेना नौकायन पोत (आईएनएसवी) की नौका को हरी झंडी दिखाई थी। लगभग आठ महीने की इस यात्रा के दौरान, तारिणी ने बारिश, तेज हवाओं और बड़ी लहरों का सामना करते हुए 'केप ऑफ गुड होप' को सफलतापूर्वक पार किया। लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए ने इसे संचालित किया। भारतीय नौसेना ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''20 मई 2025 को एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने आईएनएसवी तारिणी पर सवार चालक दल से बातचीत की, जो उत्तरी गोलार्द्ध को पार कर अपनी परिक्रमा के अंतिम चरण में वापस लौट रही है।'' उन्होंने कहा, ''नौसेना प्रमुख ने उनके उत्कृष्ट कौशल और टीम भावना की प्रशंसा की और भारतीय नौसेना को हो रही गर्व की अनुभूति से उन्हें अवगत कराया।'' नौसेना ने अपनी पोस्ट में एडमिरल त्रिपाठी की चालक दल से बातचीत की क्लिप भी साझा की। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''पिछले आठ महीने में आपने हमें, नौसेना को और देश का गौरवान्वित किया है। यह यात्रा अभूतपूर्व है।'' उन्होंने दोनों महिला अधिकारियों का आह्वान किया कि सतर्क रहें, निगरानी रखें और सभी सावधानी बरतें। नौसेना प्रमुख ने कहा, ''जब तक यात्रा समाप्त नहीं हो जाती तब तक इसे पूरा नहीं माना जा सकता।'' उन्होंने कहा कि नौसेना का परिवार उनके घर पहुंचने पर उनका स्वागत करने को उत्सुक है।

वार्षिक वेतन वृद्धि तिथि से एक दिन पहले सेवानिवृत्त केंद्रीय कर्मचारी सांकेतिक वेतन वृद्धि के हकदार

नयी दिल्ली, (भाषा) अपनी वार्षिक वेतन वृद्धि तिथि से एक दिन पहले सेवानिवृत्त होने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारी उन्हें मिलने वाली पेंशन की गणना के उद्देश्य से सांकेतिक वेतन वृद्धि पाने के पात्र होंगे। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। यह कदम इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद उठाया गया है। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, ''यह सलाह दी जाती है कि उच्चतम न्यायालय के 20 फरवरी 2025 के आदेश के अनुसरण में, उन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को एक जुलाई या एक जनवरी को वेतन वृद्धि की अनुमति देने के लिए कार्रवाई की जाए, जो देय होने से एक दिन पहले यानी 30 जून/ 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए या सेवानिवृत्त हो रहे हैं और जिन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति की तिथि तक संतोषजनक कार्य और अच्छे आचरण के साथ अपेक्षित अर्हक सेवा प्रदान की है, ताकि उन्हें स्वीकार्य पेंशन की गणना की जा सके।'' मौजूदा नियम कर्मचारियों को एक जुलाई या एक जनवरी को अपनी वेतन वृद्धि तिथि चुनने की अनुमति देते हैं। मंगलवार को जारी आदेश में कहा गया है कि जैसा कि उच्चतम न्यायालय के आदेशों में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है, ''एक जनवरी या एक जुलाई को दी गई सांकेतिक वेतन वृद्धि को केवल स्वीकार्य पेंशन की गणना के उद्देश्य से ही गिना जाएगा, न कि अन्य पेंशन लाभों की गणना के उद्देश्य से।'' उच्चतम न्यायालय के एक अन्य निर्देश का हवाला देते हुए मंत्रालय ने कहा कि एक मई 2023 को और उसके बाद एक वेतन वृद्धि देय होगी। सभी केंद्रीय मंत्रालयों को जारी आदेश में कहा गया है कि 30 अप्रैल, 2023 से पहले की अवधि के लिए बढ़ी हुई पेंशन का भुगतान नहीं किया जाएगा। केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों के कल्याण के लिए काम कर रहे अखिल भारतीय एनपीएस कर्मचारी महासंघ ने इस निर्णय का स्वागत किया तथा केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह पटेल ने सरकार से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत एकीकृत पेंशन योजना का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को भी सांकेतिक वेतन वृद्धि का लाभ देने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शेरों की संख्या बढ़ने पर खुशी प्रकट की

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में शेरों की संख्या बढ़ने पर बुधवार को खुशी प्रकट करते हुए कहा कि 'शेर परियोजना' ने इस जानवर के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की। वह गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा 'एक्स' पर किये गये उस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने (पटेल ने) कहा था कि राज्य में शेरों की संख्या बढ़कर 891 हो गई है। मोदी ने कहा, ''यह बहुत उत्साहवर्धक जानकारी है। यह जानकर खुशी हुई कि शेर परियोजना के तहत किए जा रहे प्रयासों से उन्हें (शेरों को) अनुकूल वातावरण मिल रहा है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है।''

बानू मुश्ताकः वकील, कन्नड़ लेखिका, नारीवादी और अब अंतरराष्ट्रीय बुकर विजेता

नयी दिल्ली, (भाषा) कन्नड़ लघु कथा संग्रह 'हृदय दीप' (हार्ट लैंप) के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित लेखिका बानू मुश्ताक ने अपनी कहानियों में अपने आसपास की महिलाओं के जीवन और पितृसत्तात्मक व्यवस्था के खिलाफ उनकी लड़ाई को गहराई से चित्रित किया है। एक वकील, नारीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता बानू मुश्ताक को जब अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार दिया गया तो वह साहित्य जगत में सुर्खियां बन गईं। मुश्ताक ने मंगलवार रात 'टेट मॉडर्न' में एक समारोह में अपनी इस रचना की अनुवादक दीपा भास्ती के साथ पुरस्कार प्राप्त किया। मुश्ताक ने अपनी इस जीत को विविधता की जीत बताया है। मुश्ताक का यह लघु कथा संग्रह अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार हासिल करने वाला पहला कन्नड़ लघु कथा संग्रह बन गया। मुश्ताक की 12 लघु कहानियों का संग्रह दक्षिण भारत के पितृसत्तात्मक समुदायों में महिलाओं और लड़कियों के रोजमर्रा के जीवन का वृत्तांत प्रस्तुत करता है। 'हार्ट लैंप' यह पुरस्कार प्राप्त करने वाला पहला लघु कथा संग्रह भी है। इसमें 77 वर्षीय मुश्ताक की 1990 से लेकर 2023 तक 30 साल से अधिक समय में लिखी कहानियां हैं। मुश्ताक की किताबों में पारिवारिक और सामुदायिक तनावों का चित्रण किया गया है और उनके लेख ''महिलाओं के अधिकारों के लिए उनके अथक प्रयासों और सभी प्रकार के जातिगत और धार्मिक उत्पीड़न का विरोध करने के उनके प्रयासों की गवाही देते हैं''। कर्नाटक के हासन में रहने वाली महिला अधिकार कार्यकर्ता बानू जाति और वर्ग व्यवस्था की आलोचना करने वाले बंदया साहित्यिक आंदोलन के दौरान प्रमुखता से उभरीं। हासन में जन्मी बानू मुश्ताक ने कानून की डिग्री लेने से पहले कुछ समय तक लंकेश पत्रिका के साथ पत्रकार के रूप में भी काम किया था।

मीरवाइज ने जम्मू कश्मीर सरकार से युवाओं के अधिकारों के लिए खड़े होने का आग्रह किया

श्रीनगर, (भाषा) हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर सरकार से उन युवाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाने का आग्रह किया, जिन्हें अतीत में अवैध गतिविधियों के लिए जेल की सजा काटने के बाद भी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर परेशान किया जा रहा है। मीरवाइज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि उन कुछ युवाओं के परिवारों, जिन्हें परेशान किया जा रहा था, ने उनसे संपर्क किया और कहा कि वे ''व्यथित'' महसूस कर रहे थे। मीरवाइज ने कहा, ''कश्मीरियों की बार–बार गिरफ्तारी – जिनमें से कई अपनी सजा पूरी कर चुके हैं – से न्याय नहीं होता। युवाओं को निशाना बनाया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के परिवार वाले परेशान होकर मेरे पास आए हैं।'' मीरवाइज ने कहा, ''इस तरह के उत्पीड़न से घाव और गहरे होते हैं और लोगों में अविश्वास और गुस्सा बढ़ता है। अधिकारियों से इस दंडात्मक दृष्टिकोण को समाप्त करने का आग्रह करें।'' हुर्रियत प्रमुख ने यह भी कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू कश्मीर सरकार कथित उत्पीड़न के मामले में मूकदर्शक नहीं बनी रह सकती। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि मूकदर्शक नहीं बने रह सकते, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोगों के बुनियादी अधिकार बरकरार रहें।''

झारखंड में टीएसी की बैठक का बहिष्कार करेगी भाजपाः चंपई सोरेन

जमशेदपुर, (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने मंगलवार को कहा कि पार्टी ने जनजातीय सलाहकार समिति (टीएसी) की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है, क्योंकि झामुमो–नीत सरकार ने कथित तौर पर परंपरा की अवहेलना की है। यह बैठक बुधवार को रांची में होने वाली है। सोरेन ने कहा, ''झारखंड के राज्यपाल की अध्यक्षता में टीएसी गठित करने की परंपरा रही है, लेकिन राज्य सरकार ने इस परंपरा की अवहेलना की है। इसलिए भाजपा ने इसका बहिष्कार करने का फैसला किया है।'' जनजातीय समिति आमतौर पर मूल निवासियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करती है। भाजपा विधायक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यद्यपि समिति का गठन जनजातीय समुदायों के हित में निर्णय लेने और सरकार को सलाह देने के लिए किया गया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ''ऐसी बैठकों में कोई महत्वपूर्ण परिणाम नहीं निकला है''। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास ''जनजातीय समिति में बहुमत का प्रतिनिधित्व है। फिर भी, आदिवासी समाज के कई मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं, जो सरकार के अनिर्णायक रवैये को दर्शाता है।'' सोरेन ने दावा किया, ''निर्धारित टीएसी बैठक का पहला एजेंडा आदिवासी बहुल गांवों में शराब की दुकानें और बार खोलने के लिए लाइसेंस प्रदान करना है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने अपना सामाजिक जीवन नशारोधी अभियान से शुरू किया है। इसलिए मैं बैठक में शामिल नहीं हो सकता, क्योंकि शराब की दुकानें खोलने की अनुमति दी जाएगी।'' सोरेन ने आशंका व्यक्त की कि इस तरह के कदम से झारखंड की युवा पीढ़ी नशे के दलदल में फंस जाएगी।

बोरियत खराब मानी जाती है, लेकिन विज्ञान कहता है कि यह लाभकारी हो सकती है

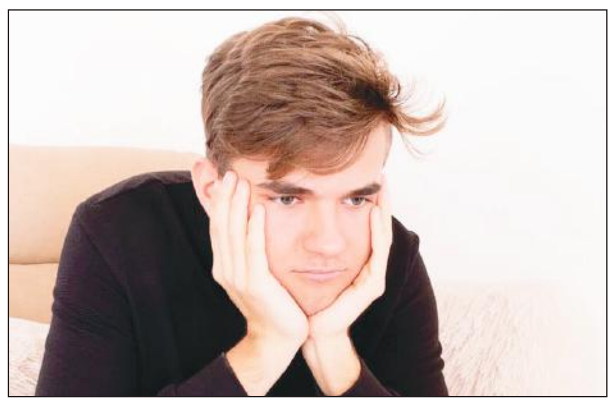

सनशाइन कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया), (द कन्वरसेशन) हम सभी ने उदासी और उबाऊ स्थितियों का सामना किया है जिसमें रुचियों को लेकर उदासीनता की स्थिति होती है और मानसिक प्रोत्साहन कम हो जाता है। अंततः जब हमारा ध्यान भटक जाता है तो हम विरक्त से हो जाते हैं। समय धीरे–धीरे बीतता हुआ प्रतीत होता है, और हम बेचैनी भी महसूस करने लगते हैं। चाहे वह कोई ऐसी फिल्म देखना हो जो निराश करती हो, कोई बच्चा शिकायत करता हो कि ''करने के लिए कुछ नहीं है'', या कोई वयस्क बैठक के दौरान ध्यान न दे रहा हो। कुल मिलाकर बोरियत एक सार्वभौमिक अनुभव है। सामान्यतः उबाऊपन या बोरियत को किसी वर्तमान गतिविधि में ध्यान या रुचि बनाए रखने में कठिनाई के रूप में परिभाषित किया जाता है और इसे आमतौर पर एक नकारात्मक स्थिति के रूप में देखा जाता है, जिसे हमें अनुभव करने से बचने या रोकने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन क्या होगा अगर बोरियत को सकारात्मक स्थिति के रूप में देखने का कोई और तरीका हो? क्या बोरियत को अपनाना सीखना फायदेमंद हो सकता है? मस्तिष्क का तंत्र परस्पर जुड़े क्षेत्रों की एक प्रणाली है जो विभिन्न कार्यों का समर्थन करने के लिए एक साथ काम करते हैं। हम इसकी तुलना एक ऐसे शहर से कर सकते हैं जहां उपनगर (मस्तिष्क क्षेत्र) सड़कों (तंत्रिका मार्ग) से जुड़े हुए हैं, सभी मिलकर काम कर रहे हैं ताकि सूचना कुशलतापूर्वक यात्रा कर सके। जब हम ऊब जाते हैं – मान लीजिए, किसी फिल्म को देखते समय बोर हो जाते हैं तो हमारा मस्तिष्क विशिष्ट तंत्र को सक्रिय करता है। ध्यान देने वाला तंत्र ध्यान हटने के तरीकों को हटाते हुए प्रासंगिक उत्तेजनाओं को प्राथमिकता देता है और जब हम फिल्म शुरू करते हैं तो यह सक्रिय होता है। हालांकि, जैसे–जैसे हमारा ध्यान कम होता जाता है, ध्यान नेटवर्क में गतिविधि कम होती जाती है, जो कि ध्यान न देने वाली सामग्री पर ध्यान केंद्रित करने की हमारी कम होती क्षमता को दर्शाता है। इसी तरह, ध्यान न देने वाली फिल्म के साथ जुड़ाव बनाए रखने के संघर्ष के कारण 'फ्रंटोपेराइटल' या कार्यकारी नियंत्रण नेटवर्क में गतिविधि कम होती है। साथ ही, स्वतः ही ऐसा तंत्र सक्रिय होता है, जो हमारा ध्यान आंतरिक विचारों और आत्म–प्रतिबिंब की ओर ले जाता है। यह 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' का एक मुख्य कार्य है, जिसे आत्मनिरीक्षण कहा जाता है, और इसमें बोरियत से निपटने की रणनीति सुझाई जाती है।

बोरियत बनाम अतिउत्तेजना : हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जिसमें हम सूचनाओं के बोझ और उच्च तनाव से दबे होते हैं। इसी तरह, हममें से कई लोगों ने भागदौड़ वाली जीवनशैली अपना ली है, खुद को व्यस्त रखने के लिए लगातार कार्यक्रम तय करते रहते हैं। वयस्क होने पर हम काम और परिवार के बीच संतुलन बनाते हैं। अगर हमारे बच्चे हैं, तो दिन में स्कूल और स्कूल के बाद की गतिविधियों की आदत हमें लंबे समय तक काम करने की अनुमति देती है। इन गतिविधियों के बीच, अगर हमारे पास विराम का समय है, तो हम अपनी स्क्रीन पर लगातार अपडेट या स्क्रॉल कर सकते हैं, ताकि बस व्यस्त रहें। नतीजतन, वयस्क अनजाने में युवा पीढ़ी को लगातार 'चालू' रहने की आवश्यकता का मॉडल बनाते हैं। यह निरंतर उत्तेजना महंगी पड़ सकती है – विशेष रूप से हमारे तंत्रिका तंत्र के लिए। बोरियत की स्थिति को खत्म करने से हम अपने सहानुभूति तंत्रिका तंत्र को रीसेट करने के एक सरल और प्राकृतिक तरीके से वंचित हो जाते हैं।

क्या बोरियत हमारे लिए अच्छी हो सकती है? : थोड़ी मात्रा में उबाऊपन उस अति उत्तेजित दुनिया के लिए आवश्यक संतुलन कारक है जिसमें हम रहते हैं। यह हमारे तंत्रिका तंत्र और हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अद्वितीय लाभ प्रदान कर सकता है। यह बोरियत की लंबी अवधि के विपरीत है जहां बढ़ी हुई डिफॉल्ट मोड नेटवर्क गतिविधि अवसाद से जुड़ी हो सकती है। कभी–कभी खुद को बोर होने की अनुमति देने के कई लाभ हैं। इनमें रचनात्मकता में सुधार, अपने विचारों में 'प्रवाह' बनाने देना, सोचने में स्वतंत्रता विकसित करना और निरंतर बाहरी सूचना पर निर्भर रहने के बजाय अन्य रुचियों को खोजने के लिए प्रोत्साहित होना शामिल है।

(मिशेल केनेडी और डेनियल हरमेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ सनशाइन कोस्ट)

योग दिवस पर पांच लाख प्रतिभागियों की रिकॉर्ड भागीदारी का लक्ष्यः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री

अमरावती, (भाषा) आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशाखापत्तनम में रिकॉर्ड संख्या में प्रतिभागियों को शामिल करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में विशाखापत्तनम में पांच लाख प्रतिभागी और पूरे राज्य में लगभग दो करोड़ लोग शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विशाखापत्तनम में योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। मुख्यमंत्री ने उंडावल्ली में अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश योग दिवस के माध्यम से इतिहास में एक नया अध्याय शुरू करने जा रहा है, जो आज से एक महीने बाद होने वाला है। नायडू ने कहा, ''यह (योग) भारत द्वारा दुनिया को दिया गया उपहार है। योग हमारी दीर्घकालिक विरासत है, लेकिन इसे विश्वव्यापी पहचान दिलाने वाले व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।'' मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जैसे कुछ लोग गीत लिखने में, कुछ चित्रकारी में और अन्य प्रतिभाओं में प्रतिभाशाली होते हैं, वैसे ही योग के प्रति जागरुक लोग अपनी रचनात्मकता का उपयोग करें और इसे बढ़ावा देने के लिए कार्य करें।

शहीदों के सम्मान में उत्तर प्रदेश सरकार शुरू करेगी अनोखा हरित अभियान

लखनऊ, (भाषा) पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरे राज्य में 'शौर्य वन' सहित प्रेरणादायक और विषयगत वनों की एक श्रृंखला स्थापित करने की तैयारी में है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गयी। राज्य के वन विभाग की ओर से बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, इस अभियान के तहत देश के शहीदों और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में हर जिले में 'शौर्य वन' विकसित किया जाएगा। बयान के मुताबिक ये वन न केवल हरित क्षेत्र के रूप में काम करेंगे, बल्कि आम लोगों के लिए प्रेरणादायी स्थलों और राष्ट्रीय नायकों के लिए श्रद्धांजलि स्थल के रूप में भी पहचाने जाएंगे। इसके अलावा राज्य में कई अन्य अनूठे एवं विशिष्ट वन भी स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिनमें से प्रत्येक वन किसी प्रख्यात हस्ती अथवा किसी उद्देश्य को समर्पित होगा। बयान के अनुसार इस क्रम में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रदेश में 'अटल वन' स्थापित किया जाएगा।

पुराने दर्द के लिए औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी, लेकिन क्या यह कारगर है?

मेलबर्न, (द कन्वरसेशन) ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि। वर्ष 2016 में विनियामक परिवर्तनों के बाद से औषधीय भांग को अधिक सुलभ बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने 7,00,000 से अधिक अनुमोदन जारी किए हैं इनमें से लगभग आधे अनुमोदन ऐसे पुराने दर्द के लिए हैं जो कैंसर के कारण नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु का पांच में से एक व्यक्ति क्रॉनिक दर्द (पुराने दर्द) से पीड़ित है जिसका लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

तो फिर वर्तमान साक्ष्य हमें पुराने दर्द के लिए औषधीय भांग की प्रभावशीलता के बारे में क्या बताते हैं? : 32 नियंत्रित परीक्षणों की समीक्षा की गई जिसमें पुराने दर्द से पीड़ित लगभग 5,200 लोग शामिल थे। इसमें औषधीय भांग या कैनाबिनोइड्स के प्रभावों की जांच की गई। अध्ययन में प्लेसबो की तुलना में दर्द और शारीरिक कार्यप्रणाली में थोड़ा सुधार पाया गया। इसका मतलब यह नहीं है कि औषधीय भांग से कोई लाभ नहीं है। हां यह जरूर है कि लाभ कम संख्या में लोगों तक सीमित है। दर्द चिकित्सा संकाय, जो विशेषज्ञ दर्द चिकित्सकों के प्रशिक्षण और शिक्षा के लिए समर्पित पेशेवर निकाय है ने सिफारिश की है कि औषधीय भांग को नैदानिक परीक्षणों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए।

नियामक क्या कहता है? : ऑस्ट्रेलिया के नियामक 'थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन' (टीजीए) ने 'क्रॉनिक नॉन–कैंसर' दर्द के लिए औषधीय भांग पर दिए गए मार्गदर्शन में इन अनिश्चितताओं को दर्शाया है। टीजीए का कहना है कि इस बात के सीमित प्रमाण हैं कि औषधीय भांग कई प्रकार के दर्द में कोई खास राहत पहुंचाती है। इसलिए, संभावित लाभ बनाम नुकसान के संबंध में प्रत्येक रोगी के हिसाब से आकलन किया जाना चाहिए।

उन लोगों के बारे में क्या जो कहते हैं कि इससे मदद मिलती है? : यह सबूत उन लोगों के अनुभवों से भिन्न लग सकता है जो औषधीय भांग से राहत मिलने की बात कहते हैं। नैदानिक परीक्षण में यह आम है कि लोग भिन्न भिन्न जबाव दें क्योंकि जिस प्रकार से हर व्यक्ति की सेहत अलग होती है उन पर दवा का असर भी अलग होता है। शोध से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि ज़्यादातर लोगों के लिए क्या नतीजे सामान्य या अपेक्षित हैं, लेकिन इनमें भिन्नता भी है। कुछ लोगों को लग सकता है कि औषधीय भांग उनकी दर्द, नींद या सामान्य स्वास्थ्य में सुधार करता है – खासकर अगर अन्य उपचारों से मदद नहीं मिली हो तो।

इसके साइड इफ़ेक्ट और जोखिम क्या हैं? : किसी भी दवा की तरह औषधीय भांग के भी संभावित साइड इफ़ेक्ट या दुष्प्रभाव होते हैं। ये आम तौर पर हल्के से मध्यम होते हैं, जिनमें नींद आना या बेहोशी, चक्कर आना, एकाग्रता में कमी, मुंह सूखना, मतली आदि शामिल हैं। यदि आप औषधीय भांग के इस्तेमाल पर विचार कर रहे हैं तो अपने चिकित्सक से इस पर बात करें खासतौर पर वह जो आपके पूर्ण चिकित्सा इतिहास से परिचित हो, ताकि आपको अपने दर्द कम करने में मदद करने के लिए सर्वोत्तम तरीकों का निर्णय लेने में मदद मिल सके।

(सुजैन नीलसन और मायफैनवी ग्राहम, मोनाश यूनिवर्सिटी)

मेरा लक्ष्य 20वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना: ब्रिटिश पर्वतारोही

काठमांडू, (एपी) दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट को 19 बार फतेह कर चुके ब्रिटिश पर्वतारोही केंटन कूल मंगलवार को शिखर से नीचे उतरे और कहा कि उन्होंने अपने 20वें अभियान के लिये योजना पर काम शुरू कर दिया है। कूल सबसे ज्यादा बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की उपलब्धि हासिल करने वाले गैर शेरपा गाइड हैं। दक्षिण–पश्चिम इंग्लैंड के 51 वर्षीय कूल ने रविवार को 8,849 मीटर ऊंची चोटी पर चढ़ने के बाद हेलीकॉप्टर से नेपाल की राजधानी काठमांडू के लिए उड़ान भरी। कूल ने मंगलवार को काठमांडू के हवाई अड्डे पर कहा, "मैं अब 51 साल का हो गया हूं और 2004 से एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए यहां आ रहा हूं।" उन्होंने कहा, "अगले साल के लिए मेरे पास कम से कम एक और चढ़ाई का अवसर है – शायद 20 या फिर 21 (कुल)। उसके बाद मैं नेपाल में अन्य पहाड़ों पर चढ़ना शुरू करूंगा।" कूल ने 2004 से लगभग हर वर्ष माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की है। वर्ष 2014 में वह इस पर्वत शिखर पर चढ़ने में असमर्थ रहे थे, क्योंकि हिमस्खलन में 16 शेरपा गाइड की मृत्यु हो जाने के कारण सीजन रद्द कर दिया गया था तथा वर्ष 2015 में भी भूकंप के कारण हिमस्खलन हुआ था, जिसमें 19 लोग मारे गए थे। कोरोनावायरस महामारी के कारण 2020 का चढ़ाई प्रक्रिया रद्द कर दी गयी थी। नेपाली शेरपा गाइड ही कूल से ज्यादा बार चोटी पर चढ़े हैं। कामी रीता के नाम माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा 30 बार चढ़ने का रिकॉर्ड है। वह अभी पहाड़ पर हैं और उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में वह चोटी पर पहुंचने की कोशिश करेंगे।

रुपया 21 पैसे टूटकर 85.63 प्रति डॉलर पर

मुंबई, (भाषा) घरेलू बाजारों में कमजोर रुख के बीच रुपया मंगलवार को 21 पैसे टूटकर 85.63 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड प्रतिफल में हालिया उछाल राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों पर बढ़ती चिंताओं को दर्शाता है, जिससे कर्ज की लागत बढ़ रही है। विदेशी पूंजी की निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी रुपये पर दबाव पड़ा। हालांकि, अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी ने गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.47 प्रति डॉलर पर खुला। दिन में इसने डॉलर के मुकाबले 85.39 के उच्च और 85.65 के निचले स्तर के बीच कारोबार किया। अंत में डॉलर के मुकाबले रुपये 85.63 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को 15 पैसे की बढ़त के साथ 85.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, '' विदेशी पूंजी की निकासी और कमजोर घरेलू बाजारों के कारण रुपये के नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करने की आशंका है। हालांकि, अमेरिकी डॉलर सूचकांक में गिरावट से रुपये को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर–भारतीय रुपये का हाजिर भाव 85.30 से 85.90 के बीच रहने के आसार हैं। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.23 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 872.98 अंक की गिरावट के साथ 81,186.44 अंक पर जबकि निफ्टी 261.55 अंक फिसलकर 24,683.90 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.45 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 525.95 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज, श्री लोटस डेवलपर्स सहित सात कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

नयी दिल्ली, (भाषा) शिक्षा ऋण देने वाली कंपनी क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज, श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी और यूरो प्रतीक सहित सात कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके अलावा कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स, जारो इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च, जेसन्स इंडस्ट्रीज और जेम एरोमैटिक्स के आईपीओ को भी सेबी की मंजूरी मिली है। इन सभी कंपनियों ने कुल मिलाकर कम से कम 3,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य बनाया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड को अक्टूबर, 2024 और जनवरी, 2025 के बीच इन कंपनियों से आईपीओ दस्तावेज मिले थे। क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को पहले एचडीएफसी क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज के नाम से जाना जाता था। कंपनी ने दिसंबर में दस्तावेजों का मसौदा दाखिल किया था, हालांकि इसके विवरण सार्वजनिक नहीं है। बॉलीवुड स्टार और प्रसिद्ध निवेशक आशीष कचोलिया समर्थित श्री लोटस डेवलपर्स आईपीओ के जरिये 792 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। यूरो प्रतीक ने 730 करोड़ रुपये का सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बनाई है।

यूरोपीय संघ ने रूस के 'छद्म बेड़ों' को रोकने के लिये नये प्रतिबंधों को मंजूरी दी

ब्रसेल्स, यूरोपीय संघ ने मंगलवार को रूस पर नए प्रतिबंध लगाने पर सहमति व्यक्त की है। इन प्रतिबंधों में विशेष रूप से यूक्रेन से युद्ध के दौरान लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने के लिए अवैध रूप से तेल परिवहन कर रहे रूसी 'छद्म बेड़े' के लगभग 200 जहाजों को निशाना बनाया गया। नए प्रतिबंधों के तहत 27 देशों के इस संगठन ने कुल 189 जहाजों को निशाना बनाया है, कई संपत्तियों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है तथा कई अधिकारियों पर यात्रा प्रतिबंध एवं रूसी कंपनियों पर बंदिशें लगा दी हैं। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों ने ब्रसेल्स में इन कदमों पर मुहर लगायी। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर "पुतिन शांति में रुचि लेने का दिखावा कर रहे हैं, ऐसे में उन पर और प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। रूस की कार्रवाइयों और रूस को सक्षम बनाने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।" रूस अपने जहाजों के 'छद्म बेड़े' का इस्तेमाल तेल और गैस की ढुलाई या चोरी किए गए यूक्रेनी अनाज को ले जाने के लिए करता है। यूरोपीय संघ ने अब कुल मिलाकर लगभग 350 जहाजों को निशाना बनाया है।

वारबर्ग पिन्कस की इकाई के निदेशक की नियुक्ति से संबंधित मामले को सुलझा लेंगे : आईडीएफसी फर्स्ट बैंक

नयी दिल्ली, (भाषा) आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसे वैश्विक निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिन्कस की इकाई द्वारा निदेशक की नियुक्ति से संबंधित मामले के सुलझने का भरोसा है। इस नियुक्ति को शेयरधारकों ने मंजूरी नहीं दी थी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरधारकों ने बैंक के निदेशक मंडल में वारबर्ग पिंन्कस की इकाई करंट सी इन्वेस्टमेंट्स बी वी के एक गैर–कार्यकारी निदेशक को नामित करने के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, '' कंपनी गठन के नियमों में निदेशक को नामित करने के अधिकार के संबंध में (जिसे अपेक्षित बहुमत प्राप्त नहीं है) हमें विश्वास है कि हम इस मामले को सुलझा लेंगे और हम साथ ही अन्य शेष विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं।'' आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के निदेशक मंडल ने पिछले महीने निवेशक वारबर्ग पिन्कस एलएलसी की सहयोगी कंपनी करंट सी इन्वेस्टमेंट्स बी वी को लगभग 4,876 करोड़ रुपये के तरजीही इक्विटी निर्गम को मंजूरी दी थी। इसके बाद, बैंक ने बैंक के गठन के नियमों एवं शर्तों में संशोधन करने के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से शेयरधारकों की अनुमति मांगी।

भारत, अन्य ब्रिक्स देशों ने कम कार्बन वाली ऊर्जा के लिए रियायती वित्तपोषण बढ़ाने की मांग रखी

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत और अन्य ब्रिक्स देशों ने मिलकर विकसित देशों से रियायती और कम लागत वाले वित्तपोषण को बढ़ाने का आह्वान किया है। इसका उद्देश्य उभरते देशों को कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने में मदद करना है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ब्राजील में ब्रिक्स समूह के ऊर्जा मंत्रियों की 19 मई को शुरू हुई बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे हैं। बिजली मंत्रालय की तरफ से मंगलवार को जारी बयान के मुताबिक, इस बैठक में ब्रिक्स देशों के मंत्रियों ने हरेक देश का ऊर्जा बदलाव पथ निर्धारित करने के अधिकार पर जोर दिया और सभी ऊर्जा स्रोतों के कुशल उपयोग की वकालत की। उन्होंने स्थायी ऊर्जा अवसंरचना को बढ़ावा देने में स्थानीय मुद्रा वित्तपोषण के माध्यम से नव विकास बैंक (एनडीबी) की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। बयान के मुताबिक, ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों ने खुले, निष्पक्ष और गैर–भेदभावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों का समर्थन किया और बिजली के व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को प्रोत्साहित किया। मनोहर लाल ने बैठक के दौरान वैश्विक ऊर्जा मिश्रण में विकासशील देशों के लिए जीवाश्म ईंधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने पिछले दशक में ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि देश ने 2025 तक अपनी बिजली क्षमता को 90 प्रतिशत बढ़ाकर 475 गीगावाट तक पहुंचाया है और 2032 तक इसे 900 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। बिजली मंत्री ने कहा कि भारत एक घरेलू कार्बन क्रेडिट बाजार शुरू कर रहा है और वैश्विक स्तर पर इच्छुक खिलाड़ियों को सहयोग के लिए आमंत्रित कर रहा है। बयान के मुताबिक, इस बैठक में शामिल मंत्रियों ने कोयला गैसीकरण, कार्बन कटौती और भंडारण जैसी प्रौद्योगिकियों के जरिये उनके स्वच्छ और कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अधिक सहयोग का आग्रह किया। मंत्रियों ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें सार्वभौमिक बिजली पहुंच, स्वच्छ खाना पकाने और ऊर्जा विपन्नता से निपटना शामिल है।

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया हरियाणा में नया संयंत्र लगाएगी, 1,200 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश

मुंबई, (भाषा) दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने हरियाणा के खरखौदा में एक विनिर्माण संयंत्र की मंगलवार को आधारशिला रखी। इस संयंत्र का विकास 1,200 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से किया जाएगा। कंपनी के बयान के अनुसार, आईएमटी खरखौदा एचएसआईआईडीसी औद्योगिक टाउनशिप में स्थित और 100 एकड़ भूमि में फैला नया विनिर्माण संयंत्र पहले चरण में सालाना 7.5 लाख दोपहिया वाहनों का उत्पादन करने की क्षमता रखता है। यह बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के साथ–साथ स्थानीय विकास एवं रोजगार सृजन में सहायता करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने कहा कि संयंत्र का परिचालन 2027 में शुरू होगा, जिससे भारत में एसएमआईपीएल की उत्पादन क्षमता में और वृद्धि होगी। चालू हो जाने पर यह करीब 2,000 लोगों को रोजगार प्रदान करेगा। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमपीएल) के प्रबंध निदेशक केनिची उमेदा ने कहा, '' आईएमटी खरखौदा में अपनी सुविधा स्थापित कर हम क्षेत्र के विकास में योगदान करने, रोजगार पैदा करने और औद्योगिक प्रगति के लिए सरकार के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए तत्पर हैं।'' उन्होंने कहा कि इसके साथ ही खरखौदा संयंत्र कंपनी को अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने, अपने डीलर भागीदारों को सहयोग देने तथा आपूर्तिकर्ताओं के साथ सहयोग को मजबूत करने में मदद करेगा।

जेएलआर ने तीन–चार साल में भारतीय कारोबार दोगुना करने का लक्ष्य रखा

गेडॉन (ब्रिटेन), (भाषा) टाटा समूह की लक्जरी वाहन कंपनी जेएलआर का लक्ष्य अगले तीन–चार वर्ष में भारत में अपना कारोबार दोगुना करने का है। जगुआर–लैंड रोवर (जेएलआर) इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि यह लक्ष्य उत्पादों के विस्तार और बिक्री नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से हासिल किया जाएगा। जेएलआर इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष 2024–25 में 6,183 इकाइयों की खुदरा बिक्री के साथ 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो अब तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कंपनी का मानना है कि भारत में लक्जरी कारों की मांग तेजी से बढ़ रही है और जेएलआर इस मांग को पूरा करने की कोशिश कर रही है। अंबा ने कहा कि अगले तीन–चार वर्षों में बिक्री की मात्रा और राजस्व दोनों के संदर्भ में कारोबार दोगुना होने की उम्मीद है। कंपनी 2030 तक भारत में अपने बिक्री नेटवर्क को दोगुना करके लगभग 50 आउटलेट तक पहुंचाने की योजना बना रही है। इस दौरान राजकोट, गोवा और नागपुर जैसे नए शहरों में डीलरशिप खोली जाएंगी। जेएलआर भारत में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) और परंपरागत इंजन वाले दोनों तरह के मॉडल उतारने की तैयारी में है। इनमें रेंज रोवर बीईवी, डिफेंडर ऑक्टा ब्लैक और डिफेंडर ट्रॉफी जैसे मॉडल शामिल हैं। जेएलआर का मानना है कि भारत में धन सृजन, उद्यमिता में वृद्धि और 'मेक इन इंडिया' पहल के कारण लक्जरी कार बाजार का आकार अगले चार–पांच वर्षों में दोगुना हो सकता है। कंपनी अपने चार ब्रांड जगुआर, रेंज रोवर, डिस्कवरी और डिफेंडर के लिए अलग–अलग विकास रणनीतियों पर भी काम कर रही है। यह रणनीति जेएलआर को भारतीय बाजार में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखने में मदद करेगी।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल में सुस्त पड़कर 0.5 प्रतिशत पर, आठ माह का निचला स्तर

नयी दिल्ली, (भाषा) देश में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन अप्रैल में सुस्त पड़कर आठ माह के निचले स्तर 0.5 प्रतिशत पर आ गया। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। एक साल पहले की समान अवधि में इन प्रमुख उद्योगों में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। वहीं मार्च, 2025 में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 4.6 प्रतिशत बढ़ा था। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल, 2025 में कच्चे तेल, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक क्षेत्रों के उत्पादन में गिरावट आई। इससे पहले कम वृद्धि दर अगस्त, 2024 में दर्ज की गई थी। उस समय इन बुनियादी क्षेत्रों के उत्पादन में 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने यूरेनियम संवर्द्धन पर अमेरिका के रुख को खारिज किया

तेहरान, (एपी) ईरान के सर्वोच्च नेता ने मंगलवार को देश के परमाणु कार्यक्रम की अमेरिकी आलोचना का जवाब देते हुए कहा कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन के लिए किसी से अनुमति नहीं लेगा। उन्होंने अमेरिका के बयानों को ''बकवास'' करार दिया। अयातुल्ला अली खामेनेई ने दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''वे कहते हैं, हम ईरान को यूरेनियम संवर्धन की अनुमति नहीं देंगे। यह बिल्कुल गलत है।'' रईसी की पिछले साल हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। खामेनेई ने कहा, ''ईरान में कोई भी उनकी (अमेरिकी) अनुमति का इंतजार नहीं कर रहा है। इस्लामी गणराज्य की अपनी नीतियां और दिशाएं हैं – और वह उन पर कायम रहेगा।'' खामेनेई की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब ईरान और अमेरिका के बीच कथित तौर पर अप्रत्यक्ष वार्ता जारी है, हालांकि उन्होंने इसके परिणाम के बारे में संदेह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''हां, रईसी के समय में भी अप्रत्यक्ष वार्ता हुई थी, ठीक वैसे ही जैसे अभी हो रही है। लेकिन वह कहीं नहीं पहुंची – और हम मौजूदा वार्ताओं से भी बहुत उम्मीद नहीं करते हैं। कौन जानता है कि क्या होगा।'' उनकी टिप्पणी ठप्प पड़ी परमाणु वार्ताओं के कारण तेहरान की बढ़ती हताशा और व्यापक तनाव को दर्शाती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' को बताया कि ''अगले दौर की वार्ता के बारे में कोई निश्चित निर्णय नहीं लिया गया है।'' 'इरना' की खबर के अनुसार, उप विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान को वाशिंगटन के साथ अगले दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता के संबंध में एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है तथा वह इसकी समीक्षा कर रहा है।

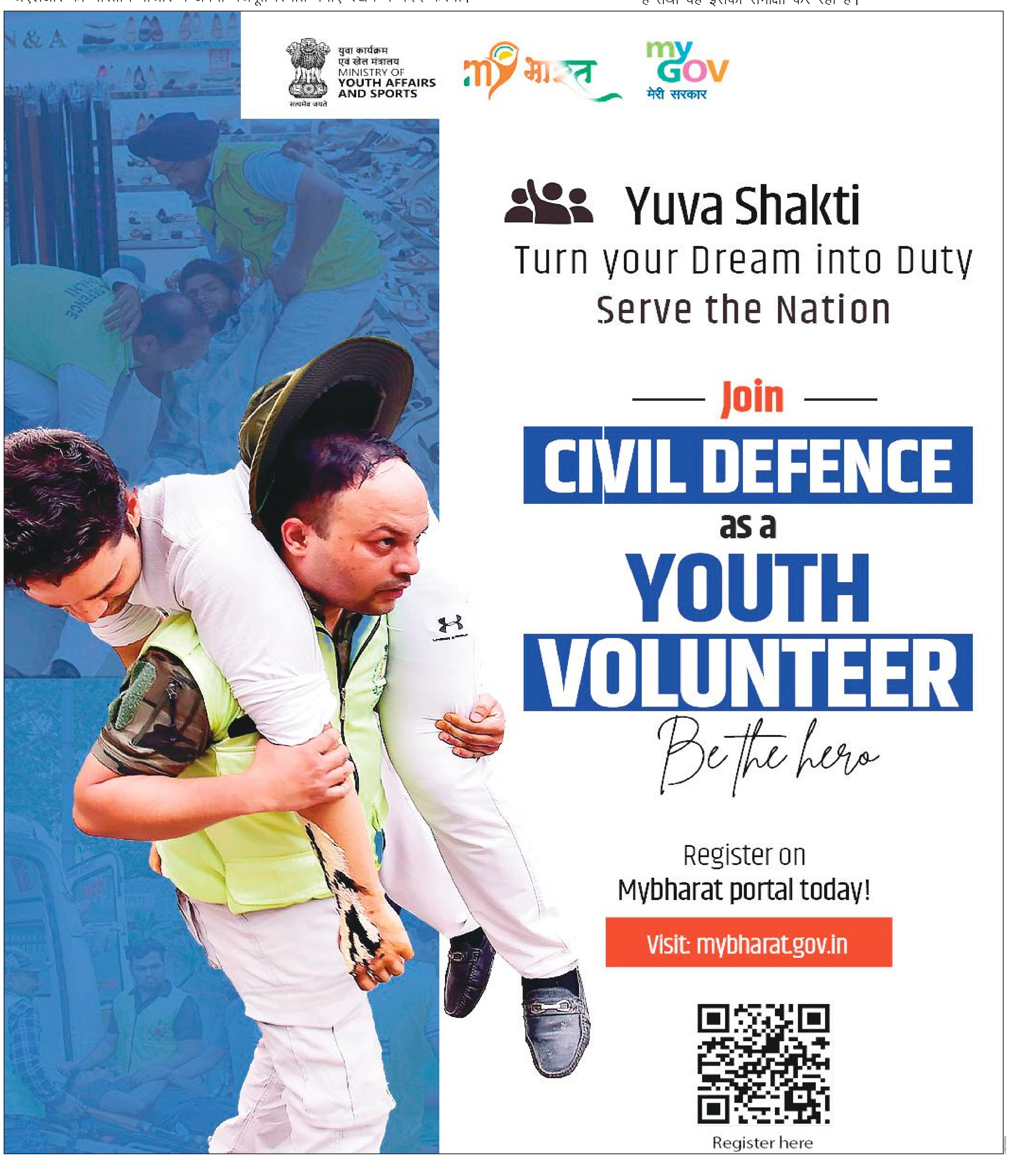

UIDAI shares non-personal Aadhaar Dashboard Data to promote transparency and research

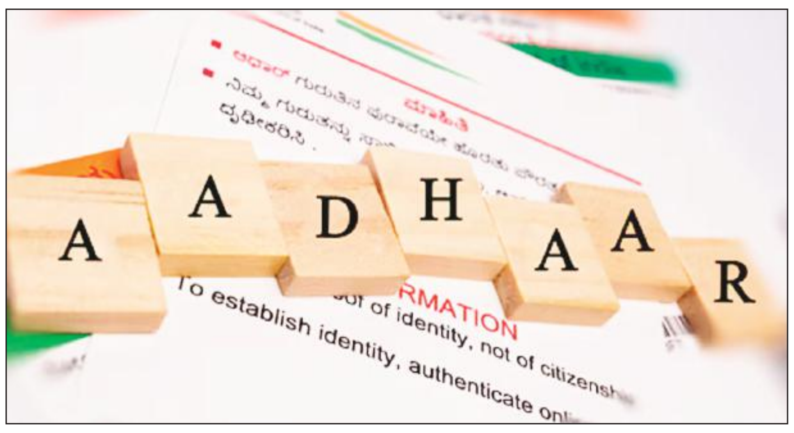

New Delhi, Focus News: The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has begun sharing non-personal, anonymized data from the Aadhaar Dashboard on the open government data platform, data.gov.in The move aims to further promote transparency, research, and data-driven policy making. The datasets, released by Chief Data Officer (CDO) and Deputy Director General of UIDAI, include aggregated insights on Aadhaar enrolment, updates, and authentication patterns, categorized by geography, age-group and other relevant parameters. By making these non-personal and anonymized datasets accessible, UIDAI aims to support academic research, innovation in digital services, and collaborative developments. This initiative opens new avenues for evidence-based policy-making and technological innovation, furthering UIDAI's commitment to transparency, public good, and secure data governance. It also aligns with the broader government vision of fostering evidence-based policy making and maximizing the value of open data for the public good. It is expected to further boost digital inclusion and governance efficiency.

Secretary Shashanka Ala Chairs Review Meeting on Progress of Girls' and Working Women's Hostels

Leh, The Administrative Secretary, Social & Tribal Welfare Department, Union Territory of Ladakh, Shashanka Ala chaired a review meeting at the Civil Secretariat, Leh, to assess the progress of Girls' Hostels and Working Women's Hostels being executed by the National Highways & Infrastructure Development Corporation Limited (NHIDCL). The Executive Director of NHIDCL provided an overview of the progress on the ongoing 300-bedded hostel projects. During the meeting, the Secretary reviewed the status of ongoing and proposed hostel projects. She emphasized the importance of timely execution to ensure improved access to education and employment opportunities for women, particularly those from remote and underserved areas.The Secretary directed concerned officials to resolve pending issues on priority and to expedite administrative and technical processes to avoid delays. The meeting also addressed matters related to the provision of water supply and electricity connections for Old Age Homes, as well as the electricity supply for Anganwadi Centres. The meeting was attended by the Director, Social & Tribal Welfare Department; Chief Engineer, PWD Ladakh; Chief Engineer, CPWD Ladakh; Executive Director, NHIDCL; Assistant Director, Planning; and Executive Engineers from PHE, PDD, and Rural Engineering Wing.

Department of Economic Affairs amends Rule 8 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957

New Delhi, Focus News: The Department of Economic Affairs (DEA), Ministry of Finance, amended Rule 8 of the Securities Contracts (Regulation) Rules (SCRR), 1957, via Gazette Notification G.S.R. 318(E). The amendment gives regulatory clarity to enhance ease of doing business for brokers. After taking note of the concerns raised by various stakeholders over certain provisions in the said Rules, the DEA had released a Consultation Paper in September, 2024, (Consultation Paper for Public Comments on Rule 8 SCRR (1957).pdf) inviting stakeholder comments. Given the growth in the scale and interconnectedness of the financial sector and the evolution of nature of business of brokers with time, the DEA felt it necessary to review the appropriateness of safeguards embedded in the Rules so that the intent of the Rules is served without constraining activities of the stakeholders. The amendment has been carried out after due consideration of feedback from the stakeholder and is part of the broader emphasis of the Government to provide regulatory clarity and enhance ease of doing business in the financial sector. It will ensure that market intermediaries continue to support the development of India's capital markets in a transparent and well-regulated manner.

Together We Stand, Together We Say NO to Drugs – DPS Leh Leads the Way!

Leh, Focus News: In a powerful initiative to combat the growing challenges faced by today's youth, the YATO Club of *Delhi Public School* organized an impactful event centered around drug abuse, peer pressure, and mental health. The program featured a gripping skit, an expressive dance performance, and a thought-provoking presentation—all designed to raise awareness and inspire students to make healthier life choices. "*One wrong choice can change your life*—*but so can one right one,"* was a line from the skit that resonated deeply with the audience, highlighting the importance of making informed decisions. The presentation encouraged students to value themselves and stand firm against negative influences. A student speaker shared, "*True strength is saying no when everyone else says yes."* The event also emphasized the importance of mental well-being and peer support. As one performer stated, "*You're never alone. Speak up. Reach out. Help is always around the corner."* Through creative expression and honest conversations, students were reminded of their inner strength and the power of unity. The event strongly reflected the *YATO Club's* guiding motto: "*Where there is righteousness, there is victory."*

Jain Acharya Lokesh addressed the International Yoga Day at the Ethiopian Embassy

Peace, Harmony, Prosperity generated by yoga is helpful in reaching the destination of world peace - Acharya Lokesh

New Delhi, Focus News: Founder of Ahimsa Vishwa Bharti and World Peace Center Jain Acharya Lokeshji addressed the International Day of Yoga organized at the Ethiopia Embassy. On the 10th International Yoga Day Harit Yoga Celebration was organized by the Embassy of Ethiopia and Dr. Sanjana John Federation of Hotel & Restaurant Association of India, with the presence of Ambassador of Ethiopia Mr. Feseha Shawel Gebre, and many distinguished guests. World Peace Ambassador Acharya Lokeshji on the occasion said that I had the opportunity to address the first International Yoga Day celebrations at United Nations Headquarters in New York with the auspicious presence of India's External Affairs Minister Smt. Sushma Swaraj, Founder of Art of Living Sri Sri Ravishankarji, and United Nations Secretary General Mr. Ban Ki Moon in 2015. Eminent Jain Acharya Lokeshji said that Yoga is a wonderful gift of ancient Indian culture to the people of the world that keeps mental, emotional, and physical health balanced. Peace, harmony, and prosperity generated by yoga help in achieving world peace; it eliminates negative thinking and creates positive thinking. Yoga is an important part of Jainism; the idols of all Jain Tirthankaras are seen in yoga postures.
Ambassador of Ethiopia Mr. Fesseha Shawel Gebre said that the cultural heritage and mutual dialogue between India and Ethiopia can become the basis for world peace. He said that although there are no Hindus in Ethiopia, there are Christians and Muslims in equal numbers, and they practice yoga, meditate, pray, and perform rituals. Dr. Sanjana John said that yoga has become universal; people from every country, religion, caste, and sect have included yoga and meditation in their lifestyle. Yoga cares for the environment, animals, birds, and plants along with humans. Green yoga combines yoga with tree planting and cleaning campaigns. On this occasion, after the address by many eminent personalities, tree plantation was also done.

Voices of Change Echo at DU: 'Samvaad Se Badlaav' Illuminates Power of Dialogue

New Delhi, Focus News: A powerful convergence of purpose and passion unfolded at Indraprastha College for Women, Delhi University, as the Sant Eshwer Foundation hosted its much-anticipated talk series, 'Samvaad Se Badlaav', under the resonant theme #RealStoriesRealChange. The event exemplified how conversation and storytelling can act as catalysts for transformation in society. The session commenced with a heartfelt invocation and the formal proposal of the Sant Eshwer Foundation by Ms. Vrinda, which set the spiritual and intellectual tone for the gathering. Her words underscored the foundation's unwavering commitment to service, dialogue, and social impact. The event was presided over by Mrs. Renu Pathak, General Secretary of Rashtriya Seva Bharati, and featured a distinguished panel comprising Padma Shri Himmata Ram Bhambhu, 2019 Sant Eshwer Samman Awardee and celebrated environmentalist; Mr. Ashwini Khurana, Founder & CEO of Karma Lakelands and a champion of sustainable living; and Prof. Poonam Kumria, Principal of IP College, known for her vision of value-based education.
Welcoming the audience of faculty, students, and dignitaries, Prof. Poonam Kumria emphasized the indispensable role of educational institutions in nurturing socially responsible citizens. She applauded the initiative for bridging the gap between academic dialogue and real-world action. Padma Shri Himmata Ram Bhambhu moved the audience with his decades-long commitment to the environment, having planted over 6 million trees across India. Through his poem "Jo koi kaate ped, use sab milkar daanto re," he urged the youth to become custodians of nature and to lead by example. Echoing the spirit of Samvaad Se Badlaav, Mr. Ashwini Khurana inspired students to translate conversation into action—by planting a sapling and switching off their mobile phones for eight hours daily—encouraging conscious leadership and sustainable habits in an increasingly digital world. Mrs. Renu Pathak brought the message of dialogue and transformation to life with a compelling personal account of empowering over 1,000 individuals across 65 villages through committed community engagement. The event was further graced by the presence of eminent guests, including Mr. Yogender Chaudhary, IRS, Padma Shri Kamal Singh, Mr. Vaibhav, and Mr. Harsh, whose presence added great value and honour to the occasion. Organized by the Sant Eshwer Team — Dr. Abhishek Tandon and Dr. Priyanka Sachdeva — the event was not merely a platform for dialogue, but a springboard for tangible action and civic responsibility. The session concluded with a collective affirmation that Samvaad — meaningful conversation — is not just an exchange of ideas, but a seed of transformation. When driven by will and wisdom, it inevitably leads to Badlaav — real, lasting change.

Nitin Gadkari to perform Ground Breaking for iconic Observatory Towers in Goa

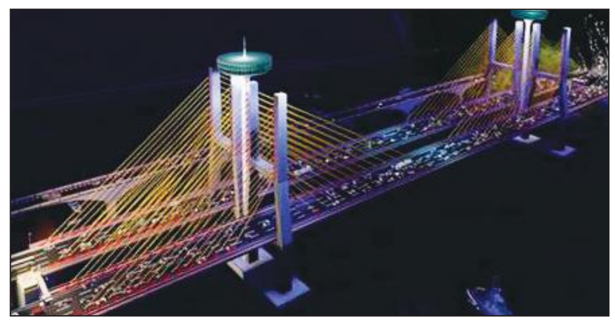

New Delhi, Focus News: Union Minister of Road Transport and Highways, Shri Nitin Gadkari to perform the Groundbreaking Ceremony for the iconic Observatory Towers atop the New Zuari Bridge in Goa on Friday, the 23rd May 2025. The visionary leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji, the pioneering initiative of Shri Nitin Gadkari, and the committed efforts of Goa Chief Minister Shri Pramod Sawant, all have made this possible. The project, estimated at a cost of ₹270.07 crore and to be constructed over a span of five years, will feature observatory towers inspired by the Eiffel Tower in Paris. With a revolving restaurant and an art gallery, it is designed to serve as a global tourist attraction and is poised to become a landmark in Goa's rich touristic landscape. To be executed on the DBFOT (Design, Build, Finance, Operate, and Transfer) model, the initiative will involve zero financial burden on the Government. The concessionaire will be responsible for full construction and will operate the facility for a concession period of 50 years. Strategically placed between pylons on two pile cap foundations, each tower will rise to a height of 125 metre, featuring shaft dimensions of 8.50 metre by 5.50 metre.
The upper levels will house 2 expansive floors with minimum dimensions of 22.50 metre by 17.80 metre, equipped with capsule lifts for panoramic ascents. Complemented by viewing galleries, cafeterias, and state-of-the-art tourist amenities, the towers will offer a holistic experience. A dedicated walkway bridge of 7.50 metre carriage width will be constructed on either side in the marine portion, allowing seamless tourist access. Parking facilities will be provisioned on both ends of the bridge, ensuring convenience for visitors. The project is expected to significantly catalyse tourism and economic activity across Goa, while also creating direct and indirect employment opportunities and enhancing India's infrastructure-led global image. It will foster local entrepreneurship by boosting allied sectors such as hospitality, transport, and retail.

LPU Chancellor & MP Dr. Ashok Mittal Announces 'Jai Jawan Scholarship' — World's Largest Private Scholarship Scheme for Over 22 Lakh Active Defence and Paramilitary Personnel

New Delhi, Focus News: In a landmark move reflecting national gratitude and a commitment to educational inclusion, Lovely Professional University (LPU) has announced the launch of the 'Jai Jawan Scholarship'—a 100% tuition fee waiver for all active defence and paramilitary personnel enrolling in LPU's undergraduate and postgraduate programmes offered in online mode. The initiative is designed exclusively for India's 22 lakh active defence (Army, Navy & Air Force) and paramilitary personnel, including the CRPF, ITBP, BSF, and SSB, making it the world's largest private scholarship scheme in education for armed forces. The announcement was made at a press conference held at the Constitution Club of India, New Delhi, chaired by Dr. Ashok Kumar Mittal, Founder Chancellor of LPU and Member of Parliament (Rajya Sabha). Announcing the initiative, Dr. Ashok Kumar Mittal said, "No amount of salutes are ever enough to honour the bravery and sacrifices of our Armed Forces. This scholarship holds special national relevance in the wake of Operation Sindoor, where our brave personnel displayed extraordinary courage in response to the horrific massacre of civilians in Pahalgam. Their swift and determined action ensured the safety of the nation and reaffirmed India's standing as a strong and resilient global power. These full scholarships are a tangible expression of solidarity—because true respect must go beyond words and translate into action."
Addressing the media, Dr. Ashok Kumar Mittal, Chancellor of Lovely Professional University, made a historic announcement — the launch of the world's largest educational scholarship initiative for defence and paramilitary personnel. This groundbreaking Jai Jawan Scholarship is set to benefit over 22 lakh active service members, firmly aligning with LPU's mission to lead an education revolution and make higher learning accessible, inclusive, and empowering. Dr. Mittal declared that every active defence and paramilitary personnel taking admission in the 2025–2026 and 2026–2027 academic sessions (including both July and January intakes) will be eligible for this scholarship. "This is our tribute to the selfless dedication of our brave hearts. They protect the nation; it is our duty to empower them with knowledge," he said.
LPU's flexible UGC-entitled online degree programmes are tailored to meet the unique needs of armed forces personnel, who often face frequent relocations and operational demands. With anytime-anywhere access, online classes, and examinations, these programmes offer unparalleled convenience and adaptability, whether the learner is posted in Siachen's icy heights or aboard a submarine deep in the ocean. Highlighting the deep-rooted connection between LPU and the Indian Armed Forces, Dr. Mittal added, "Our relationship with the defence community is not new.

Live Session conducted by DARPG and CSC with VLEs on 20th May, 2025

New Delhi, Focus News: To strengthen citizen-centric governance, a live session was conducted today by the Department of Administrative Reforms and Public Grievances (DARPG) and the Common Services Centres (CSC) in collaboration with the Ministry of Labour and Employment and CSC VLEs to address EPFO-related grievances received on the CPGRAMS portal. The session was attended by key dignitaries including Shri V. Srinivas, Secretary, DARPG; Shri Ramesh Krishnamurthi, Central Provident Fund Commissioner, Employees' Provident Fund Organisation; Shri Alok Mishra, Joint Secretary, Ministry of Labour and Employment; and Shri Sanjay Kumar Rakesh, MD & CEO, CSC e-Governance Services India Ltd. Village Level Entrepreneurs (VLEs) from across the country also participated in this virtual interaction. Sanjay Kumar Rakesh, MD & CEO, CSC e-Governance Services India Ltd. highlighted CSCs' role in delivering last-mile grievance redressal. Shri V. Srinivas, Secretary, DARPG, delivered an insightful presentation on the EPFO-related grievance trends received through CSCs in the year 2025 emphasizing the role of CSC VLEs in enabling last-mile delivery of grievance redressal services and highlighting the need for awareness generation about the CPGRAMS platform. Ramesh Krishnamurthi, Central Provident Fund Commissioner, Employees' Provident Fund Organisation outlined recent reforms in EPFO services, such as simplified processes for PF withdrawals, UAN generation via UMANG, and account transfers. The session conclded with an interactive session between senior officials and VLEs from Maharashtra, Gujarat, and Uttarakhand to understand citizens' concerns and gather field-level suggestions. This initiative forms part of the broader mandate given by the Hon'ble Prime Minister to make grievance redressal systems more sensitive, accessible, and meaningful for all citizens. The Government continues to promote inclusive e-governance through initiatives like CPGRAMS and CSC, reinforcing its commitment to responsive and accountable administration.

EPFO Adds 14.58 Lakh Net Members during March 2025

New Delhi, Focus News: The Employees' Provident Fund Organization (EPFO) has released provisional payroll data for March 2025, revealing a net addition of 14.58 lakh members. The year-on-year analysis reveals an increase of 1.15% in net payroll additions compared to March 2024, signifying increased employment opportunities and heightened awareness of employee benefits, bolstered by EPFO's effective outreach initiatives. **Key highlights of the EPFO Payroll Data (March 2025) are as follows: New Subscribers:** EPFO enrolled around 7.54 lakh new subscribers in March 2025, representing a 2.03% increase over February 2025 and 0.98% year over year growth compared to the previous year in March 2024. This growth in new subscribers can be attributed to growing employment opportunities, increased awareness of employee benefits, and EPFO's successful outreach programs.

Age Group 18-25 Leads Payroll Addition: A noticeable aspect of the data is the dominance of the 18-25 age group, 4.45 lakh new subscribers added in the 18-25 age group, constituting a significant 58.94% of the total new subscribers added in March 2025. New subscribers in the 18-25 age group added in the month show an increase of 4.21% compared to the previous month of February 2025. It also depicts a growth of 4.73% from the previous year in March 2024. Further, the net payroll addition for the age group 18-25 for March 2025 is approximately 6.68 lakh reflecting a growth of 6.49% from the previous year in March 2024. This is in consonance with the earlier trend which indicates that most individuals joining the organized workforce are youth, primarily first-time job seekers.

Rejoined Members: Approximately 13.23 lakh members, who had exited earlier, rejoined EPFO in March 2025. This figure depicts a 0.39% increase over February 2025. It also shows a significant 12.17% year-over-year growth compared to March 2024. These members switched their jobs and re-joined the establishments covered under the ambit of EPFO and opted to transfer their accumulations instead of applying for final settlement thus safeguarding long-term financial well-being and extending their social security protection.

Growth in Female Membership: Around 2.08 lakhs new female subscribers joined EPFO in March 2025. It reflects an increase of 0.18% compared to the previous month of February 2025. It also depicts year-over-year growth of 4.18% compared to March 2024. Further, the net female payroll addition during the month stood at around 2.92 lakh, with a year over year growth of 0.78% compared to March 2024. The growth in female member additions is indicative of a broader shift towards a more inclusive and diverse workforce.

State-wise Contribution: State-wise analysis of payroll data denotes that the top five states/ UTs constitute around 59.67% of net payroll addition, adding a total around 8.70 lakh net payroll during the month. Of all the states, Maharashtra is leading by adding 20.24% of net payroll during the month. The states/UTs of Maharashtra, Tamil Nadu, Karnataka, Haryana, Gujarat, Delhi, Uttar Pradesh and Telangana individually added more than 5% of the total net payroll during the month.

Industry-wise Trends: Month-on-month comparison of industry-wise data displays significant growth in the net payroll addition working in establishments engaged in the industries viz. RESTAURANTS, CEMENT, GENERAL INSURANCE CANTEENS, FORWARDING AGENCY, TRAVEL AGENCIES, HOTEL.

Of the total net payroll addition, around 45.59% addition is from expert services (consisting of manpower suppliers, normal contractors, security services, miscellaneous activities etc.

India Accelerates National EV Charging Grid under PM E-Drive

H.D. Kumaraswamy chairs inter-ministerial meeting to fast-track deployment

New Delhi, Focus News: Union Minister for Heavy Industries, H.D. Kumaraswamy chaired a inter- ministerial coordination meeting today with senior officials from the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Ministry of Road Transport and Highways, and Ministry of Heavy Industries to review and accelerate the implementation of EV charging infrastructure under the PM E-Drive scheme. The scheme, launched under the visionary leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, aims to build a nationwide EV-ready ecosystem to enable cleaner transport and reduce India's dependency on fossil fuels. With a financial outlay of ₹2,000 crore, the PM E-Drive scheme will support the installation of approximately 72,000 EV public charging stations across the country. These stations will be strategically deployed along 50 national highway corridors, within high-traffic destinations such as metro cities, toll plazas, railway stations, airports, fuel outlets, and state highways. Union Minister Shri H.D. Kumaraswamy said, "Under the visionary leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, India is on the path to becoming a global model for sustainable transport. The PM E-Drive scheme is a transformative initiative aimed at giving our citizens access to clean, affordable, and convenient mobility options. We are not just building infrastructure; we are building the foundation for energy security and green economic growth." The minister also acknowledged the integrated role of various stakeholders in the execution of this initiative. BHEL (Bharat Heavy Electricals Limited) is being considered as the nodal agency for demand aggregation and for the development of a unified digital super app that will serve as a single platform for EV users across India. The app will feature real-time slot booking, payment integration, charger availability status, and progress dashboards for tracking national deployment under the PM E-Drive scheme. BHEL will also coordinate with states and ministries to compile and evaluate proposals for charger installations.

Minister Kumaraswamy emphasized the importance of collaborative federalism and convergence of missions: "The clean energy transition cannot succeed in silos. This meeting reflects our commitment to working as one government. Ministries, public sector enterprises, and states are all aligned to deliver results on ground. We are confident that PM E-Drive will catalyse new industries, generate green jobs, and offer seamless electric mobility to every Indian." The project's success is expected to significantly reduce India's carbon emissions from transport, promote Make in India manufacturing in EV infrastructure, and lay the groundwork for a net-zero mobility future.

Bihar Steps onto the Global Stage: Patna Hosts Milestone International Buyer-Seller Meet

New Delhi, The Ministry of Food Processing Industries (MoFPI), in close partnership with the Government of Bihar, APEDA, and the Trade Promotion Council of India (TPCI), successfully concluded the first-ever International Buyer-Seller Meet (IBSM) in Bihar at Gyan Bhawan, Patna. The two-day event marked a milestone in Bihar's agri-food journey, establishing direct linkages between state's micro, small, and medium enterprises (MSMEs), Farmer Producer Organisations (FPOs), and Self-Help Groups (SHGs) with leading international buyers. The tone was set by Shri Chirag Paswan, Union Minister for Food Processing Industries, whose visionary address positioned the IBSM as a defining milestone in Bihar's economic resurgence. Calling it part of a transformative mission, he envisioned a Bihar where youth become job creators and local crops earn global recognition and value. Reflecting on the State's civilisational legacy, he said Bihar's spirit of knowledge, resilience, and leadership is now powering its rise in the global agri-food economy. He affirmed that a Viksit Bihar will naturally pave the way for the realisation of the vision of Viksit Bharat. The IBSM saw participation from over 70 international buyers representing 20 countries—including delegates from the UAE, Singapore, Japan, Ghana, Spain, Germany, and the UK—alongside more than 50 domestic and 20 institutional buyers. More than 500 structured B2B meetings were held in the IBSM, creating unprecedented export opportunities for Bihar's signature products such as GI-tagged makhana (fox nut), Shahi litchi, Zardalu mango, and Katarni rice. Through these meetings, many processors gained direct market leads, opening new pathways to scale their operations and integrate into global value chains. Several promising leads emerged across key product categories in the IBSM. Buyers from West Africa expressed interest in Sattu, a high-protein traditional food with export potential. Singapore-based firms initiated discussions for commercial supply of litchi and mango, while airline and railway catering entities explored sourcing makhana, rice, pulses, and lentils for in-flight services and premium-category trains. A highlight of the meet was the signing of a Memorandum of Understanding (MoU) between APEDA, the Government of Bihar, and UAE-based Lulu Group. This agreement aims to extend the shelf life and export potential of Bihar's renowned litchis, opening new avenues for the state's horticultural exports.

India Reaffirms Global Health commitment at the 78th World Health Assembly

New Delhi, India addressed the plenary session of the 78th World Health Assembly today, reaffirming its commitment to global health equity under the theme "One World for Health." Representing the Indian delegation, Union Health Secretary, Smt. Punya Salila Srivastava congratulated the newly elected committee chairs and welcomed the opportunity for meaningful international dialogue and collaboration. Speaking on India's commitment to inclusive and universal health, Smt. Srivastava emphasized on the transformative strides made under flagship initiatives like Ayushman Bharat, which has dramatically expanded access to comprehensive healthcare.

"The program has expanded access to comprehensive healthcare, improved infrastructure, provided financial protection for advanced treatments and accelerated digital health adoption – paving the way toward Universal Health Coverage", she stated.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मुलाकात की

लखनऊ, फोकस न्यूज, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को यहां उनके सरकारी आवास पर टाटा संस के चेयरमैन एन. चन्द्रशेखरन ने मुलाकात की। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुलाकात के दौरान राज्य के औद्योगिक विकास, निवेश बढ़ाने, भविष्य की रणनीतियों तथा प्रदेश को देश–विदेश के निवेशकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाने के विषय पर गहन विचार–विमर्श हुआ। एक बयान के मुताबिक इस अवसर पर अयोध्या में प्रस्तावित ''टैंपल आर्किटेक्चर म्यूजियम'' परियोजना की प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा हुई। यह संग्रहालय न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोने का कार्य करेगा, बल्कि राज्य के पर्यटन क्षेत्र को भी एक नयी ऊंचाई प्रदान करेगा। बयान में कहा गया, ''जेवर हवाई अड्डा परियोजना पर भी विचार–विमर्श हुआ जो उत्तर प्रदेश के आर्थिक और वाणिज्यिक विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली है। इस दौरान 'एअर इंडिया की सम्भावित एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉलिंग) सुविधा की स्थापना को लेकर भी विस्तृत वार्ता हुई, जिससे प्रदेश में विमानन सेवा क्षेत्र के विकास को मजबूती मिलेगी और हजारों रोजगार के अवसर सृजित होंगे।'' मुख्यमंत्री ने टाटा समूह की प्रदेश में व्यापक निवेश की सराहना की और निवेशकों के लिए बेहतर औद्योगिक माहौल, निरन्तर सुधार और सुगम प्रशासन सुनिश्चित करने के अपने दृढ़ संकल्प को दोहराया। उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन को राज्य में उनके समूह के निवेश को और विस्तार देने के लिए आमंत्रित करते हुए विशेष रूप से लखनऊ में एक 'ग्लोबल कैप्टिव सेंटर' की स्थापना की भी बात कही। एन. चंद्रशेखरन ने उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग–हितैषी नीतिगत फैसलों, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश के लिए तेजी से बनने वाली सकारात्मक पारिस्थितिकी तंत्र की प्रशंसा की।
उन्होंने आश्वस्त किया कि टाटा समूह राज्य सरकार के साथ मिलकर सक्रिय रूप से सहयोग करेगा कि उत्तर प्रदेश की निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान बने। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि टाटा संस की आगामी परियोजनाओं में प्रदेश की प्रमुख भूमिका सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश सरकार और टाटा संस की इस साझेदारी से न केवल स्थानीय उद्योगों को बल मिलेगा, बल्कि व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन और सामाजिक–आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

धामी ने एनडीआरएफ के पर्वतारोहण अभियान 'शौर्य' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

देहरादून, फोकस न्यूज, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) द्वारा आयोजित तृतीय पर्वतारोहण अभियान 'शौर्य' को बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यहां मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पर्वतारोहण अभियान पर जाने वाले एनडीआरएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे न केवल अपने अभियान में सफल होंगे बल्कि इसका अनुसरण करने वाले अन्य पर्वतारोहियों को भी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीआरएफ के जवान राज्य में आने वाली हर आपदा में 'ग्राउंड जीरो' (घटनास्थल) पर रहते हैं और साहसिक गतिविधियों में भाग लेकर अपने कौशल का विस्तार करने के साथ ही युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐंगलिंग, साइक्लिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग जैसी अनेक साहसिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही है और राज्य में प्रतिवर्ष टिहरी वाटर स्पोर्ट्स, नयार महोत्सव जैसी अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुखवा भ्रमण के दौरान कई साहसिक खेलों के प्रतिभागियों को स्वयं हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और सहयोग से राज्य सरकार प्रदेश को साहसिक खेलों और ईको–टूरिज्म के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने का कार्य कर रही है।

छत्तीसगढ़ में 27 माओवादियों को ढेर करने पर बोले प्रधानमंत्री मोदी– हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उन्हें छत्तीसगढ़ में 27 माओवादियों को मार गिराने वाले सुरक्षा बलों पर गर्व है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा, "इस उल्लेखनीय सफलता के लिए हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है। हमारी सरकार माओवाद की बुराई को समाप्त करने तथा अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण एवं प्रगतिशील जीवन सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है।" केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि नक्सल आंदोलन के शीर्ष नेता और रीढ़, भाकपा–माओवादी का महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू बुधवार को छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए 27 खूंखार नक्सलियों में शामिल था। शाह ने यह भी कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में यह पहली बार है कि महासचिव स्तर के किसी नेता को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि बसवराजू की उम्र करीब 70 साल थी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ नारायणपुर–बीजापुर–दंतेवाड़ा जिलों के त्रि–जंक्शन पर अभुजमाड़ के घने जंगलों में हुई।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तिरूपति में श्री गंगम्मा जतरा में पूजा–अर्चना की

कुप्पम (आंध्र प्रदेश), फोकस न्यूज, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को चित्तूर जिले के तिरूपति में श्री गंगम्मा जतरा (मंदिर मेला) में भाग लिया और पूजा–अर्चना की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि अपनी पत्नी एन. भुवनेश्वरी के साथ आए चंद्रबाबू नायडू ने राज्य सरकार और तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से भगवान को रेशमी वस्त्र और प्रसाद अर्पित किया। विज्ञप्ति में कहा गया, ''कुप्पम श्री प्रसन्ना तिरुपति गंगम्मा जतरा के तहत मुख्यमंत्री नायडू और उनकी पत्नी ने मंदिर की यात्रा की और रेशमी वस्त्र और प्रसाद चढ़ाया।''

मुंबई पर भारी निर्भरता महाराष्ट्र के विकास के लिए चुनौतियां : रिपोर्ट

मुंबई, अगले पांच वर्षों में एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के महाराष्ट्र के लक्ष्य को क्षेत्रीय रूप से विषम विकास पैटर्न और मुंबई पर भारी निर्भरता के कारण प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इस महीने 16वें वित्त आयोग को प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में कम कृषि उत्पादकता, तेजी से हो रहा शहरीकरण, अपर्याप्त स्वास्थ्य और शिक्षा ढांचा, जनसांख्यिकीय परिवर्तन एवं जलवायु परिवर्तन को आर्थिक विकास में बाधा बताया गया है।

अयोध्या में राम मंदिर में पांच जून को होगा राम दरबार का प्राण प्रतिष्ठा समारोह : नृपेंद्र मिश्रा

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, श्री राम जन्मभूमि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा का कहना है कि अयोध्या में प्रतिष्ठित राम मंदिर का निर्माण पांच जून तक पूरा हो जाएगा और तीन जून से शुरू होने वाले समारोह में 'राम दरबार' की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। मिश्रा ने बुधवार को 'पीटीआई भाषा' के साथ साक्षात्कार के दौरान कहा कि 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह पांच जून को होगा और इसके बेहद भव्य होने की उम्मीद है, लेकिन इस बार अतिथियों की सूची भिन्न हो सकती है। पिछले वर्ष 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में एक समारोह में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। मिश्रा ने कहा, ''राम दरबार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा पांच जून को होगी... अनुष्ठान तीन जून से शुरू हो जाएंगे। इसके अलावा परिसर में सात अन्य मंदिर भी बनाए गए हैं और उन मंदिरों के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान उसी दिन किए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''मंदिर का निर्माण कार्य पांच जून तक पूरा हो जाएगा, सिवाय भगवान राम की कहानी को दर्शाने वाले भित्ति चित्रों के, जिन्हें मंदिर के निचले हिस्से में लगाया जाना है।'' सात मंदिरों में ऋषि वशिष्ठ, वाल्मीकि, अगस्त्य, विश्वामित्र, अहिल्या, शबरी और निषादराज के मंदिर शामिल हैं। मंदिर में नयी संरचनाओं के बारे में पूछे जाने पर मिश्रा ने बताया कि मंदिर का निर्माण तीन चरणों में किया गया है। उन्होंने कहा, ''पहला चरण वह था जब भूतल का काम पूरा होना था और रामलला का विग्रह स्थापित किया जाना था। इसलिए यह 2024 के शुरू में किया गया और प्राण प्रतिष्ठा भी की गई।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद, शेष कार्य – मंदिर की दूसरी मंजिल का निर्माण, जो अब कमोबेश पूरा हो चुका है, और राम दरबार जिसमें भगवान राम, सीता, भगवान राम के भाई और श्री हनुमान शामिल हैं, अब गर्भगृह में जाएंगे जो पहली मंजिल पर बनाया गया है।'' राम दरबार की मूर्तियों को जयपुर के कारीगरों ने राजस्थान की खदानों में पाए जाने वाले मकराना संगमरमर से तैयार किया है। जब मिश्रा से यह पूछा गया कि क्या पांच जून का प्राण प्रतिष्ठा समारोह पिछले साल की तरह भव्य होगा, उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट अंतिम रूपरेखा तय कर रहा है। उन्होंने कहा, ''... प्राण प्रतिष्ठा समारोह हमेशा भव्य होते हैं। क्योंकि आप स्पष्ट रूप से आह्वान कर रहे हैं और भगवान की 'प्रतिष्ठा' की जा रही है।'' मिश्रा ने कहा, ''लेकिन शायद अतिथियों की सूची अलग होगी। हो सकता है कि पूजा कराने वाले पुजारी अलग हों। इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि यह उसी के समान है। लेकिन मैं कहूंगा कि इसका उद्देश्य वही है और यह उसे हासिल करेगा।'' उन्होंने कहा, ''वे उन आध्यात्मिक लोगों की सूची का चयन कर रहे हैं जिन्होंने एक निश्चित स्तर प्राप्त कर लिया है और जो मान्यता प्राप्त आध्यात्मिक संत और साधु हैं। उन्हें समारोह में आमंत्रित किया जाएगा।'' मिश्रा ने कहा कि अतिथि सूची में राज्य या केंद्र के विशिष्ट लोग शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि ट्रस्ट का मानना है कि भगवान राम की बाल रूप में प्राण प्रतिष्ठा की जा चुकी है और यह इस देश के शीर्ष व्यक्ति प्रधानमंत्री की उपस्थिति में की गई थी, इसलिए ऐसा करने के बाद उसका विचार है कि शायद उस प्रकृति का दूसरा समारोह करने की आवश्यकता नहीं है।'' मिश्रा ने कहा, ''ट्रस्ट इस पर विचार कर रहा है। और शायद वे उस समारोह के समय विभिन्न धर्मों के कई आध्यात्मिक गुरुओं को भी आमंत्रित करेंगे। ट्रस्ट ने यह भी निर्णय लिया है कि राज्य या केंद्र सरकार से किसी भी विशिष्ट व्यक्ति को समारोह में आमंत्रित नहीं किया जाएगा।''